गुरुवार

22 अगस्त 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

हादसा : पटना में सेप्टिक टैंक में दम घुटने से 4 मजदूरों की मौत

2

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 9-14 साल की लडकियों को मुफ्त में लगेगा टीका

नीतीश सरकार का फैसला

- नीतीश कैबिनेट की बैठक में कुल 31 एजेंडे पर लगी मुहर
- 95 लाख लड़कियों के टीकाकरण पर 150 करोड़ रुपये खर्च करेगी सरकार
- पटना में राजकीय समारोह के रूप में मनेगी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी की पुण्यतिथि

केटी न्यूज/पटना

नीतीश कैबिनेट की बैठक में कुल 31 एजेंडे पर मुहर लगी है। बिहार सरकार ने महिलाओं को

सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट की बैठक में 9-14 साल की लडकियों के लिए मुफ्त में सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका लगाने का फैसला हुआ है। इसके लिए बिहार सरकार ने टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल यानि टीएमएस से समझौता किया है। 9 से 14 साल की 95 लाख लड़कियों के टीकाकरण पर बिहार सरकार 150 करोड़ रुपये खर्च करेगी। ये दोनों टीके छह महीने के अंतराल में लगायी जाएंगी। महिलाओं को कैंसर से बचाव की दिशा में सरकार की यह बड़ी पहल है। पुरुषों को पैपिलोमा वायरस से बचाव के लिए भी सरकार ने पहल की है।

खेल विभाग में 466 अतिरिक्त पदों को दी गई मंजूरी

खेल विभाग में 466 अतिरिक्त पदों को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही राजगीर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए संविदा पर 33 पद मंजूर किए गये हैं। बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ी सीधी भर्ती नियम में संशोधन को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही टाटा मेमोरियल अस्पताल से भी समझौते को मंजूरी मिली है। नगर निगम के कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ मिलेगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी की पुण्यतिथि हर साल 16 अगस्त को पटना में राजकीय समारोह के रूप में मनाया जाएगा। गृह विभाग ने राज्य के विभिन्न जेलों में कारा एवं अस्पताल प्रबंधन के लिए कारा चालक-1 के कुल 67 अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति दी है।

टू व्हीलर का अब 1500 रुपये के बजाय 1050 रु. शुल्क लगेगा

सरकार ने व्हीकल टैक्स को घटाया है। रजिस्ट्रेशन टैक्स घटाने के पीछे गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन बढ़ाने के लिए किया गया है। टू व्हीलर के अब 1500 रुपये के बजाए 1050 शुल्क लगेगा। नगर निकाय के कर्मियों को बड़ा तोहफा मिला है। सरकार ने सातवें वेतनमान का लाभ देने के फैसला लिया है। 1 जनवरी 2016 के प्रभाव से वैचारिक लाभ दिया जाएगा। आर्थिक लाभ 1 अप्रैल 2017 के प्रभाव से मिलेगा। वही राजकीय पोलिटेक्निक या राजकीय महिला पोलिटेक्निक संस्थानों में अंग्रेजी, भौतिकी, रसायनशास्त्र एवं गणित विषय के अंतर्गत पूर्व से सृजित व्याख्याता के कुल 284 पदों के अतिरिक्त व्याख्याता के 131 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गयी।

पटना सदर अंचल को 4 अंचलों में विभाजित करने का फैसला

पटना सदर अंचल को 4 अंचलों में विभाजित करने का फैसला कैबिनेट में लिया गया है। पटना सदर अंचल, पाटलिपुत्र अंचल, पटना सिटी अंचल एवं दीदारगंज अंचल को सृजित करने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गयी। वहीं पटना हाई कोर्ट की स्थापना शाखा में आईटी संवर्ग में प्रोग्रामर के दो पदों का सृजन किया गया है। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में अंग्रेजी, भौतिकी एवं गणित विषय के लिए सहायक प्राध्यापक के पूर्व से सृजित 273 पदों के अतिरिक्त सहायक प्राध्यापक के 116 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गयी। लघु जल संसाधन विभाग पटना मुख्यालय के लिए 3 ड्राइवर पदों के सृजन की स्वीकृति मिली है।

झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने किया नई पार्टी बनाने का ऐलान

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने नई पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह संघर्ष करेंगे और नई पार्टी को खड़ा करेंगे। बुधवार को चंपई सोरेन ने कहा कि अगर इस दौरान रास्ते में कोई दोस्त मिला तो वह उससे हाथ भी मिलाएंगे। मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद चंपई सोरेन ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था, इस्तीफा देने के कुछ दिन बाद उनकी नाराजगी उभर कर सामने आई थी। चंपई सोरेन के बीजेपी में जाने से जुड़ी अटकलें भी जारी थी लेकिन अब चंपई सोरेन ने सभी सवालों पर विराम लगा दिया है और नई पार्टी का ऐलान करते हुए गठबंधन के सभी विकल्पों के खुले होने की बात भी कही है। पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने एक ट्वीट कर जल्द फैसला लेने की बात कही और लिखा, धन्यवाद झारखंड! इस प्यार, सहयोग एवं समर्थन के लिए। पिछले साढ़े चार दशकों से आम जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष करता रहा हूँ, और आपका आशीर्वाद, जीवन के इस नये अध्याय में, मुझे सही फैसला लेने का हौसला दे रहा है।

आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ सड़क पर उतरा एससी-एसटी संगठन

भारत बंद के दौरान पटना में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

केटी न्यूज/पटना

क्रीमी लेयर के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कई दलित और आदिवासी संगठनों ने बुधवार को बंद बुलाया। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरोध में बुलाए गए बंद का राज्यों में मिला जुला असर देखने को मिला। बिहार की राजधानी पटना में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। दरअसल, पटना के डाकबंगला चौराहे पर प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग कर रास्ता रोक दिया, जिसके बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। प्रदर्शन के डर से कई दुकानें बंद रहीं, जबकि कुछ दुकानदारों ने प्रदर्शन शुरू होते ही अपनी दुकानें बंद कर दीं। हालांकि पटना डीएम ने पहले ही चेतावनी दी थी कि किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा था कि जोर-जबरदस्ती करने वालों, यातायात बाधित करने वालों, लोक-व्यवस्था एवं आम जनजीवन को प्रभावित करने वालों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भारत बंद को देखते हुए पटना के कई स्कूलों ने मंगलवार रात को ही छुट्टी की घोषणा कर दी थी। कुछ स्कूल खुले तो, लेकिन प्रदर्शन को देखते हुए जल्दी ही बंद कर दिए गए।

प्रदर्शनकारियों ने दरभंगा और बक्सर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही बाधित करने के साथ पटना, हाजीपुर, दरभंगा, जहानाबाद और बेगूसराय जिलों में कई स्थानों पर कुछ राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सड़क यातायात को अवरुद्ध करने की कोशिश की जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

लाठीचार्ज के दौरान एसडीएम साहब भी खा गए डंडा

भारत बंद के दौरान पटना में हुए लाठीचार्ज के दौरान एक आईएएस अधिकारी भी डंडा खा गए। दरअसल पुलिस अधिकारियों के साथ पटना के सदर के एसडीएम आईएएस श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर विधि व्यवस्था दुरुस्त करने लगे थे। वहीं लाठीचार्ज होते ही प्रदर्शनकरी इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर प्रदर्शनकारियों को पीटा। इसी बीच एक पुलिसकर्मी सदर एसडीएम को पहचान नहीं पाया और उनपर लाठी चला दी। हालांकि फौरन वहां मौजूद वरीय अधिकारियों ने पुलिसकर्मी को पकड़ लिया। पुलिसकर्मी ने सफाई देते हुए कहा कि वह एसडीएम साहब को पहचान ही नहीं पाया।

रांची-पटना जमशेदपुर मार्ग को किया बंद समर्थकों ने जाम

भारत बंद का उत्तर प्रदेश में मामूली असर रहा। आरक्षण के समर्थन में राज्य के कई हिस्सों में दलित संगठनों ने जुलूस निकाले, पदयात्रा की और प्रदर्शन किया। भारत बंद का झारखंड के हजारीबाग, धनबाद, चाईबासा, गिरिडीह, रांची और रामगढ़ सहित कई अन्य शहरों में व्यापक असर पड़ा है। बंद समर्थकों ने रांची-जमशेदपुर, रांची-पटना और गिरिडीह-रांची मार्ग में कई जगहों पर जाम लगाया। गिरिडीह में कुछ ट्रेनों को भी रोका गया। ओडिशा में रेल तथा सड़क यातायात आंशिक रूप से बाधित रहा।

सोनपुर के आईडीबीआई बैंक में दिनदहाड़े 19 लाख की लूट

केटी न्यूज/पटना

बिहार के सोनपुर के गोलाबाजार स्थित आइडीबीआई बैंक में बुधवार की दोपहर बदमाशों ने करीब 19 लाख रुपये लूट की घटना को अंजाम दिया है। दो बाइक पर सवार पांच-छह बदमाशों ने हथियार के बल पर घटना को अंजाम दिया और आसानी से फरार हो गये। जानकारी के अनुसार करीब 12:43 मिनट पर लूट की यह वारदात हुई है।

बैंक में पहुंचते ही हथियार का भय दिखाकर बदमाशों ने लूटपाट की घटना को अंजाम देना शुरू कर दिया। कुछ ही मिनट में लगभग 19 लाख रुपये लूट कर बदमाश आसानी से फरार हो गये। इसके बाद उनके भागने के दौरान दहशत फैलाने के उद्देश्य से बदमाशो ने लगातार चार बार फायरिंग की। घटना के बाद बैंक में अफरातफरी मच गयी। लोगों ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी। डीएसपी ने आसपास के क्षेत्र में नाकेबंदी कर वाहनों की सघन जांच अभियान शुरू करवा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अपराधियों ने पिस्तौल का भय दिखाकर काउंटर से 16,75,000 एवं ग्राहक से ढाई लाख रुपये की लूट की। कोई कुछ बोल नहीं पाए इसलिए अपराधियों ने जान से मारने की धमकी दी।

गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ

लूट की घटना की जानकारी मिलने पर सोनपुर थाना की पुलिस और सोनपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। इस घटना में शक के आधार पर बैंक के गार्ड को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस की टीम ने बैंक के कर्मचारियों और ग्राहकों से भी पूछताछ की।

आंध्र प्रदेश के फार्मा यूनिट में विस्फोट से 17 लोगों की मौत

एजेंसी/विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक फार्मा यूनिट में रिएक्टर विस्फोट में 17 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। अचुतापुरम विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) में दवा कंपनी एसिएंटिया में लंच ब्रेक के दौरान यह विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने बताया कि लंच ब्रेक के दौरान कंपनी परिसर में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और वे जान बचाने के लिए बाहर भागे। आग बुझाने के लिए कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ, दमकल कर्मियों और पुलिस ने इमारत की तीसरी मंजिल पर फंसे कर्मचारियों को बचाया। घायलों को अनकापल्ली के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों की संख्या अभी बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। विस्फोट के समय कंपनी में लगभग 300 कर्मचारी मौजूद थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि इमारत की पहली मंजिल का स्लैब ढह गया। पूरे इलाके धुआं छा गया, जिससे बचाव अभियान में बाधा आ रही थी।

गाजीपुर में दो आरपीएफ जवानों का शव रेलवे ट्रैक पर मिला, मची सनसनी

केटी न्यूज/गाजीपुर

पं. दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन से मोकामा जा रहे दो आरपीएफ जवानों का शव सेवराई तहसील के गहमर थाना अंतर्गत बकैनिया गांव के पास रेलवे ट्रैक पर मिला है। दोनों जवानों की पहचान हो गई है। इसमें एक जमानिया थाना क्षेत्र के देवैथा निवासी जावेद खान पुत्र फिरोज खान के रूप में हुई है। जबकि दूसरे जवान की पहचान प्रमोद कुमार पुत्र जवाहर सिंह निवासी ग्राम करथ थाना तरारी जनपद भोजपुर (आरा) बिहार के रूप में हुई है।

दोनों जवान डीडीयू से मोकामा के लिए ट्रेन संख्या 15631 बाड़मेर गुवहाटी एक्सप्रेस से सोमवार की रात 12:50 बजे डीडीयू से रवाना हुए थे। इन जवानों के मोकामा न पहुंचने पर संबंधित विभाग द्वारा डीडीयू आरपीएफ कमांडेंट को इसकी सूचना दी गई। साथ ही मिसिंग दोनों जवानों के मोबाइल नंबर को ट्रेस करते हुए खोजबीन शुरू की गई। दोनों जवानों का शव सुबह गहमर थाना क्षेत्र के देवकली व बकैनिया गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत हालत में मिला। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है।

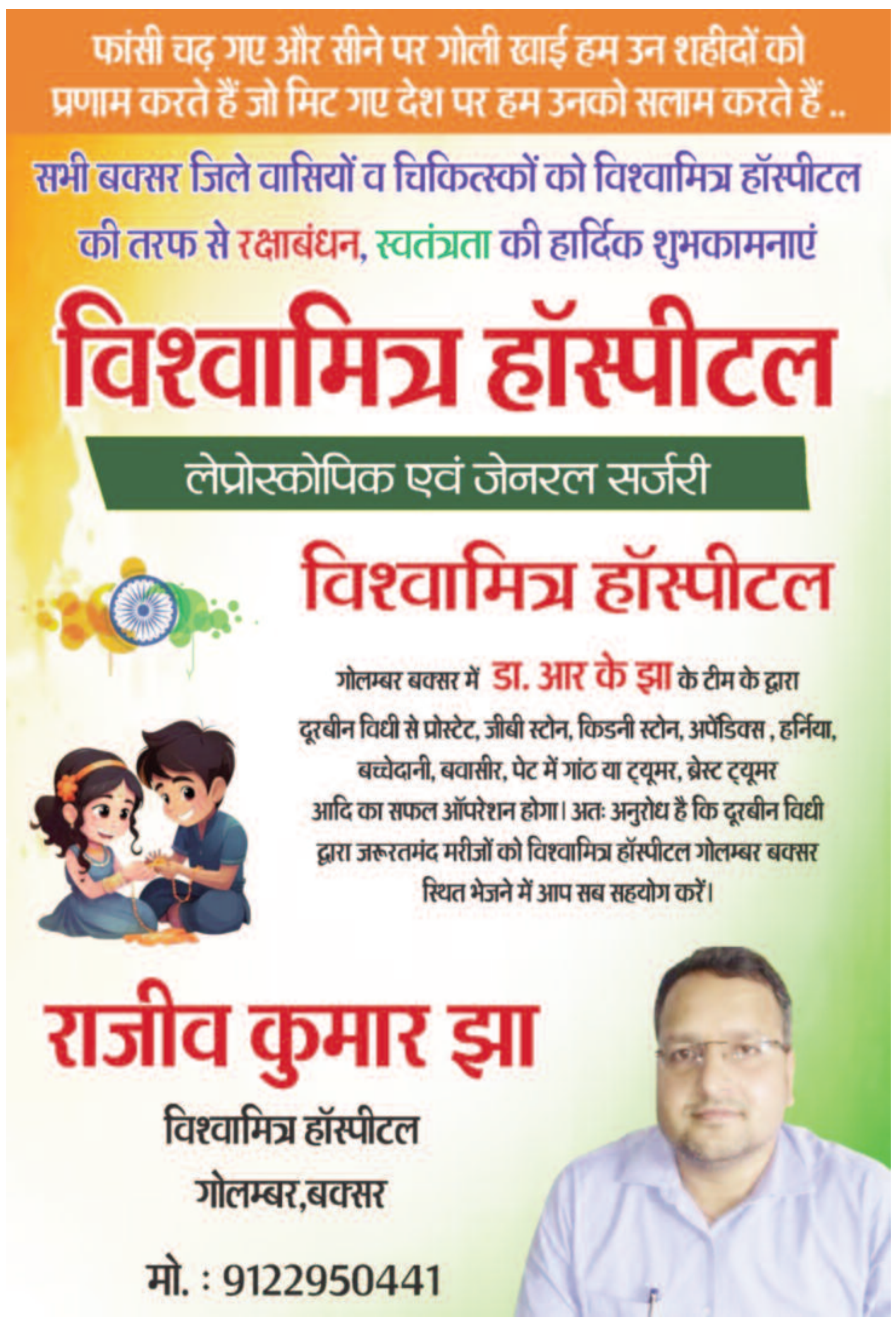

मुंगेर में भारी मात्रा में निर्मित-अर्धनिर्मित हथियार बरामद, 11 गिरफ्तार

- तलाशी के दौरान पति-पत्नी के पास से मिला नौ देशी पिस्तौल व मैगजीन
- अवैध निर्माण में कुल तेरह सदस्यों की टीम करती है काम

केटी न्यूज/मुंगेर

मुंगेर में पुलिस ने भारी मात्रा में निर्मिति और अर्धनिर्मित अवैध हथियारों के साथ 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में एक महिला भी शामिल है। यह मामला मुफस्सिल थानाक्षेत्र का है। दरअसल, मुफस्सिल थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ बाइक से अवैध हथियार लेकर नौवागढ़ी से हसनपुर की तरफ आ रहा है। इस सूचना के आधार पर सीताकुंड डीह के पास पुलिस द्वारा वाहन जांच शुरू की गई। जहां बाइक सवार पति-पत्नी को रोककर पुलिस ने पूछताछ की तो वे लोग घबराने लगे। पुलिस ने शक होने पर पति के कंधे पर लटके बैग की जांच की, जिसमें नौ देशी पिस्तौल और नौ अतिरिक्त मैगजीन की बरामदगी की गई। उसके बाद पूछताछ के दौरान बाइक चालक ने अपना नाम अरविंद मंडल और पत्नी का नाम प्रीति कुमारी बताया। दोनों बरियारपुर के बंगाली टोला के रहने वाले हैं।

चोरी की बाइक से पहुंचे थे माल

पुलिस ने जब बाइक को लेकर दोनों से कड़ाई से पूछताछ की तो अरविंद मंडल ने बताया कि बाइक चोरी की है। मो. तनवीर उर्फ मंडल और मो जुल्फिकार द्वारा अवैध हथियार का कच्चा माल पहुंचाने और लाने के लिए दी है। गिरफ्तार किए गए दोनों पति-पत्नी ने बताया कि हम लोगों के साथ एक समूह में कुल 13 सदस्य हैं, जो अवैध रूप से हथियार का निर्माण खरीद-बिक्री और उसकी तस्करी करते हैं। इस कार्य का मुख्य लीडर मिजार्पुर बरदह निवासी मो. तनवीर उर्फ मंडल और जुल्फिकार हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि तैयार माल को लाने और पहुंचाने के लिए प्रति खेप के लिए तनवीर और जुल्फिकार मुझे पांच हजार रुपये दिया करता था।

एसपी ने दी जानकारी

एसपी सैयद इमरान मसूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि गिरफ्तार अवैध हथियार के मामले में पति-पत्नी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बरियारपुर थानाक्षेत्र के काजीचक गांव में छापामारी की। जहां पुलिस ने पिता चंद्र किशोर यादव और पुत्र पीयूष कुमार को गिरफ्तार किया। छापामारी के दौरान पुलिस ने मौके से लोहे के दो बैरल और दो अर्धनिर्मित पिस्तौल सहित हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने ऋषिकुंड पहाड़ पहुंचकर छापामारी की, जहां पुलिस ने छह बेस मशीन, दो अर्धनिर्मित मैगजीन, दो पिस्तौल, तीन अर्धनिर्मित पिस्तौल और रेती सहित हथियार बनाने के उपकरण के साथ सात कारीगरों की गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तार किए गए इन लोगों में मो. बाबर, मो. औरंगजेब, मो. रिजवान, मो. शकील, मो. बाबर, मो. शिब्लू और सुमित कुमार शामिल हैं।

बेगूसराय में देसी कट्टा लेकर स्कूल पहुंचा नौवीं का छात्र, मचा हंगामा

केटी न्यूज/ बेगूसराय

बिहार में छात्रों के बंदूक लेकर स्कूल पहुंचने का सिलसिला नहीं थम रहा है। इसी कड़ी में छौड़ाही प्रखंड के उच्च विद्यालय मटिहानी का एक नाबालिग छात्र देसी कट्टा लेकर विद्यालय पहुंच गया। हालांकि, शिक्षकों की सूझ-बूझ के कारण पुलिस ने देसी कट्टा जब्त कर नौवीं कक्षा के छात्र को हिरासत में ले लिया। इस युवक की पहचान स्थानीय सावंत पंचायत के बखड्डा का बताया गया है। उसके घर पर भी पुलिस जांच में जुटी हुई है। वहीं, यह घटना छौड़ाही थाना क्षेत्र के प्लस टू उच्च विद्यालय छौड़ाही का है। जहां नाइन क्लास का एक स्टूडेंट कट्टा लेकर स्कूल पहुंच गया। क्लास में वह कट्टा दिखाकर छात्रों पर अपना धौंस जमा रहा था। लेकिन किसी ने इसकी जानकारी शिक्षक को दे दी। इसके बाद टीचर ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। करीब 15 वर्षीय छात्र रोज की तरह स्कूल गया और क्लास में बैठने के थोड़ी देर बाद ही अपने कमर से कट्टा निकाल कर आस-पास बैठे छात्रों को दिखाने लगा। किसी बच्चे ने इसकी सूचना स्कूल प्रशासन को दी।

बाढ़ थाना क्षेत्र के पुराई बाग इलाके में हुई घटना, पहुंचा प्रशासन

हादसा: पटना में सेप्टिक टैंक में दम घुटने से 4 मजदूरों की मौत

केटी न्यूज/पटना

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार को एक शौचालय की टंकी में शटरिंग खोलने के दौरान हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। संभावना जताई जा रही है कि सभी की मौत दम घुटने के कारण हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, ये हादसा पुराई बाग इलाके की है। पुराई बाग निवासी अरविंद कुमार के घर में शौचालय का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी क्रम में सेप्टिक टैंक में लगे शटरिंग को खोलने में हादसा हो गया। बताया जाता है कि शटरिंग खोलने पहले एक युवक टंकी के अंदर उतरा। जब उसका कुछ देर तक पता नहीं चला तो अन्य तीन लोग भी टंकी के अंदर गए। टंकी में फंसे सभी लोगों को दीवार तोड़कर बाहर निकाला गया। स्थानीय लोग सभी को अस्पताल लेकर गए,

लेकिन डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सभी मृतक पास के ही गांव के रहने वाले हैं। उनकी पहचान बिट्टू कुमार, पवन कुमार, भूना कुमार और जोगन कुमार के रूप में की गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस सभी मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। पटना में शौचालय की टंकी की शटरिंग खोलते समय चार लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। यह घटना बुधवार को बाढ़ थाना क्षेत्र के पुराई बाग इलाके में हुई। अरविंद कुमार नाम के एक व्यक्ति के घर में शौचालय का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान सेप्टिक टैंक में लगी शटरिंग को हटाने के दौरान यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि पहले एक युवक शटरिंग खोलने के लिए टंकी के अंदर गया था। जब काफी देर तक वह बाहर नहीं आया, तो बाकी के तीन लोग भी उसके पीछे-पीछे टंकी में उतर गए। चारों व्यक्तियों के टंकी में फंस जाने पर स्थानीय लोगों ने दीवार तोड़कर उन्हें बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुँचाया। लेकिन डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान बिट्टू कुमार, पवन कुमार, भूना कुमार और जोगन कुमार के रूप में हुई है। सभी मृतक पास के ही गांव के रहने वाले थे। चारों की मौत की पुष्टि कीः मामले की सूचना मिलते ही एसडीएम शुभम कुमार ने ऑक्सीजन युक्त एंबुलेंस मौके पर भेजा। चारों को बचाने के लिए रेस्क्यू भी चलाया जा रहा था। लेकिन सभी लोगों की दम घुटने से मौत की पुष्टि प्रशासन ने कर दी है। चारों के टंकी में फंसने और उनके शव बरामद कर लेने की पुष्टि की है।

क्या कहते हैं अधिकारीः- सभी का शव बरामद कर लिया गया है। दम घुटने से सभी की मौत हुई है।
शुभम कुमार,एसडीएम

मुंगेर में गंगा नदी में डूबने से 3 की मौत

मुंगेर। मुंगेर में गंगा नदी में डूबने से तीन लोगों की मौत हो गयी है जिसमें दो सगी बहने भी शामिल है। दोनों बहन गंगा नदी के किनारे नहाने गई हुई थी इसी दौरान दोनों की डूबने से मौत हो गयी। जबकि नहाने के क्रम में एक युवक की भी मौत हो गयी है। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने तीनों शव को नदी से बाहर निकाला। पहली घटना हेमजापुर थाना क्षेत्र के हेमजापुर चांद टोला की है जहां गंगा नदी में स्नान करने के दौरान दो सगी बहनों की पानी में डूबने से मौत हो गयी। मृतका की पहचान 6 साल की संगीता और 4 साल की रागिनी के रूप में हुई है जो लखीसराय के मेदनी चौकी खावा निवासी रौशन महतो की बेटी थी। रौशन महतो दिल्ली में मजदूरी करता है। उनकी पत्नी अपने भाई को राखी बांधने के लिए बेटी को लेकर मायके गई हुई थी। अपनी मां के साथ दोनों नानी के घर हेमजापुर राखी बांधने के लिए आई थी। घर में सबको सोता देख दोनों बच्ची बाहर खेलने के लिए निकल गई और खेलते-खेलते दोनों गंगा किनारे चली गई जहां नहाने लगी। इसी दौरान दोनों काफी गहरे पानी में चली गयी और डूबने की वजह से दोनों की मौत हो गयी।

भारत बंद के दौरान भी परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, कदाचार करने के आरोप में 09 पर कार्रवाई

केटी न्यूज/ पटना

सिपाही भर्ती परीक्षा कदाचारमुक्त वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। प्रशासनिक मुस्तैदी की वजह से पुलिस में कदाचार करने के आरोप में कुल 09 अभ्यर्थी संलिप्त पाये गये हैं। उनमें जिनमें से 05 को गिरफ्तार किया गया। एक अभ्यर्थी को निष्कासित किया गया तथा 03 अभ्यर्थियों पर प्राथमिकी दर्ज करायी जा रही है। पांच अभ्यर्थी गिरफ्तार किये गये, तीन अभ्यर्थियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है, जबकि एक को परीक्षा से निष्काषित किया गया है। गिरफ्तार अभ्यर्थियों में पटना, नालंदा और सहरसा में एक-एक, जबकि भागलपुर में दो अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है। पटना में दो, जबकि मुजफ्फरपुर से दो अभ्यर्थियों को परीक्षा से निष्काषित किया गया है।

बिहार पुलिस में सिपाही के 21,391 पदों पर लिखित परीक्षा के लिए राज्य के सभी जिलों में कुल 545 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे, जहां एक पाली में परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में कुल 17,87,720 अभ्यर्थी शामिल हुए। यानी लगभग 67 फीसदी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त हो इसके लिए परीक्षा के दौरान सभी अभ्यर्थियों का बॉयोमेट्रिक विधि से अंगूठे का निशान, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी करायी गई। साथ ही सीसीटीवी की लाईव स्ट्रीमिंग द्वारा निगरानी की गयी।

बोले तेजस्वी... सीएम नीतीश कुमार की नहीं चल रही, अफसरशाही चरम पर

केटी न्यूज/पटना

बिहार में अपराधियों का शासन कायम हो चुका है। शासन-प्रशासन नाम की चीज अब नहीं रही। यह कहना है बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव का। दरअसल, हाजीपुर में एक वार्ड पार्षद की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस घटना को लेकर तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर निशाना साधा है। सीएम से बिहार नहीं चल रहा। राजद नेता ने कहा कि बिहार में अपराध चरम सीमा पर है। सीएम से बिहार नहीं चल रहा है। कानून-व्यवस्था उनके हाथों में है, वे थक चुके हैं। बिहार में अपराध बढ़ा है, बलात्कार हो रहा है, हत्याएं हो रही हैं। पटना जैसे शहर में बम विस्फोट हो रहे हैं। नीतीश कुमार पूरी तरह से असमर्थ

लग रहे हैं और उनका इकबाल प्रशासन से भी खत्म हो चुका है। डबल इंजन की सरकार है, सब कुछ उनके(नीतीश कुमार) पास है लेकिन फिर भी लगातार अपराध बढ़ रहा है। नीतीश कुमार के राज में अपराधियों का मनोबल ऊंचा हो गया है।

केंद्र सरकार आरक्षण विरोधी

आरक्षण के मुद्दे को लेकर तेजस्वी यादव ने फिर केंद्र सरकार पर हमला बोला और कहा कि हम लोग तो लगातार यह बात कहते आ रहे हैं कि केंद्र सरकार आरक्षण विरोधी है और अब उसकी तस्वीर भी सामने आने लगी है। आज उसी का विरोध हम लोगों ने किया है। इस दौरान तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के साथ-साथ चिराग पासवान पर भी निशाना साधा और कहा कि क्या ये लोग और इनके परिवार के दूसरे सदस्य आरक्षण का लाभ नहीं ले रहे। सिर्फ बड़ी बात कहने भर से नहीं होगा, वास्तविकता पर बात करना होगा।

प्रेमिका से मिलने गये प्रेमी की पीट-पीटकर हत्या

गया। गया में प्रेमिका से मिलने गये प्रेमी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना बेलागंज थाना क्षेत्र के लक्षण बिगहा गांव की है। मृतक की पहचान जहानाबाद जिले के पुत्र गौरव कुमार (20) के रूप में की गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। अब पुलिस मामले की छानबीनकर रही है।घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि लक्ष्मण बिगहा गांव निवासी अशोक राम अपने घर में एक अज्ञात युवक को अपनी बेटी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा। उसे देखते ही घर के लोगों ने उसे पकड़ लिया। फिर उस युवक का हाथ-पैर बांधकर उन लोगों ने लाठी-डंडे और लोहे के रॉड से उसकी जमकर पिटाई की। इस दौरान गांव के कुछ ग्रामीण भी वहां जुट गए।

सीएम नीतीश के साथ दोनों डिप्टी सीएम सहित अन्य वरीय नेता रहे मौजूद

एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा और मनन मिश्रा ने बिहार की दो राज्यसभा सीटों के लिए किया नामांकन

- विवेक ठाकुर (भाजपा) और मीसा भारती (राजद) के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण राज्यसभा की रिक्त हुई थी सीटें

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यसभा चुनाव के लिए एनडीए प्रत्याशी के नामांकन में शामिल हुए। बिहार विधानसभा सचिव के कार्यालय में भाजपा से मनन कुमार मिश्रा जबकि राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने राज्यसभा के लिए नामांकन किया। नामांकन के दौरान उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार समुन, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा सहित बिहार सरकार के मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा ने बुधवार को बिहार से राज्यसभा की दो रिक्त सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव के वास्ते अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का बुधवार को आखिरी दिन है। विवेक ठाकुर (भाजपा) और मीसा भारती (राजद) के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण राज्यसभा की रिक्त हुई सीटों पर उपचुनाव आवश्यक हो गया था। मिश्रा ने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा के टिकट पर वाल्मीकि नगर से चुनाव लड़कर की थी पर वह हार गए थे। पांच साल बाद वह भाजपा में शामिल हो गए।

बेबस नजर आया प्रशासन : आंदोलनकारियों ने बक्सर व डुमरांव में कई जगहों पर किया सड़क जाम, पांच घंटे ठप रहा परिचालन

भारत बंद का बक्सर में रहा व्यापक असर, प्रदर्शनकारियों ने ट्रेन रोकी, एडिशनल जज और डीएम का भी वाहन घेरा

केटी न्यूज/बक्सर

अनुसूचित जाति/जनजाति के आरक्षण में वर्गीकरण करने के सुप्रिम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बुधवार को भीम आर्मी तथा अन्य विपक्षी पार्टियों के आहूत भारत बंद का बक्सर में व्यापक असर देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने बक्सर में आधा घंटे तक टेज्न रोकने के साथ ही अंबेडकर चौक पर एडिशनल डिस्ट्रिक जज के वाहन को घेर लिया। हाथों में लाठी-डंडा लिए महिला प्रदर्शनकारियों के हुजूम को देख न्यायिक पदाधिकारी बैरंग लौट गए। वहीं बाईपास पुल पर जाम में डीएम अंशुल अग्रवाल की गाड़ी भी घंटों फंसी रही।

इसके अलावे प्रदर्शनकारियों ने अंबेडकर चौक, ज्योति चौक, मठिया मोड़ तथा गोलबंर के पास एनएच 922 को जाम कर दिया था। जिससे बक्सर में किसी भी रास्ते वाहनों का परिचालन नहीं हो सका। गनीमत था कि बिहार पुलिस का परीक्षा देने वाले परीक्षार्थी समय से पहले अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंच गए थे। जिस कारण उन्हें परीक्षा से वंचित नहीं होना पड़ा। आरक्षण में वर्गीकरण के खिलाफ भारत बंद के दौरान सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक बक्सर में परिचालन पूरी तरह से ठप रहा। बाद में डीएम के पहल पर प्रदर्शनकारियों ने जाम हटाया। सड़क जाम करने वालों में भीम आर्मी के साथ ही राजद तथा अन्य विपक्षी पार्टियां भी सड़क पर उतरी थी। प्रदर्शनकारियों के तेवर से जहां आम आवाम सहमा रहा वही, प्रशासन बेबस नजर आया।

बक्सर स्टेशन पर खड़ी रही फरक्का एक्सप्रेस

बंद समर्थकों शुरू में ही रेल परिचान को रोक दिया था। इस दौरान अप में फरक्का एक्सप्रेस खड़ी थी। बंद समर्थकों के कारण फरक्का एक्सप्रेस काफी देर तक बक्सर स्टेशन पर खड़ी रही। बाद में आरपीएफ के पोस्ट प्रभारी दीपक कुमार ने उन्हें समझा बुझा वहां से हटाया। जिसके बाद बंद समर्थक वहां से हट अंबेडकर चौक पहुंचे, जहां कोर्ट के लिए निकले एडिशनल जज की गाड़ी का घेराव कर उन्हें वापस लौटा दिया। भारत बंद के कारण पूरे दिन ट्रैफिक व्यवस्था ठप रही।

हाथों में लाठी-डंडे लिए महिलाओं ने भी किया उग्र प्रदर्शन

जिला मुख्यालय के अंबेडकर चौक के समीप सड़क जाम करती भीम आर्मी की समर्थक महिलाएं।

भ्रमणशील हो दुकान बंद करा रहे थे समर्थक

बंद समर्थक सुबह से ही बक्सर के विभिन्न मार्गों में जाकर जबरन दुकानें बद करा रहे थे। यात्री वाहन चालकों के अलावे एंबुलेंस तथा शव दाह वाले वाहनों को भी रोका गया। बंद समर्थकों ने स्कूली छात्र-छात्राओं को भी साइकिल या बाइक से नहीं जाने दिया। जिस कारण उन्हें परेशानी हुई। सबसे अधिक परेशानी महिला यात्रियों को हुई। पूरे दिन यात्री पैदल ही अपने सामान के साथ गंतव्य की ओर जाते नजर आए। इस दौरान उन्हें उमस भरी गर्मी से परेशान होना पड़ा। जिस कारण राहगीर बंद समर्थकों को कोसते नजर आए।

अंबेडकर चौक के समीप जज का वाहन रोकते समर्थक।

सुप्रिम कोर्ट के फैसले के खिलाफ उपजा है आक्रोश

दरअसल सुप्रिम कोर्ट ने एक अगस्त को आरक्षण पर एक फैसला दिया है। जिसमें कहा है कि राज्य सरकारें अब एससी के रिजर्वेशन में कोटे में कोटा दे सकेगी। कोर्ट ने 20 साल पुराने अपने ही फैसले को पलट नया फैसला दिया है। बता दें कि पहले सुप्रिम कोर्ट ने कहा था कि अनसुचित जातियां खुद में एक समूह है। इसमें कोटे में कोटा नहीं दिया जा सकता है। लेकिन 1 अगस्त 2024 का फैसला इसके विपरित आया है। गौरतलब हो कि सुप्रिम कोर्ट ने कहा था कि एससी-एसटी में क्रीमी लेयर लागू करने पर विचार करना चाहिए। इसी फैसले के विरूद्ध भीम आर्मी ने भारत बंद का आह्वान किया था तथा इसमें कई अन्य राजनैतिक दल भी शामिल हो गए।

ज्योति चौक के समीप बैरियर लगा कर सड़क जाम करते प्रदर्शनकारी।

डुमरांव में दिखा बंद का असर, कई जगहों पर सड़क जाम कर किया परिचालन बाधित

डुमरांव। आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे पर भारत बंद का डुमरांव अनुमंडल में भी गहरा असर रहा। प्रदर्शनकारियों ने एनएच 120 पर ईदगाह के पास महरौरा मोड़ पर बांस बल्ला लगा सड़क जाम कर दिया था। इस दौरान लोगों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा। हालांकि, छोटे वाहन चालक चाणक्या कॉलोनी के रास्ते निकलने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन वाहनों के अधिक संख्या के कारण इस रोड में भी जाम लग गया। जिस कारण वाहन चालक करीब घंटा भर फंसे रहे। जाम की सूचना पर डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के साथ ही स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंच सड़क जाम करने वाले भीम आर्मी समर्थकों को समझाने का प्रयास कर रही थी। करीब डेढ़ घंटा तक प्रदर्शनकारी सड़क पर डटे रहे। इस दौरान परिचालन पूरी तरह से ठप रहा। वही, एनएच 922 पर महाराजा कोठी व दलसागर के पास भी सड़क जाम कर परिचालन ठप कराया था। इसके अलावे कोरानसराय चौक को भी जाम कर परिचालन रोका गया था। सड़क जाम के कारण पूरे दिन लोगों को परेशान होना पड़ा।

महिलाओं की रही अच्छी भागीदारी : बक्सर में सड़क जाम के दौरान सबसे अधिक भागीदारी महिलाओं की रही। उमसभरी गर्मी व तल्ख धूप के बावजूद महिलाएं पूरे दिन सड़क पर डटी रही तथा आरक्षण में कोटे में कोटे के फैसले को वापस लेने की मांग मजबूती से कर रही थी। महिलाओं की अच्छी भागीदारी तथा हर जगह उनके आगे रहने के कारण ही पुलिस ने उनपर बल प्रयोग नहीं किया।

बंद से अछूता रहा बाजार : भारत बंद के दौरान डुमरांव बाजार बंद से अछूता रहा। बंद समर्थकों ने बाजार को बंद नहीं कराया। दुकानें सामान्य दिनों की तरह खुली रही। हालांकि, वहां ग्राहक बहुत कम आ रहे थे। बावजूद दुकानदार अपनी दुकानें खोलकर बैठे रहे। स्टेशन रोड, राजगोला रोड, चौक रोड, साफाखाना रोड के अलावे राजगोला मंडी की दुकानें खुली रहीं।

ईदगाह के समीप बांस बल्ला लगाकर सड़क जाम करते समर्थक।

सड़क जाम के बाद किया आक्रोश मार्च

डुमरांव में डेढ़ घंटे तक सड़क जाम करने के बाद प्रदर्शनकारी वहां से पूरे शहर में आक्रोश मार्च निकाले। आक्रोश मार्च में शामिल लोग आरक्षण बचाने के लिए गगनभेदी नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारी स्टेशन रोड, गोला रोड होते हुए राजगढ़ चौक पहुंचे। यहां प्रदर्शन संपन्न हुआ। इस दौरान वक्ताओं ने सुप्रिम कोर्ट को अपने फैसले पर पुर्नविचार की मांग कर रहे थे। बंद समर्थकों का कहना था कि अनुसूचित जातियों में बंटवारा स्वीकार नहीं होगा। आक्रोश मार्च के दौरान डुमरांव की सड़कों पर जाम लगा रहा। इस दौरान स्कूली वाहन भी फंसे रहे। जिस कारण बच्चों को काफी परेशान होना पड़ा। गौरतब हो कि भारत बंद के आह्वान के बावजूद निजी स्कूलों ने अपना स्कूल बंद नहीं कराया था।

डुमरांव स्टेशन रोड में बंदी के कारण परेशान स्कूली बच्चे।

ननिहाल आई किशोरी गंगा में डूबी, मौत

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना स्थित नगर पंचायत के नरबतपुर में परिजनों के साथ गंगा नहाने गई एक 14 वर्षीय किशोरी गहरे पानी मे जाने से डूब गई। जिसे स्थानीय गोताखोरों द्वारा काफी खोजबीन के बाद किशोरी को गंगा से निकाला। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। जहा चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना को लेकर गांव में कोहराम मच गया। जहा स्वजनों को रोते-रोते बुरा हाल रहा। वही, घटना की जानकारी पर सदर अस्पताल पहुंची पुलिस किशोरी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया।

घटना बुधवार के 11 बजे दिन की है।

मिली जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना स्थित नगर पंचायत के नरबतपुर गांव की है। जहा इटाढ़ी थाने के अतरौना गांव निवासी बाला राम की 14 वर्षीय किशोरी अनिष्का कुमारी अपने ननिहाल नरबतपुर निवासी हिरा राम के घर आई थी। जहा परिजनों के साथ स्नान करने रानी घाट स्थित गंगा नदी गई हुई थी। वह नहाने के क्रम में गहरे पानी मे चले जाने से डूब गई। परिजनों ने शोर मचाया। आसपास में मौजूद रहे स्थानीय गोताखोरों ने उसकी खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद किशोरी को गंगा से निकाला गया। जिसे आनन-फानन में इलाज हेतु सदर अस्पताल लाया गया। जहा चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना की जानकारी पर स्वजनों के रोते-रोते बुरा हाल हो गया। इसकी जानकारी के बाद सदर अस्पताल पहुंची पुलिस किशोरी के शव को कब्जे में ले घटनाक्रम की जानकारी ली। वही, शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया।

चोरी की मोबाइल के साथ दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ की टीम ने चोरी की मोबाईल के साथ दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उन्हें गिरफ्तार करने के बाद आरपीएफ की टीम ने आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें अग्रेतर कार्रवाई के लिए जीआरपी को सौंप दिया। उनके पास से यात्रियों से चोरी की गई मोबाइल मिली है। आरपीएफ के पोस्ट प्रभारी ने बताया कि उनकी गिरफ्तारी प्लेटफार्म संख्या तीन से की गई है।

गिरफ्तार दोनों मोबाइल चोर भोजपुर जिला के बताये जाते हैं। जिसमें शाहपुर का विष्णु चौधरी तथा बिहिया का रविंद्र यादव शामिल है। आरपीएफ इंसपेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि दानापुर के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रकाश कुमार पांडा के आदेश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत आरपीएफ व जीआरपी बक्सर के अधिकारी एवं जवान द्वारा निगरानी करने के क्रम में देखा गया कि दो व्यक्ति आरपीएफ पोस्ट के पीछे प्लेटफार्म संख्या तीन पर संदिग्ध अवस्था में खड़े हैं। इसी दौरान जैसे ही गाड़ी संख्या 03294 प्लेटफॉर्म पर पहुंची उसमें चढ़ गए। संदिग्ध अवस्था में शक होने पर जब दोनों व्यक्तियों की तलाशी ली गयी तो उनके पॉकेट से एक-एक मोबाइल फोन लॉक्ड अवस्था में पाया गया, जिसका लॉक वो खोल नहीं पाए। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने स्वीकार किया कि उनके पास से बरामद मोबाइल को अलग अलग गाड़ी में यात्रा कर रहे यात्री से चुराया है।

30 बिहार बटालियन ने संत मैरी स्कूल में शिविर लगा 50 एनसीसी कैडेट्स का किया चयन

एनसीसी का मुख्य उदेश्य एकता व अनुशासन: ले. कर्नल

♦ कैडेट्स की ली गई शारीरिक दक्षता के साथ लिखित परीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

30 बिहार बटालियन के ले. कर्नल रामसागर मिश्रा की अध्यक्षता में संत मैरी स्कूल बक्सर में एनसीसी कैडेट्स के चयन के लिए शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को दौड़, शारीरिक परीक्षा के अलावे लिखित परीक्षा से भी गुजरना पड़ा। सभी में अव्वल आने वाले 50 कैडेटों का चयन किया गया। चयन के दौरान सुबेदार मेजर देवराज साहु, नायब सुबेदार धर्मेन्द्र सिंह, नायब सुबेदार सी एस सिंह, स्कूल के एचएम नीतीश कुमार, हवलदार सुमन सौरव उपस्थित रहे। इस दौरान पहले कैडेट्स के शारीरिक दक्षता की परीक्षा ली गई, बाद में लिखित परीक्षा भी ली गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए ले. कर्नल रामसागर ने कहा कि छात्रों को मिलेट्री साइंस की जानकारी देने तथा उन्हें दक्षा बनाने के लिए ही एनसीसी की शुरूआत की गई।

अन्य छात्रों की अपेक्षा बेहतर अनुशासित भी होते है एनसीसी कैडेट : ले. कर्नल रामसागर ने कहा कि एनसीसी के दौरान कैडेटो को आत्मरक्षा, देशा सेवा, समाज सेवा तथा कठिन परिस्थितियों का साहस से सामना करने की सीख दी जाती है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट अन्य छात्रों की अपेक्षा बेहतर अनुशासित भी होते है।

उन्होंने कहा कि एनसीसी का मुख्य उदेश्य एकता व अनुशासन है। ले. कर्नल ने कहा कि एनसीसी कैडेट देश सेवा के प्रति तत्पर रहते है। वही, बाढ़, सुखाड़, भूकंप, अगलगी जैसी आपदाओं में भी एनसीसी कैडेट राहत बचाव कार्य में बेहतर भूमिका निभाते है। उन्होंने चयनित कैडेटो को पूरे मन से प्रशिक्षण प्राप्त करने की सीख दी और कहा कि एनसीसी का प्रशिक्षण पूरे जीवन काम आता है। उन्होंने कहा कि एनसीसी के दौरान मिले प्रशिक्षण भी जीवन में काम आते है। बता दें कि एनसीसी के दौरान छात्रों को परेड के अलावे आत्मरक्षा, वेपेन टेर्जनिंग, मैप रिडिंग, सोसल वर्क के अलावे कई अन्य चीजों की जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेटो को सेना की बहाली के साथ ही अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में छूट मिलती है। एनसीसी उन्हें बेहतर नागरिक बनाने के साथ ही कैरियर में भी सहायक साबित होता है। शिविर में चयनित छात्रों के चेहरे पर प्रसन्नता झलक रही थी। स्कूल के कुल 50 कैडेटो का चयन नये सत्र के लिए किया गया है। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा अन्य शिक्षक भी मौजूद थे।

रत्नगर्भा है डुमरांव की मिट्टी, जिसने उस्ताद जैसी सख्शियत को दिया जन्म: एसडीओ

♦ अनुमंडल प्रशासन ने मनायी उस्ताद की 18वीं पुण्यतिथि, दी श्रद्धांजलि

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की मिट्टी रत्नगर्भा है, यहां कई सपूत पैदा हुए। इसी मिट्टी ने उत्साद विस्मिल्लाह खां जैसी सख्शियत को जन्म दिया, जिन्होंने शहनाई जैसे एक मामूली वाद्य को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दी। उक्त बातें डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार ने बुधवार को अनुमंडल कार्यालय स्थित सभागार में कही। अवसर था भारत रत्न उस्ताद विस्मिल्लाह खां के 18 वीं पूण्यतिथि का। इसके पहले उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। एसडीओ ने कहा कि उस्ताद की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे अपने काम के प्रति काफी जुनूनी थे। उनका यही जुनून उन्हें अपनी विधा में शिखर तक पहुंचाया।

उन्होंने कहा कि शहनाई जैसे एक सुशीर वाद्य को उस्ताद ने अपनी फनकारी से अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिला न सिर्फ भारत रत्न बने बल्कि इस वाद्य यंत्र के साथ ही संपूर्ण कला जगत के मानचित्र पर डुमरांव का नाम रौशन कर दिया है। उनके व्यक्तित्व व कृतित्व की जितनी तारीफ की जाए वह काफी कम है।

वहीं, वक्ताओं ने कहा कि भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां ने शहनाई के सुरों में डुमरांव के मिट्टी की खुशबू घोलकर विश्व मे अपनी पहचान बनायी। उनके शहनाई के सुरीले स्वर ने हिंदू-मुस्लिम एकता को एक माले में पिरोने का काम किया। वे अपने शहनाई की शुरूआत डुमरांव के बांके बिहारी मंदिर से किए थे तो अंतिम समय तक बनारस के बाबा विश्वनाथ मंदिर व गंगा तटों पर शहनाई की मधुर संगीत का रियाज करते रहे। वे जितने बड़े संगीतज्ञ थे उतने ही सादा जीवन बीताते थे। हालांकि, उनके अबाई वतन में उनसे जुड़ी यादें मौजूद नहीं है। जिसका मलाल डुमरांव वासियों को जरूर है। अपने संबोधन में डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने शहनाई के जादूगर भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां को हिंदू-मुस्लिम एकता का सिपाही बताया। डीएसपी ने कहा कि अपने मेहनत और शहनाई वाद्य के फन से उस्ताद बिस्मिल्लाह खां ने विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनायी। डुमरांव के बांके बिहारी मंदिर में अपने सुरों की खुशबू बिखेरने वाले बिस्मिल्लाह को भारत रत्न सहित कई अलंकारों पदक से नवाजा गया। मां गंगे के तट पर बैठकर शहनाई की गूंज देने वाले उस्ताद को विश्व पटल ने मान-सम्मान दिया। मौके पर अनुमंडल प्रशासन के कर्मियों के अलावे दर्जनों अधिवक्ता व गणमान्य उपस्थित थे।

लाल किले की प्राचीर से शहनाई बजा मनाया था आजादी का जश्न : यह भी दिलचस्प है कि जहां भी शहनाई का की चर्चा होती है उस्ताद का नाम स्वतः ही याद हो जाता है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण अवसरों पर अपनी शहनाई की मधुर संगीत से लोगों को अपना दिवाना बनाया था। लेकिन, सबसे यादगार पल 15 अगस्त 1947 का दिन था, जब देश ने नई सुबह देखी थी। जश्न-ए-आजादी की शुरूआत पर उत्साद ने लालकिले की प्राचीर से शहनाई बजा अमर हो गए।

एक नजर

डीएम के जनता दरबार में आए 26 मामले

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बुधवार को आम जनता से मुलाकात के क्रम में कुल 26 आवेदनों पर समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में सुनवाई की। उन्होंने फरियादियों से मिले आवेदनों को ध्यान से पढ़ा एवं संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को इन आवेदनों का त्वरित निष्पादन करने तथा आम जनता को राहत देने का निर्देश दिया। उन्होंने फरियादियों को भी आश्वत किया कि निर्धारित समय तक उनके आवेदनों पर कार्रवाई होगी। डीएम के कुशल व्यवहार से जनता दरबार में आए फरियादी काफी प्रसन्न नजर आ रहे थे।

केके मंडल कॉलेज के दिवंगत कर्मी को दी गई श्रद्धांजलि

बक्सर। नया बाजार स्थित डॉ. केके मंडल महिला महाविद्यालय के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी सुमेश्वर सिंह का आकस्मिक निधन हो गया है। उनके आकस्कि निधन के बाद कॉलेज में शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कर्मी सुमेश्वर सिंह का निधन सोमवार को हो गया था। सूचना मिलने के बाद महाविद्यालय के कर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई। इस दुःख की घड़ी में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार की अध्यक्षता में एक शोक सभा का आयोजन कॉलेज परिसर में किया गया। इस दौरान 1 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मौके पर प्रोफेसर रामाधार सिंह, प्रो. धीरेंद्र कुमार, सुरेंद्र सिंह यादव, इंद्रमणि लाल, जगनारायण सिंह, मनोज कुमार, मनोरमा कुमारी, प्रमोद कुमार सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

चौथे चरण की सिपाही भर्ती परीक्षा में तीन हजार 612 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

बक्सर। केन्द्रीय चयन पार्षद द्वारा आहूत सिपाही भर्ती परीक्षा के चौथे चरण के तहत बुधवार को जिले के सभी 17 परीक्षा केन्द्रों पर लिखित परीक्षा आयोजित हुई। यह परीक्षा सभी केन्द्रों पर शांतिपूर्ण व कदाचारपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। परीक्षा के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने तथा नकल रोकने के लिए डीएम अंशुल अग्रवाल समेत वरीय पुलिस पदाधिकारी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते रहे।

खबरें फटाफट

फिर चेतावनी बिंदु के करीब आई गंगा

बक्सर। बक्सर में गंगा का जल स्तर एक बार फिर से बढ़ने लगा है। बुधवार की सुबह गंगा का जल स्तर 58.90 मीटर पर पहुंच गया था। जबकि जल स्तर बढ़ने का रफ्तार एक सेमी प्रति घंटा है। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दिनों से जल स्तर बढ़ रहा है। हालांकि जल स्तर बढ़ने का रफ्तार काफी कम है। बता दें कि जिले में चेतावनी बिंदू 59.32 मीटर है। गंगा का जल स्तर चेतावनी बिंदू से महज 32 सेमी कम रह गया है। गौरतलब हो कि इसके पहले पिछले सप्ताह गंगा चेतावनी बिंदू को पार कर गई थी। तब जिले में बाढ़ का खतरा मंडराया था। एक बार फिर से जल स्तर बढ़ने से लोगों को बाढ़ की चिंता सताने लगी है।

खरवार-बहरवार पूजा संपन्न

डुमरांव। स्थानीय नगर के खरवार-बहरवार आदिवासी पूजा समारोह पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस दौरान समाज के सैकड़ों लोगों ने शिरकत की। स्थानीय काली मंदिर परिसर के बगल में वृक्षों के बीच विधि-विधान के साथ पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने पौधरोपण कर जल, जंगल और जमीन बचाने का संकल्प लिया। समाज के अध्यक्ष सुनील खरवार, संरक्षण कपिलमुनि खरवार और कोषाध्यक्ष राजेश कुमार राजन ने बताया कि मां वन सती की पूजा कर प्रकृत के गोद को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया गया।

नया तालाब मार्ग की मरम्मत शुरू

डुमरांव। शहर के नया तालाब रोड का मरम्मत का शुरू हो गया है। नया थाना से शहिद गेट मोड तक जाने वाली यह सड़क काफी जर्जर हो गई थी। जिस कारण लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सड़क का मरम्मत कार्य शुरू होने से लोगों में खुशी व्याप्त है। सामाजिक कार्यकर्ता गोपल प्रसाद गुप्ता ने बताया कि यह पथ शहर के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है।

जिलाधिकारी ने नगर निकायों में लैड फिल साईट के निर्माण एवं अन्य बिंदुओं पर समीक्षा

यत्र-तत्र कूड़ा डंपिंग पर डीएम सख्त

सभी निकायों के ईओ को किया शो-कॉज

♦ बोले डीएम... जहां-तहां कूड़ा फेकने से दूषित हो रहा है पर्यावरण

♦ लैंड फिल की जगह कूड़ा डंपिंग करने पर भी दी चेतावनी

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को नगर निकायों में लैण्ड फिल साईट के निर्माण एवं अन्य बिंदुओं पर समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। इस दौरान डीएम ने सभी नगर निकायों में सड़क किनारे कूड़ा फेकने पर नाराजगी दिखाई तथा जिले के सभी नगर निकायों के ईओ से इस संबंध में स्पष्टीकरण पूछा। डीएम ने कहा कि नगर निकायों की इस हरकत से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। वही, इस कृत्य से डोर-टू-डोर कूड़ा उठाव का कोई लाभ भी नहीं मिल रहा है। इसके पहले बैठक की शुरूआत में कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा पिछली बैठक में महत्वपूर्ण विषयों पर दिए गए निर्देश का अनुपालन प्रतिवेदन नहीं उपलब्ध कराने पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा शीघ्र अनुपालन प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में कूड़ा प्वाइंट का प्रतिवेदन प्राप्त नहीं होने पर डीएम ने नाराजगी जताई। डीएम ने कूड़ा प्वाइंट से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश ईओ को दिया।

कूड़ा डंपिंग प्वाइंट पर ही कूड़ा डंप करवाने का दिया निर्देश : बैठक में डीएम ने लैंड फील साइट पर कूड़ा डंपिंग नहीं कर एनजीटी के नियमों के विरुद्ध यत्र-तत्र कूड़ा गिराने एवं शहर के पर्यावरण को दूषित करने के कारण सभी कार्यपालक पदाधिकारी, नगर निकाय बक्सर जिला से स्पष्टीकरण पूछने के साथ ही सभी नगर निकाय के पदाधिकारी को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कूड़ा डंपिंग साइट को क्रियाशील कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में सड़कों के किनारे कूड़ा डंप नहीं करना है।

रात में भी कचरा उठाव कराएं नगर निकाय

बैठक में डीएम ने सभी कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जनहित में रात के समय ही सड़कों से कचरा उठाने की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे। ताकि सुबह में आमजनों को भ्रमण करने के दौरान साफ सुथरा वातावरण प्राप्त हो सके। डीएम ने कहा कि रात में सड़कें भी खाली रहती है। जिस कारण कचरा उठाव तथा निर्धारित जगह पर डंपिंग में कोई परेशानी नहीं होगी।

सभी नगर निकाय के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सड़क के चौक चौराहा एवं महत्वपूर्ण स्थान से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया। अतिक्रमण हटाने के बाद पुनः उस स्थल पर अतिक्रमण न हो इसकी भी निगरानी करने तथा दुबारा अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

शहरी क्षेत्र में चौक चौराहों का कराए सौंदर्यीकरण : सभी नगर कार्यपालक पदाधिकारी को प्राथमिकता के आधार पर चौक चौराहों का सौंदर्यकरण कराने का निर्देश दिया गया। तथा शहरों के सौंदयीकार्रण की योजना धरातल पर उतर सकें। बैठक में अपर समहर्ता बक्सर, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव, भूमि सुधार उपसमाहर्ता बक्सर व डुमरांव, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद डुमरांव, संबंधित नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पॉश मशीन की खराबी से अनुमंडल के उपभोक्ताओं में खाद्यान का वितरण ठप

♦ राशन कार्डधारी गरीब परिवारों के घर तक नहीं पहुंच रहा अनाज, एक पखवाड़े से फेल है लिंक

केटी न्यूज/डुमरांव

एक पखवारे से पॉश मशीन ठप उपभोक्ताओं में राशन वितरण में हो रही है परेशानी। प्रतिदन डीलर दुकान खोल बैठते जरूर हैं, लेकिन पॉश मशीन का नेटवर्क काम नहीं करने से राशन का वितरण उनके द्वारा नहीं किया जाता है। राशन नहीं मिलने पर उपभोक्ता डीलरों को भला-बुरा कह कर लौट जाते हैं। यह समस्या लगभग एक पखवारे से है, लेकिन इस पर अधकारी मौन साधे हुए हैं।

पॉश मशीन में आयी नेटवर्क प्रोब्लेम को लेकर जन वितरण प्रणाली के विक्रेता काफी परेशान हैं। खाद्यान रहते हुए उसका वितरण उपभोक्ताओं में नहीं कर पा रहे हैं। इधर उपभोक्ता भी इनके परेशान किये हुए हैं। डीलर अमित कुमार, बसंत राय, पारस सिंह, सुरेन्द्र सिंह, भुटेश्वर सिंह, उमेश प्रसाद सहित अन्य का कहना है कि पॉश मशीन में आयी खराबी को उपभोक्ता नहीं समझ रहे हैं, उन्हें सीधा दिखाई पड़ता है, डीलरों की कमी। कोई कहता हैं की ब्लैक करने के लिए सभी मिल गए हैं और एक ही बात मशीन की खराबी कह रहे हैं। अधिकारी भी इस पर मौन साधे हुए है, सबकी मिली भगत है। जबकि डीलर अपने दुकान पर समय से बैठ जाते हैं, कभी नेटवर्क काम करता है तो जो मौजूद उपभोक्ता रहते हैं, उन्हें राशन दिया जाता है। फिर नेटवर्क नहीं रहने पर बंद कर दिया जाता है। इस संबंध में एमओ से लेकर एसडीओ तक को शिकायत की गई है। अधिकारी जैसा आदेश देंगे उसी के अनुसार आगे काम किया जाएगा।

खराबी को दूर कराया जाएगा

इस संबंध में जब एसडीओ राकेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस संबंध में तकनीशियन से बात कर उसे खराबी को दूर कराया जाएगा। शीघ्र ही पॉश मशीन में नेटवर्क को लेकर आयी खराबी को दूर कर उपभोक्ताओं में राशन का वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

पानी की तलाश में बसौली में गांव के करीब आया हिरण, ग्रामीणों ने कुत्तों से बचाई जान

मानवता : प्यासे भटक रहे दुर्लभ हिरण पर कुत्तों ने किया हमला, कृषि वैज्ञानिक ने कराया इलाज

♦ वैज्ञानिक ने वन विभाग को दी इसकी जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार की सुबह डुमरांव सम्हार रोड में बसौली गांव के पास दुर्लभ प्रजाति के एक हिरण पर कुत्तों ने हमला कर दिया था। कुत्ते उसे घेरकर नोंच रहे थे। संभवतः हिरण प्यास से व्याकुल था तथा अपनी प्यास बुझाने के लिए ही बधार से निकल आबादी के करीब आया था। प्यासे रहने के कारण ही वह कुत्तों से अपनी जान बचाने में असफल हो रहा था।

इस बीच संयोग से उस रास्ते गुजर रहे वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज के जीव जंतु वैज्ञानिक डॉ. सुदय कुमार की नजर उस हिरण पर पड़ी, उन्होंने आस पास में मौजूद ग्रामीणों को इकट्ठा कर हिरण को कुत्तों के चंगुल से मुक्त कराया तथा इलाज के लिए बनकट के किसी चिकित्सक के पास पहुंचाया। उन्होंने वन विभाग को भी इसकी जानकारी दी। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक वन विभाग की टीम उक्त हिरण को रेस्क्यू करने नहीं पहुंची थी। लेकिन, प्राथमिक इलाज के बाद हिरण की स्थिति में सुधार जरूर हुआ था। बता दें कि मृग (हिरण) वैसे भी मारीचिका में फंसकर मरने के लिए बदनाम है। लेकिन, भीषण गर्मी के कारण इलाके में गहराए पेयजल संकट से इस दुर्लभ वन्यजीव के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है।

नीलगाय को पालतू बनाने पर शोध कर रहे हैं डॉ. सुदय : कुत्तों के चंगुल से हिरण की जान बचाने वाले डॉ. सुदय वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज में बतौर जीव जंतु वैज्ञानिक है। वे नीलगाय को पालतू बनाने पर शोध कर रहे है। उनका शोध काफी आगे बढ़ चुका है। वे नीलगाय के एक बच्चें को पाल उस पर शोध भी कर रहे है। उन्होंने बताया कि इसका सुखद परिणाम सामने आएगा। उनका मानना है कि नीलगाय को पालतू बनाए जाने से पशुपालकों को जहां, आर्थिक लाभ होगा वही फसलों की सुरक्षा भी होगी। बता दें कि जिले के किसानों के लिए नीलगाय बड़ी मुसीबत बन गई है।

खबरें फटाफट

सड़क हादसे में फाइनेंस कर्मी की मौत

आरा। बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बहुवारा बाबा के समीप मंगलवार की रात अनियंत्रित बोलेरो ने बाइक सवार एक फाइनेंस कर्मी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी आलम रहा। वही घटना के बाद चालक बोलोरो छोड़ मौके से फरार हो गया।जानकारी के अनुसार मृतक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भड़सरा गांव निवासी श्रीनिवास दुबे का 35 वर्षीय पुत्र रिपु सुदन दुबे है। वह पेशे से फाइनेंस कर्मी था एवं चोला फाइनेंस कंपनी में एरिया सेल्स मैनेजर के पद पर कार्यरत था। इधर मृतक के परिजन ने बताया कि उसके चोला फाइनेंस कंपनी के नए ब्रांच का बक्सर में उद्घाटन था। जिसको लेकर वह अपने अन्य कर्मियों के साथ बक्सर गया था।

धर्मावती नदी में डूबने से छात्रा की मौत

आरा। भोजपुर जिले के बहोरनपुर थाना क्षेत्र के गौरा पुल स्थित धर्मावती नदी में डूबने से एक छात्रा की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृत छात्रा बहोरानपुर थाना क्षेत्र के गौरा गांव निवासी बिहारी ठाकुर की 17 वषीर्या पुत्री खुशी कुमारी है एवं वह दसवीं कक्षा की छात्रा थी। इधर गौरा पंचायत के मुखिया मनोज कुमार ठाकुर ने बताया कि वह अपनी दादी के साथ पूजा का फूल विसर्जन करने के लिए गौरा पुल स्थित धर्मावती नदी के किनारे गई थी। उसी दौरान वह नदी में गिरकर डूब गई। जिसके बाद उसकी दादी द्वारा इसकी सूचना परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन एवं स्थानीय ग्रामीण फौरन घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा फोन कर इसकी सूचना बहोरनपुर थाना पुलिस एवं शाहपुर प्रखंड के सीईओ को दी गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना एवं शाहपुर प्रखंड के वहां पहुंचे।

प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक पर बैठकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया जमकर विरोध

आरा में आरक्षण समर्थकों ने रेल से लेकर सड़क तक किया जमकर विरोध प्रदर्शन

- ट्रेन रोकने के दौरान पुलिसबल के साथ धक्का मुक्की भी की
- प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आरक्षण विरोधी

केटी न्यूज/आरा

आरक्षण समर्थकों ने रेल से लेकर सड़क तक जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भीम आर्मी, राष्ट्रीय जनता दल और माले पार्टी के द्वारा भारत बंद को सफल बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में प्रदर्शन किया। वहीं मंगलवार को इन सभी पार्टियों द्वारा बुधवार को भारत बंद करने को लेकर नोटिस जारी कर दिया था। उसके बाद बुधवार की सुबह ही भीम आर्मी और माले पार्टी के कार्यकताओं ने आरा शहर के प्राइवेट बस स्टैंड पर दोनों तरफ से जाम कर दिया। वहीं कई घंटे बस स्टैंड पर प्रदर्शन करने के बाद भीम आर्मी, राजद और माले के कार्यकताओं ने आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर कमलापति सहरसा एक्सप्रेस ट्रेन को करीब आधे घंटे तक रोक दिया। उसके बाद प्रदर्शनकारियों ने ट्रैक पर बैठकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी नारे बाजी की। रेल ट्रैक पर ट्रेन रोकने के दौरान पुलिसबल के साथ हल्की धक्का मुक्की भी की गई। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने ट्रैक पर बैठे रहे और करीब 30 मिनट तक ट्रेन रोका। बाद में समझाने बुझाने के बाद प्रदर्शनकारी ट्रैक से बाहर निकले। उसके बाद भारत बंद को सफल बनाने के लिए आरक्षण समर्थकों ने आरा शहर के नवादा थाना, बड़ी मठिया, शिवगंज, जेल रोड, गोपाली कुंवा, टाउन थाना के तरफ भ्रमण किया। इस दौरान जितनी भी दुकानें खुली मिली। सभी दुकानों पर प्रदर्शन कर उसे बंद कराया। उसके बाद प्रदर्शन करते हुए आरा सिविल कोर्ट के रास्ते अंबेडकर चौक के पास तीन मुहान जाम कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों के साथ टाउन थाना के थाना अध्यक्ष भी मौजूद रहे। जिन्होंने प्रदर्शन कर रहे कायकताओं को समझाने का काम किया और शांति पूर्वक प्रदर्शन करने की अपील की। वहीं प्रदर्शनकारियों की वजह से सीजेएम की गाड़ी के रूट को बदलकर दूसरे रूट से कोर्ट जाना पड़ा। वहीं इस प्रदर्शन में लोजपा राम विलास की पार्टी ने भी समर्थन किया। वहीं प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर सुप्रीम कोर्ट के विरुद्ध जमकर नारेबाजी करते हुए एससी एसटी आरक्षण फैसले को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन में कोई बड़ा चेहरा नहीं दिखा। पार्टी के जिलाध्यक्ष और कार्यकताओं ने इस भारत बंद को सफल बनाने के लिए सड़कों पर उतर शहर को बंद कराने में जुटे रहे। इसके साथ ही प्रदर्शन कर रहे कार्यकताओं ने कहा कि अगर सरकार हमारी मांग पूरा नहीं करती है तो आगे इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आरक्षण विरोधी है। उसे तत्काल वापस लेना चाहिए। आरक्षण में संशोधन करने का अधिकार केवल संसद और राष्ट्रपति का है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। सरकार इस मामले पर चुप है। भारतीय जनता पार्टी चाहती है कि पूरी तरीके से आरक्षण को खत्म कर दें। वहीं राजद के युवा जिलाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार आई है केंद्र में दलितों पर अत्याचार बढ़ते जा रहा है। हत्या, लूट और बलात्कार होते जा रहा है। आज भारत बंद का जो ऐलान हुआ है सभी विपक्षी पार्टियों द्वारा बंद किया गया है। तेजस्वी यादव के द्वारा भी भारत बंद का आह्वान किया गया है।

बचाव से चिकनगुनिया का हो सकता है इलाज : डॉ दिलीप

केटी न्यूज/छपरा

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी सह राज्य स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त मुख्य प्रशिक्षक डॉ दिलीप कुमार ने कहा कि सदर अस्पताल परिसर स्थित जीएनएम कॉलेज के सभागार में राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिला अस्पताल से उपाधीक्षक सहित 6 चिकित्सा पदाधिकारी, सोनपुर अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित चार अन्य चिकित्सा पदाधिकारी के अलावा जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और एक - एक चिकित्सा पदाधिकारियों को क्लीनिकल मैनेजमेंट प्रोटोकॉल से संबंधित प्रशिक्षकों द्वारा सभी को प्रशिक्षित किया गया। क्योंकि यह घातक रोग तो नहीं है, लेकिन पीड़ित व्यक्ति लंबे समय तक जोड़ों के दर्द से प्रभावित रहता हैं तथा इसके साथ ही सामाजिक और आर्थिक रूप से परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। चिकनगुनिया जैसी बीमारी से बचाव या सुरक्षित रहने के लिए अभी तक किसी भी प्रकार के टीके या दवा का इजाद नहीं हुआ है। इस स्थिति में इसके रोकथाम के लिए इसे फैलाने चाले एडीज मच्छरों का नियंत्रण होना लाजिमी है। इसलिए लक्षणों के आधार पर इसका उपचार या प्रबंधन किया जाता है ताकि पीडित व्यक्ति को राहत मिल सके।

आरा में एक दिन पूर्व घर से निकली मां-बेटी का शव दूसरे दिन बरामद, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव में एक दिन पूर्व रात घर से निकली मां-बेटी का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उनका शव एकवारी गांव के उत्तरवारी टोला स्थित पोखरा से मंगलवार की रात बरामद किया गया है। मृतका के परिजन ने ससुराल वालों पर दोनों मां-बेटी को मार कर पोखरा में फेंकने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव निवासी शिव नारायण सिंह की 26 वर्षीय पत्नी सुमन देवी एवं 9 वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी शामिल है। इधर मृतका के भाई रितेश यादव ने बताया कि उसने अपनी बहन सुमन देवी की शादी वर्ष 2012 में जून महीने में सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव निवासी हरे कृष्णा सिंह के पुत्र शिव नारायण सिंह से की थी। शादी के छह माह के बाद से ही उसके ससुराल वालों द्वारा उसे मारपीट व प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। ससुराल पक्ष के लोग सोने की चैन, बाइक को लेकर लगातार मांग कर रहे थे। हालांकि इसके बाद बात खत्म हो गई थी। इसी बीच उसके जीजा शिव नारायण सिंह सोमवार को राखी लेकर चौरी थाना क्षेत्र के भीकमपुर उसके घर आए थे और शाम में घर वापस अपने घर लौटे थे। लौट के बाद उनके द्वारा उसकी बहन से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। जिसके बाद उसके जीजा द्वारा उसकी बहन की पिटाई कर दी गई। उसी समय उसके बहन ने फोन कर इसकी सूचना उसे दी। सूचना पाकर वह अपने साले के साथ उनके घर पहुंचा और दिनो को समझा बूझाकर रात करीब दस बजे घर वापस लौट रहा था। अभी वह बीच रास्ते में ही था की उसके जीजा द्वारा फोन कर कहा गया कि तुम्हारी बहन और भांजी घर से कहीं चली गई है। इसके बाद वे लोग बीच रास्ते ही से वापस लौट गए। वहां पहुंचने के बाद पूरी रात एवं दूसरे दिन शाम तक उन दोनों के द्वारा उनकी काफी खोजबीन की गई। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद वह सहार थाना पहुंचा और इसकी शिकायत थानाध्यक्ष से की।

एक नजर

भारत बंद के समर्थन में विभिन्न संगठनों ने छपरा में किया प्रदर्शन

छपरा। बुधवार को एससी-एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले,केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा संविधान व आरक्षण से किए जा रहे खिलवाड़, कॉलेजियम सिस्टम व जातिगत जनगणना नहीं कराए जाने के खिलाफ एआईएसएफ, एससी-एसटी, भीम आर्मी, बहुजन समाज एकता, दलित सेना सहित विभिन्न संगठनों के नेताओं और कार्यकताओं ने शहीद इन्द्रेव चौधरी चौक गड़खा पहुंच कर चौक के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका और मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क के चारों-तरफ बांस-बल्ली व गाड़ी, साईकल से पूरे चौक को जाम कर बंद कराया गया।भारत बंद के बाद जो दुकानें खुली थी उसे भी मौजूद लोगों ने मिलकर बाजार के सभी सड़कों पर घुमकर दुकानें बंद कर भारत बंद का समर्थन करने का निवेदन करते देखा गया। दुकानदारों व गाड़ी, ट्रक, बाईक व रिक्शा चालकों ने भी भरपूर समर्थन दिया। गड़खा बाजार इस बन्द से पूरी तरह प्रभावित रहा। बंद समर्थकों का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता राहुल कुमार यादव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संविधान व आरक्षण पर बढ़ते हमलों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, मोदी सरकार लगातार एससी-एसटी,ओबीसी एकता को खंडित करने के प्रयास में लगी हुई है। हम एससी-एसटी, ओबीसी के वर्गीकरण करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लेने, कॉलेजियम सिस्टम को समाप्त करने व जातिगत जनगणना कराए जाने, संविधान व आरक्षण पर हमले बंद करने की मांग करते हैं। केंद्र की मोदी सरकार अपने संविधान व आरक्षण विरोधी नीतियों पर रोक नहीं लगाई तो सड़क से लेकर सदन तक और उग्र आंदोलन करेंगे।युवा दलित नेता मनोहर राम ने कहा कि एससी-एसटी में वर्गीकरण के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पुनर्विचार कर बदलाव करने की आवश्यकता है। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा लिखे गए संविधान पर किसी तरह की बदलाव, संविधान पर हमले को बर्दाश्त नहीं करेंगे। भारत बंद के समर्थन में मुख्य रूप से एआईएसएफ के राज्य नेता राहुल कुमार यादव, युवा दलित नेता मनोहर राम, शिव प्रसाद मांझी, पन्नालाल मांझी, सतेन्द्र मांझी, राकेश चौधरी, चन्दन पासवान डिक्कू, मोहन राम, शशि रंजन पासवान, मुन्ना राम, सोनू सागर, शाहबुद्दीन अंसारी, राजीव राम, गौतम राम, सुनिल राम, रामबली, विकाश कुमार राम, राजु कुमार राम, सहाबुद्दीन मंसूरी, मुन्ना कुमार राम, चंदन कुमार राम, उमाशंकर राम, परशुराम राम,उपेंद्र कुमार राम, राजदेव राम,मुरलीधर राम,विष्णु कुमार राम, विशाल कुमार राम, राजीव कुमार राम, इंद्रजीत कुमार राम,राजीव राम,मधुसूदन कुमार ठाकुर, बासुदेव राम सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

सोंधी नदी में डूबने से युवक की मौत

छपरा। जिले के कोपा थाना क्षेत्र अंतर्गत मांझी तथा कोपा थाना क्षेत्र की सीमा पर मरहा के समीप स्थित सोंधी नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई।मृतक की पहचान कोपा थाना क्षेत्र के बसडीला गांव निवासी नन्द किशोर राम के 19 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार राम के रूप में की गई। सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे। बदहवास परिजनों के रुदन-क्रन्दन से वहां का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों ने बताया कि मृतक सूरज अपने घर का एकलौता चिराग था एवं उसके पिता मजदूरी करते हैं।परिवार के भरण पोषण के लिए सूरज टोटो गाड़ी खरीदकर उसे चलाता था।सूरज टोटो गाड़ी की होने वाली आमदनी से अपने परिवार का भरण पोषण करता था।सूरज की एक छोटी बहन अभी अविवाहित है। सोंधी नदी पर निमार्णाधीन सडक पुल के डायवर्सन से नदी के बीचों बीच युवक के डूबने के कारण कोपा तथा मांझी थाना पुलिस के बीच सीमा विवाद के कारण घण्टों बाद शव की खोजबीन शुरू हुई तब शव को बाहर निकाला गया।

5 करोड रुपए खर्च के बाद भी गांव के गलियारों में अंधेरा कायम

केटी न्यूज/ बलिया

मुरली छपरा और बैरिया विकास खण्डों के 53 गांवों की गलियों को रोशन करने के लिए लगभग 5 करोड रुपए खर्च किये गये। बावजूद इसके गांव की गलियों में अंधेरा कायम है। स्ट्रीट लाइट गांव में लगाए गए थे, जो कुछ ही महीने में खराब हो गए। क्योंकि स्ट्रीट लाइट लगाने में मानक की अनदेखी का आरोप ग्रामीण लगा रहे हैं। बेकार हो चुकी लाइटों की ना तो मरम्मत हो रही है नहीं शिकायत के बावजूद अधिकारी उस पर ध्यान दे रहे हैं। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा व्याप्त होने लगी है। बता दे कि मुरली छपरा विकासखंड के कोड़रहा नौबरार, इब्राहिमाबाद ऊपरवार, इब्राहिमाबाद नौबरार, शिवपुर उर्फ करण छपरा, रामपुर, कोड़हरा ऊपरवार, सोनकी भाट, श्रीपतपुर, मुरली छपरा, दलन छपरा, रामपुर, वाजिदपुर, सोनबरसा, मुरार पट्टी, दलकी, भोजपुर,

लक्ष्मीपुर सहित अधिकांश गांव में स्ट्रीट लाइट पिछले दो वर्ष पूर्व लगा दिए गए थे, किंतु आज मौके पर आपको एक भी लाइट सही स्थिति में नहीं मिलेगी। कुछ गांवो में तो स्ट्रीट लाइट खंबे पर मिलेगी ही नहीं, क्योंकि मानक के विपरीत इनकी खरीदारी लोकल कंपनियों से किया गया था। ब्रांडेड कंपनी के बिल वाउचर लगाए गए थे, जिससे वह तुरंत खराब हो गए। खराब पड़े स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने के लिए ग्रामीणों ने कई बार ग्राम प्रधानों व ग्राम विकास अधिकारियों से आग्रह किया, किंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई।इसी क्रम में बैरिया विकासखंड के कुल 30 ग्राम पंचायत जिसमें टेगरही, चांदपुर, जगदेवा, नौका गांव, चकिया, दलपतपुर, गोन्हिया छपरा,मधुबनी, कोटवा, विसुनपुरा, चाई छपरा, बैजनाथ छपरा, गंगापुर, बैजनाथपुर, छपरा सारिब, नौका गांव, हनुमानगंज, नौरंगा, दया छपरा, गोपालपुर, बलिहार, श्रीनगर सहित अधिकांश गांवो में स्ट्रीट लाइट खराब हो जाने के कारण अंधेरा कायम है।पूछने पर किसी भी स्तर से संतोषजनक जवाब नहीं मिल पा रहा है कि आखिर दोनो ब्लाको की ग्राम पंचायतो में पांच करोड़ रूपया खर्च होने के बावजूद अंधेरा क्यों कायम है ? स्ट्रीट लाइटें खराब हो जाने के कारण ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

जर्जर सड़क पर जलभराव होने से राहगीर परेशान

केटी न्यूज / सिंहपुर।

कस्बा के फेफना-रसड़ा राजधानी रोड से ग्राम सिंहपुर को जाने वाला मार्ग का स्थिति इन दिनों बेहत खराब है। सड़क पहले से क्षतिग्रस्त है तो बरसात लोगो की और परेशानी और बढ़ी है। यहां मार्ग के बीच विकराल गड्ढा यहां के विकास की कलई खोल रहा है। सड़क पर हुए गड्ढों के कारण आए दिन बाइक सवार सड़क के गड्ढों में फंसकर घायल हो रहे हैं। पहले से ही गड्ढों में तब्दील सड़क की हालत बरसात में और खराब हो गई है। इस मार्ग की स्थिति सालों से खराब है। सड़क पर गहरे गड्ढों के कारण परेशानी झेल रहे स्थानीय लोगों ने सड़क को बनवाने के लिए कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से मांग कर चुके हैं, लेकिन अभी किसी ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया है। इन दिनों बारिश के मौसम में न केवल सड़क के बीच बने गड्ढों में पानी भर गया है। राहगीरों का पैदल रास्ता गुजर करना मुसीबत से भरा हो गया है।

“ जर्जर सड़क की मरम्मत के लिए प्रशासन से कई बार अवगत कराया गया है लेकिन सड़क को बनाने वाले विभाग कोई भी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, लेकिन जनता दिन प्रतिदिन परेशान हो रही है।
–सचिन कुमार गुप्ता, सिंहपुर ”

“ सड़क की हालत इतनी दयनीय है आज के जमाने में सोच भी नहीं सकते, लेकिन विभाग है कि मूकदर्शक बनकर बैठा है। पीडब्ल्यूडी विभाग को इस मुद्दे पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए और समस्या को हल करना चाहिए।
– मीनेश भारती, सिंहपुर ”

खबरें फटाफट

पूर्व भाजपा विधायक के खिलाफ भाजपाइयों ने शुरू किया धरना

बलिया। भाजपा नेता व बैरिया के पूर्व विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर बुधवार को भाजपाइयों ने धरना दिया। उनका आरोप है कि साक्ष्य के साथ तहरीर दिए जाने पर भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। बैरिया के पूर्व विधायक व भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर भाजपाइयों ने बुधवार को तहसील में एसडीएम कार्यालय के समक्ष धरना शुरू कर दिया। धरना दे रहे भाजपा नेताओं का आरोप है कि बीते 18 अगस्त को बैरिया शहीद दिवस के अवसर पर पूर्व विधायक ने शहीद स्मारक स्थल से अपने संबोधन में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था। 19 अगस्त को सोनबरसा निवासी भाजपा नेता प्रशांत कुमार उपाध्याय ने पुलिस को तहरीर देकर पूर्व विधायक पर केस दर्ज करने की मांग की थी, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। तहरीर देने वाले भाजपा नेता का आरोप है कि तहरीर के साथ डिजिटल साक्ष्य एसएचओ बैरिया रामायण सिंह को उपलब्ध करा दिया गया है। बावजूद इसके साक्ष्य और जांच के नाम पर मामले में प्राथमिकी नहीं दर्ज की जा रही है।

एआरटीओ ने चलाया चेकिंग अभियान

गाजीपुर। बिहार को जोड़ने वाली ताड़ीघाट-बारा नेशनल हाई-वे पर अलग-अलग स्थानों पर एआरटीऔ (सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी) सौम्या पांडेय ने अपने टीम के साथ बिना परमिट वे ओवरलोड चलने वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। एआरटीओ के द्वारा चलाए गए अभियान के चलते वाहन चालकों व उनके स्वामियों में हड़कंप मच गया।चलाऐ गए अभियान के दौरान एआरटीओ ने 15 वाहनों का चालान करने के साथ ही वाहनों पर करीब एक लाख से अधिक का जुर्माना लगाया। इससे पूरी तरह से अफरा-तफरी मची रही। अभियान के कारण हाई-वे पर जगह-जगह सन्नाटा पसरा हुआ था।

गाजीपुर में जगह-जगह प्रदर्शन, राष्ट्रपति को संबोधित 12 सूत्री मांग पत्र सौंपा

भारत बंद के समर्थन में बसपा व सपा कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

♦ बसपा कार्यकर्ताओं ने शहीद पार्क में की जनसभा

केटी न्यूज / गाजीपुर

आरक्षण के विरोध में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा भारत बंद के आह्वान पर बुधवार को बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष गुलाब राम की अध्यक्षता में शाहिद पार्क में पहुंचकर विशाल जनसभा का आयोजन किया। उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित 12 सूत्री मांग पत्र पूर्व ब्लाक प्रमुख चंद यादव ने उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में तहसीलदार रामजी को सौंपा। इसके बाद बसपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष गुलाब राम ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय को कोई नीति और नया नियम बनाने का संवैधानिक अधिकार नहीं है। किसी प्रकार का नया कानून अध्यादेश और राजाआग्या आदि जारी करने नया कानून बनाने का अधिकार भारतीय लोकतंत्र में संविधान की व्यवस्था के अनुसार सिर्फ और सिर्फ भारत की संसद को है। हम सभी उक्त फैसले से असहमति जताते हुए इसका पुरजोर विरोध करते हैं। इस फैसले से भारत में सदियों से चली आ रही भेदभाव, तिरस्कार, अपेक्षा, दुर्व्यवहार, उच्च, नीच, छुआछूत और जाति के आधार पर शोषण का शिकार हुए एससी-एसटी, ओबीसी समुदाय समाज के लिए विभाजन कार्य मानते हैं। यह फैसला भारतीय संविधान में दी गई आरक्षण की मंशा के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि हम लोग आज भारत बंद के समर्थन में यहां पर आए हुए हैं। सरकार संसद की विशेष सत्र बुलाकर इस फैसले को तत्काल खत्म करने का कानून पारित करें। साथ ही भारत सरकार संविधान में संशोधन कर सुप्रीम कोर्ट के डायरेक्शन को रद्द करें, इसके साथ ही भारत सरकार नया कानून बनाकर इन वर्गों के हित का ध्यान रखते हुए क्रीमी लेयर की व्यवस्था को तत्काल समाप्त करें, आदि प्रमुख हमारी मांगे हैं। उधर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अध्यक्ष रामधारी यादव के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने भी आरक्षण नीति का विरोध जताते हुए तहसीलदार को अपना मांग पत्र सौंपा। साथ ही सिविल बार एसोसिएशन के सदस्यों ने भी अपना विरोध जताते हुए कार्य बहिष्कार किया। इस मौके पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रईस अंसारी बाढ़ के अध्यक्ष प्रभुनाथ राम, रामनिवास यादव, एडवोकेट बसपा महासचिव अलगू कुशवाहा, दिनेश राम, नंदलाल राम, उमेश राम, गिरजा, रामचंद्र, संजय, सिद्धार्थ, सुनील कुमार, गुप्तेश्वर राम, ओमप्रकाश राम, जयप्रकाश राम, लक्ष्मण राम, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

भारत बंद का नहीं दिखा कोई असर, खुली रहीं दुकानें, पुलिस प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

मऊ। जनपद में भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के एक दिवसीय भारत बंद के आवाहन पर अनुसूचित जाति व जनजाति आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भारत बंद के तहत बसपा, आजाद समाज पार्टी, आजाद अधिकार सेना के सदस्यों ने नगर क्षेत्र के भीटी से लेकर कलेक्ट्रेट तक जमकर प्रदर्शन व नारेबाजी किया। हालांकि भारत बंद का जिले में कोई खास असर नहीं दिखाई दिया। इस दौरान क्लेक्ट्रेट पहुंचकर संगठन के सदस्यों ने राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक इलामारन के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस फोर्स सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पैनी नजर रख रही थी । पुलिस अधीक्षक इलामारन ने बताया कि भारत बंद देखते हुए जिले में सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पल-पल की गतिविधि पर उच्चाधिकारी अपनी पैनी नजर रखे रहे। आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा, कहीं पर भी कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई।

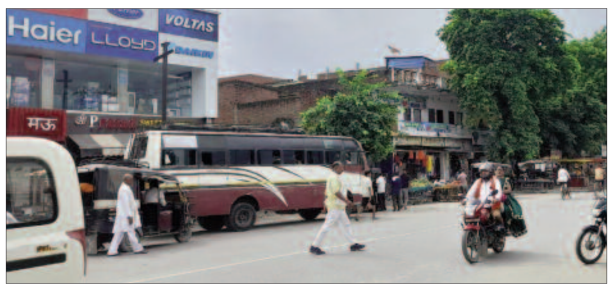

किसान दिवस पर किसानों की सुनी समस्या, त्वरित निस्तारण के दिये निर्देश

बलिया। सिविल लाइन स्थित कृषि भवन सभागार में बुधवार को किसान दिवस का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने अपनी-अपनी समस्याएं बताई, जिसके त्वरित निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बिजली विभाग से सम्बन्धित अधिक आने पर मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने सम्बन्धित अभियंताओं को निर्देश दिया कि धान की फसल का समय है और सिंचाई की आवश्यकता अधिक है। इसलिए इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कहीं बिजली खराब होती है तो तत्काल ठीक करा दें। जिले के कुछ रजवाहे में पानी नहीं आने की शिकायत पर सिंचाई विभाग के अभियंता को निर्देशित किया। कृषि विभाग के अधिकारी को जिले में जिंक व एसएसपी की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए कहा। किसानों ने भी बताया कि सरकारी नलकूप या उसकी नाली, कुलावा में दिक्कत होने पर समय पर बन नहीं पाता है और किसान वैकल्पिक व्यवस्था करते हैं। इस पर नलकूप खण्ड के एक्सईएन को निर्देश दिया कि इस शिकायत को गंभीरता से लेकर समय से समाधान सुनिश्चित कराएं।

विद्युत चेकिंग अभियान : गाजीपुर में सात के खिलाफ विद्युत चोरी का मुकदमा, 40 बड़े उपभोक्ताओं का काटा कनेक्शन

गाजीपुर। जनपद में विद्युत चोरी को रोकने एवं बड़े बकायदाओं से वसूली करने के उद्देश्य से विद्युत विभाग की टीम ने बुधवार को एक साथ कई गांव में छापेमारी की। इस दौरान ताड़ीघाट विद्युत उपकेंद्र से जुड़े छह से अधिक गावों में बड़े बकाएदारों के खिलाफ उपखंड अधिकारी प्रवीन मौर्या के नेतृत्व में? विद्युत विभाग की टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके चलते ग्रामीणों में अफरा-तफरी मची रही। विद्युत विभाग द्वारा चलाए गए इस सघन चेकिंग अभियान में सात के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही 40 बड़े उपभोक्ताओं का कनेक्शन काट दिया गया। टीम ने अभियान के तहत बीस लोगों से डेढ़ लाख बकाए

राजस्व की वसूली की। विद्युत विभाग की टीम द्वारा इलाके के सुहवल, अडरिया, रमवल, बडौरा, हरिशचंद्रपुर, मिजार्पुर आदि गावों में चेकिंग अभियान चलाया गया। ग्रामीण चेकिंग के दौरान अपने अवैध केवलों को? पोल से उतारने में भलाई समझा। विद्युत विभाग के हर मूवमेंट की लोग पल पल लोकेशन लेते रहे। विद्युत वितरण खंड चतुर्थ के उपखंड अधिकारी प्रवीन मौर्या ने लोगों से अपील किया कि बिना कनेक्शन लिए बिजली न जलाए और बाईपास केवल भी न लगाएं अन्यथा पकड़े जाने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। चेताया कि उपभोक्ता विद्युत मीटर से छेड़छाड़ किसी कीमत पर न करें। इस दौरान विद्युत विभाग की टीम ने उपभोक्ताओं से आह्वान किया कि अपने बकाए बिलों का भी समय से भुगतान कर दें। ताकि राजस्व बकाए को समय से जमा कर शासन और विभाग के राजस्व बढ़ोत्तरी में सहयोग करें।उपखंड अधिकारी प्रवीन मौर्या ने बताया कि विभाग द्वारा ऐसे उपभोक्ताओं की सूची बनाई जा रही है,जो बड़े बकाएदार हैं। इसके उपरांत उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा: गाइडलाइन के हिसाब से ही पूरी होगी परीक्षा की कार्यवाही

जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

केटी न्यूज / बलिया

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार व एसपी विक्रांतवीर ने बुधवार को शहर में स्थित राजकीय इंटर कॉलेज,सतीशचंद्र कॉलेज व गुलाब देवी इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापक व सम्बन्धित अधिकारियों से वहां की व्यवस्था सम्बन्धी विस्तृत जानकारी ली। कहा कि सीसीटीवी हर समय क्रियाशील होना चाहिए। परीक्षा की जो गाइडलाईन है, उसके हिसाब से ही परीक्षा की पूरी कार्यवाही होगी। पूरी परीक्षा के दौरान जो दायित्व मिले है, पूरी तत्परता से उसका निर्वहन सभी अधिकारी करेंगे। जिलाधिकारी पहले राजकीय इण्टर कालेज पहुंचे। वहां सभी कक्षों में जाकर सीसीटीवी की व्यवस्था व अन्य तैयारियों को देखा। इसके बाद सतीश चन्द्र कालेज व गुलाब देवी इण्टर कालेज में गये। निरीक्षण के दौरान केंद्र व्यवस्थापकों व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्र पर कमरों में पर्याप्त मात्रा में प्रकाश होना चाहिए। इस बात का विशेष ख्याल रखें कि सीसीटीवी कैमरा कभी भी बंद नहीं हो। हमेशा क्रियाशील होना चाहिए। परीक्षा के लिए जो बुकलेट दी गयी है, उसमें समस्त प्रकार के निर्देश अंकित हैं। उसी के अनुरूप परीक्षा से जुड़ी सभी कार्यवाही होनी है। उन्होंने पूरी परीक्षा के दौरान अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया।

डीआईजी व एसपी ने पुलिस भर्ती परीक्षा का लिया जायजा

बलिया। पुलिस भर्ती लिखित परीक्षा के मद्देनजर पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने की तैयारियों का जायजा लिया एवं संबन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गएेबता दें कि कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरों की स्थिति चेक की गई। स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन प्रभारी निरीक्षक कोतवाली आदि अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सपा, बसपा, आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

◆ विशेष सत्र बुलाकर इस पर विचार किया जाए और इस कानून को तत्काल वापस लिया जाए

केटी न्यूज / चंदौली

सपा व बसपा, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को मुख्यालय पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। अंत में जुलूस निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर भड़ास निकाल और तत्काल इस कानून को वापस लिए जाने के लिए सदन में विशेष सत्र चलकर वापस लिए जाने की मांग की। वहीं जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व सदर एसडीएम हर्षिका सिंह को सौंपा। इस दौरान सपा विधायक प्रभु नारायण सिंह यादव ने कहा कि आरक्षण के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट का एक बड़ा फैसला आया है। जिससे एससी व एसटी और ओबीसी समाज के लोग बहुत से दुखी है। क्योंकि आजादी के बाद बाबा साहब ने जो फैसला लिया संविधान बनाया एक विशेष रूप से इनको आरक्षण की व्यवस्था दी गई। आज इसके वर्गीकरण से कहीं न कहीं उनके ऊपर कुठाराघात होगा। एक तरह से बहुत लोग हताश और निराशा है। पूरे भारत बंद का जो आवाहन हुआ है। समाजवादी पार्टी व इंडिया गठबंधन के लोग फैसला किया है कि आंदोलन का हम लोग साथ देंगे लोकसभा में विशेष शत्र बुलाकर

इस पर विचार किया जाए और इस कानून को तत्काल वापस लिया जाए ताकि दलित, पिछड़े लोगों के साथ न्याय हो सके। इस दौरान जिला अध्यक्ष सतनारायण राजभर चंद्रशेखर यादव, मुसाफिर चौहान,त्रिलोकी पासवान, निरंजन कनौजिया, शशिकांत भारती, दिलीप पासवान, लाल बरत, गुलाब गोंड,चंद्रभानु यादव, सुभाष यादव, आरिफ, रविंदर यादव उपस्थित रहे। वहीं बसपा के कार्यकर्ताओं ने पूरे नगर में जुलूस निकालकर अपने ताकत का एहसास कराया और सरकार के प्रति विरोध जताया। इस दौरान सत्येंद्र मौर्य ने कहा कि संविधान के साथ किसी भी छेड़छाड़ सरकार को नहीं करना चाहिए। अगर ऐसा किया गया तो बहुजन समाज पार्टी चुप बैठने वाली नहीं है। अमित यादव लाल ने कहा कि बाबा साहब के संविधान आज खतरे में है। हम सभी को एकजुट होकर संघर्ष करने की जरूरत है। इस दौरान जिलाध्यक्ष घनश्याम प्रधान, राकेश शर्मा,तिलकधारी बिंद, उमापति राम, मुकेश कुमार उपस्थित रहे। वही आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष शैलेश कुमार ने जोरदार नारा लगाया।कहा हम लेकर रहेंगे आजादी, हम लेकर रहेंगे आरक्षण। कहा कि आरक्षण के वर्गीकरण के विरोध में हम भारत बंद के तहत आंदोलन कर रहे हैं आगे भी हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

एक नजर

कल्याण सिंह की मनी चौथी पुण्यतिथि

गाजीपुर। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की चौथी पुण्य तिथि बुधवार को जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर मनाई

गई। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि राम मंदिर निर्माण आंदोलन के अग्रदूत पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह कुशल राज नेता और अप्रतिम मुख्यमंत्री थे। उनका सुचिता पूर्ण सुशासन आज भी लोगों के मन चेतन में विद्यमान है। कहा कि कार्यकर्ताओं के परम हितैषी व कड़े फैसले लेने वाले नेता थे। उनके मन में कार्यकर्ताओं के प्रति श्रद्धा, समर्पण का भाव था।जिला महामंत्री ओमप्रकाश राय ने कहा कि अदम्य साहस क्षमता के धनी उत्तर प्रदेश में निर्माण और विकास की गति तेज करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने उत्तर प्रदेश में पति के मृत्युपरांत बच्चों के साथ ही पत्नी को वरासत का अधिकार देने का लोकप्रिय कार्य किया था। इस मौके पर जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, अवधेश राजभर, श्यामराज तिवारी, अखिलेश राय, जिला मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा, विनोद खरवार, अच्छेलाल गुप्ता, नीतीश दूबे, विष्णु प्रताप सिंह, धनेश्वर बिंद, संदीप गुप्ता,तेज बहादुर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पुलिस और बदमाशो के बीच हुई मुठभेड़, दो बदमाशों के पैर में लगी गोली

जौनपुर। चेकिंग के दौरान थाना शाहगंज व सरपतहां पुलिस टीम व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है।मुठभेड़ में पुलिस की गोली दो बदमाशों के पैर में लगी।गिरफ्तार दोनो बदमाश हिस्ट्रीशीटर है तथा इन पर बिभिन्न थानों में लगभग एक दर्जन मुकदमे दर्ज है।इनके पास से पुलिस ने दो तमंचे,दो जिंदा कारतूस,दो खोखा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। पुलिस बिभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार मंगलवार रात्रि में लगभग 12.30 बजे थाना शाहगंज व थाना सरपतहां की संयुक्त टीम द्वारा थाना शाहगंज अन्तर्गत योगी तिराहे पर चेकिंग की जा रही थी।चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध व्यक्ति अपाचे मोटरसाइकिल से आते हुए दिखाई दिये जिसे पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन बदमाश पुलिस टीम पर फायर करके भागने लगे । बदमाशों द्वारा फायर किया गया जिस पर पुलिस बल के जबाबी फायर में बदमाशों के पैरों में गोली लगी।घायल बदमाशो ने पुलिस की पूछताछ में अपना नाम राजन कुमार पुत्र रामलाल निवासी गरोठन थाना खेतासराय जनपद जौनपुर व मोनू यादव पुत्र अशोक यादव निवासी गरोठन थाना खेतासराय जनपद जौनपुर बताया।दोनो ही गिरफ्तार बदमाश शातिर और हिस्ट्रीशीटर है। जिसे पुलिस टीम द्वारा थाना शाहगंज अन्तर्गत उसराभादी आने वाले मार्ग के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस अभिरक्षा में घायल बदमाशों को ईलाज के लिए अस्पताल भेजा है,गिरफ्तार बदमाशों के पास से 02 देशी तमन्चा.315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस .315 बोर, 02 खोखा .315 बोर व एक अपाचे मोटर साइकिल बरामद हुआ है।

कृषि विज्ञान केंद्र में लगाया गया एक पेड़ मां के नाम

चंदौली। नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र में बुधवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी कानपुर के निर्देश पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जनपद के लगभग 50 कृषकों ने भाग लिया।इस दौरान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. नरेंद्र रघुवंशी ने कहा कि कृषकों को पौधा लगाने की विधि,पौधे पर्यावरण से प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं। यह प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन छोड़ता है। सभी एरोबिक जीवों के कोशिकीय श्वसन के लिए, ऑक्सीजन आवश्यक है पौधों की जीवन में उपयोगिता, पौधे किस तरीके से हमारे वातावरण को शुद्ध रखते हैं इसके बारे में विस्तृत चर्चा की, साथ ही किसानों को गाजर घास उन्मूलन के प्रति भी जागरूक किया।

खबरें फटाफट

जालसाज के खिलाफ ग्रामीणों ने एसपी को सौंपा पत्रक

चंदौली। विकास खंड चहनिया के पक्खोपुर गांव सभा के सैकड़ो लोगों से पैसा दो गुना करने के नाम पर जालसाजी कर लाखों रुपए हड़पने का मामला तूल पकड़ रहा है। पीड़ितों ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक से मिलकर प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। बलुआ थाना क्षेत्र के पक्खोपुर व सकलडीहा थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव के सैकड़ो की संख्या में ग्रामीणों का लगभग 10 वर्ष पूर्व जेएमवी कंपनी में पैसा दो गुना करने के नाम पर सैंकड़ों लोगों से जालसाजी कर लाखों रुपया गांव के ही एक व्यक्ति ने ऐठ लिया। कंपनी फर्जी होने की जानकारी जब ग्रामीणों को हुई तो अपना पैसा मांगने लगे तो गाली ग्लौज के साथ मारपीट करने पर भी आमादा हो गया। बुधवार को आधा दर्जन की संख्या में महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे से मिलकर प्रार्थना पत्र देकर मामले से अवगत कराया। वहीं न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच कराकर उचित कार्रवाई करने का काम किया जाएगा। प्रार्थना पत्र देने वालों में मुख्य रूप से सुमन देवी, कुसुम देवी, रीता देवी, सरिता देवी आदि शामिल रहीं।

अनुरक्षण सह संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

डीडीयू नगर। पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल (डीडीयू) पूर्णतः संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित रखने के लिए निरंतर कार्यरत है। संबंधित रेल कर्मियों को इसके लिए नियमित तौर पर अद्यतन कार्यप्रणाली को लेकर शिक्षित, प्रशिक्षित एवं जागरूक किया जाता है। इसी क्रम में बुधवार को मंडल रेल प्रबंधक राजेश गुप्ता की अध्यक्षता में एक संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन आरआरआई/डीडीयू में किया गया। संगोष्ठी में सिग्नल एवं टेलीकॉम, इंजीनियरिंग, परिचालन आदि विभागों के वरीय अधिकारी शामिल रहे। संगोष्ठी के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद इन विभागों के कर्मियों को संरक्षित एवं सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित रखने संबंधी विभिन्न बिंदुओं के बारे में बताया गया तथा इस संबंध में उनकी जानकारी को अद्यतन किया गया।

कल्याण सिंह की तृतीय पुण्यतिथि पर सम्मिलित हुए सीएमयोगी आदित्यनाथ, बोले...

आसान नहीं कल्याण सिंह होना, चुनना पड़ता है संघर्ष, चुनौती, त्याग और बलिदान

◆ मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में समाजवादी पार्टी और इसके मुखिया पर भी किया हमला, पीडीए पर उठाए गंभीर सवाल

◆ जीरो टॉलरेंस की जिस नीति को 1991 में बाबू जी ने लागू किया था, वो आज भी लागू है: सीएम

केटी न्यूज/ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को स्व. कल्याण सिंह की तृतीय पुण्यतिथि पर आयोजित 'हिंदू गौरव दिवस' के दूसरे संस्करण के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता की ओर से बाबूजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कल्याण सिंह के संघर्षों और चुनौतियों की यात्रा को शिखर से शून्य की यात्रा करार दिया।

उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति कल्याण सिंह अचानक नहीं बन जाता। कल्याण सिंह बनने के लिए संघर्ष, चुनौती, त्याग और बलिदान का मार्ग चुनना पड़ता है। चुनौती और संघर्ष जब सामने होता है तो त्याग और बलिदान का जज्बा पैदा होता है, तब कोई भी ताकत आपको झुका नहीं सकती, आपका बाल भी बांका नहीं कर सकती है। एक अपार जनआस्था और विश्वास आपके साथ खड़ा होता है। इस अपार जनविश्वास के प्रतीक श्रद्धेय कल्याण सिंह जी बने। उन्होंने उस समय की ताकतों का मुकाबला किया, विपरीत परिस्थितियों में काम किया, लेकिन श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के मार्ग से कतई नहीं हटे। अंततः परिणाम आज हमारे सामने है। आज उसकी सुखद अनुभूति पूरी दुनिया में रहने वाले सनातन धर्मावलंबी कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में समाजवादी पार्टी और इसके मुखिया पर भी हमला किया और पीडीए पर गंभीर सवाल उठाए। सीएम योगी ने बाबू जी (कल्याण सिंह) को उनकी तीसरी पुण्ण तिथि पर कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि अलीगढ़ के एक सामान्य परिवार में जन्म लेने वाले 'बाबूजी' ने शुरूआत से ही संघर्ष और चुनौतियों का मुकाबला करना सीख लिया था।

पहले किसान और फिर शिक्षक, आरएसएस के स्वयंसेवी, भाजपा कार्यकर्ता के रूप में अपनी यात्रा प्रारंभ करने वाले बाबू जी की यात्रा शून्य से शिखर तक की यात्रा है। वे विधायक भी थे, सांसद भी थे। वह प्रदेश सरकार में कांग्रेस की दमनकारी नीतियों के खिलाफ और आपातकाल के खिलाफ आंदोलन के दौरान जेल में भी बंद हुए थे। आपातकाल के बाद बनी सरकार में वह स्वास्थ्य मंत्री भी थे। राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद उमड़ी हुई आस्था में पहली बार भारतीय जनता पार्टी जब प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाती है तो वह मुख्यमंत्री भी बने।

1997 में वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने और फिर हिमांचल और राजस्थान के राज्यपाल के रूप में संवैधानिक पद के दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए उन्होंने अपनी अंतिम यात्रा पूरी की। रामजन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका का ही परिणाम आज हम सबके सामने है। दुनिया में कौन सी श्रमिक और वंचित जातियां होंगी, जिन्होंने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अपनी आंखों से नहीं देखा। मानवता का जहां दमन हुआ है, श्रीरामजन्मभूमि पर राम मंदिर का निर्माण उनके लिए आशा की एक किरण है। इस आशा की किरण की शुरूआत तब हुई थी जब 'बाबूजी' ने कहा था कि सरकार जाए तो जाने दिया जाए, लेकिन रामभक्तों पर गोली नहीं चलाएंगे।

श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में कल्याण सिंह के योगदान को याद करते हुए सीएम योगी ने कहा कि याद करिए 30 अक्तूबर 1990 और 2 नवंबर 1990 में अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं और उस समय की सरकार एक तरफ हिंदू समाज को आपस में बांटने का कार्य कर रही थी तो दूसरी तरफ रामभक्तों पर गोलियां बरसा रही थी। तब अडिग चट्टान बनकर उनके सामने टकराने वाला व्यक्तित्व श्रद्धेय 'बाबूजी' कल्याण सिंह थे। तब उन्होंने कहा था कि हम हिंदू समाज को बंटने नहीं देंगे। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

बाबू जी ने नहीं किया मूल्यों और आदर्शों के साथ कोई समझौता

सीएम योगी ने कहा कि उनका जीवन भारत की राष्ट्रीयता के प्रति समर्पित था। उन्होंने जातिवाद को प्रश्रय नहीं दिया। समाज का विभाजन करने वाली ताकतों से उन्होंने दूरी बनाए रखी। उन्होंने मूल्यों पर जीवन जिया, राजनीति को आदर्शों को माध्यम बनाया। राजनीति उनके लिए सत्ता और भोग का माध्यम नहीं बनी, राजनीति उनके लिए सौदेबाजी का जरिया नहीं बना, राजनीति उनके लिए अपने स्वार्थों की पूर्ति का माध्यम कभी नहीं बन पाई। वो मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद, राज्यपाल किसी भी रूप में रहे हों, लेकिन मूल्यों और आदर्शों के साथ कोई समझौता नहीं किया। आरएसएस की पाठशाला में जो दीक्षा उन्होंने सीखी थी, उसका आजीवन पालन करते रहे।

हिंदू भारत की सुरक्षा की गारंटी

सीएम योगी ने कहा कि आज जब हम लोग बाबू जी की तीसरी पुण्यतिथि को 'हिंदू गौरव दिवस' के रूप में मना रहे हैं तो हमें हिंदू एकता के महत्व को समझना पड़ेगा। हिंदू कोई जाति, मत और मजहब नहीं है। यह किसी संकीर्ण दायरे का माध्यम नहीं है। यह भारत की सुरक्षा की गारंटी है, ये भारत की एकता और एकाग्रता की गारंटी है। याद रखना जब तक भारत का मूल सनातन हिंदू समाज मजबूत है भारत की एकता और अखंडता को दुनिया की कोई ताकत चुनौती नहीं दे सकती। लेकिन जिस दिन यह एकता खंडित होगी उस दिन भारत को फिरके-फिरके में बांटने की विदेशी साजिशें सफल होती दिखाई देंगी। हमें इन साजिशों को सफल नहीं होने देना है। जो लोग आपको बांटने का काम कर रहे हैं, इनके चेहरे, चाल और चरित्र अलग है। ये बोलेंगे कुछ,दिखाएंगे कुछ और करेंगे कुछ। जब भी इन्हें अवसर मिला, उत्तर प्रदेश को इन्होंने दंगे की आग में झोंका है।

कारपोरेट के लिए विषय ही नहीं समस्त विषयों का ज्ञान जरूरीः प्रो. वेद प्रकाश

केटी न्यूज / जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि के एचआरडी विभाग में एक दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। संकायाध्यक्ष प्रो. अजय द्विवेदी ने नव प्रवेशित छात्रों को प्रबंध अध्ययन संकाय एवं इसके विभिन्न विभागों के विषय मे विस्तारपूर्वक चर्चा किया। साथ ही नव प्रवेशित छात्रों को अध्ययन अध्यापन से सम्बंधित किसी भी तरह की समस्या का समाधान हेड और डीन स्तर से किया जाएगा। हमारा विवि प्रदेश के अग्रणी विवि में शुमार है जहां विश्वस्तरीय पुस्तकालय, खेल के मैदान , शोध केंद्र और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरा प्रबंध किया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने छात्रों को परिसर में अनुशासित व्यवहार की कामना की और कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की प्रेरणा से दीक्षारम्भ कार्यक्रम को कुलपति की इनोवेटिव शिक्षण पद्धति बताया। विशिष्ट वक्ता के रूप में आये बीबीडी विवि प्रो.

वेद प्रकाश ने छात्रों को मानव संसाधन लेखांकन एवं बैंकिंग के भारतीय संस्करण से अवगत कराया। प्रो. वेद प्रकाश ने कहा कि सिर्फ विषय का ही नहीं समस्त विषयों का ज्ञान है कारपोरेट की आवश्यकता। आज विविध विषयों की जानकारी बेहद जरूरी है। विभागाध्यक्ष डॉ रसिकेश प्रो रवि प्रकाश को स्मृति चिन्ह के रूप में पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रखर जौहरी एवं अलीन फातिमा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन नमी सिंह ने किया । दीक्षारम्भ कार्यक्रम के तहत सभी छात्रों को सम्पूर्ण कैम्पस पुस्तकालय , स्टेडियम , सरस्वती सदन , रज्जू भैया संस्थान , अधिष्ठाता छात्र कल्याण , प्राक्टर कार्यालय आदि का अवलोकन कराया गया । कार्यक्रम में विभाग के समस्त शिक्षक डॉ प्रवीण मिश्रा , अनुपम कुमार , श्रुति श्रीवास्तव , डॉ अभिनव श्रीवास्तव , उपासना जायसवाल , धीरज कुमार , करुणाकर ओझा , गौरव , विमल चंद , साक्षी मिश्रा, वैष्णवी साहू सहित समस्त छात्र उपस्थित थे।

कृषि और सहायक सेक्टर में ऑस्ट्रेलिया से आएगा बड़ा निवेश

कृषि व खाद्य प्रसंस्करण की बेहतरी में सहयोगी बनने को इच्छुक ऑस्ट्रेलिया

◆ उत्तर प्रदेश के डेयरी सेक्टर को और बेहतर बनाने में ऑस्ट्रेलिया बन सकता है अच्छा सहयोगी: मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कृषि सेक्टर को बेहतर बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों में ऑस्ट्रेलिया ने सहायक बनने की इच्छा जताई है। बुधवार को लखनऊ आये ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से भेंट की और कृषि व सहायक सेक्टर में निवेश पर चर्चा की। दूसरी बार उत्तर प्रदेश आने पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए उच्चायुक्त फिलिप ने मुख्यमंत्री से कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का समृद्ध इतिहास है। उत्तर प्रदेश इन संबंधों को और मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बहुत संभावनाएं हैं और ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां इन सम्भावनाओं को विस्तार देने को उत्साहित हैं। यहां के कृषि, खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को मजबूत करने में ऑस्ट्रेलिया अच्छा सहयोगी बनना चाहता है। उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल कंपनियों के प्रतिनिधियों और उनकी विशेषज्ञता से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के लखनऊ आगमन पर अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सबसे बड़ी आबादी का यह प्रदेश, भारत के फूड बास्केट के रूप में विशिष्ट पहचान रखता है। हमारे पास देश की कुल कृषि भूमि का 12% हिस्सा है, लेकिन देश की खाद्यान्न जरूरतों का 20% उत्तर प्रदेश में ही पैदा होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 85% कृषि भूमि सिंचित है और इसे आगे विस्तार दिया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और किसान उत्पादन संगठनों के बारे में भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का किसान परिश्रमी है और नावचारों को अपनाने वाला है, ऐसे में यदि ऑस्ट्रेलिया की कृषि तकनीकी हमारे किसानों को मिलेगी तो निश्चित ही प्रदेश में कृषि, उद्यान, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को बड़ा लाभ मिलेगा उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन के साथ मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ व्यापार और निवेश आयुक्त, जॉन साउथवेल, कृषि सलाहकार किरण करामिल, द्वितीय सचिव टॉम ओवरटान, व्यापार और निवेश निदेशक आशा सुंदरमूर्ति, ऑसन लैब के भारत निदेशक संदीप जायसवाल, ग्रेनकॉर्प के निवेश प्रबंधक, जॉर्डन जेफरी, पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय रणनीति प्रमुख, निशा राकेश, तस्मानिया विश्वविद्यालय से मिसेल रोज सहित ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों और शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे।

उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर हुई चर्चा

ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त के साथ वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की चर्चा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में आज जल, थल और नभ की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। निवेश अनुकूल 27 इंडस्ट्रियल सेक्टोरल पॉलिसी हर सेक्टर के निवेशकों की जरूरतों को पूरा करने वाला है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की एफडीआई और फार्च्यून 500 कंपनियों के लिए घोषित नीति को ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों के लिए उपयोगी बताया। ऑस्ट्रेलियाई दल के साथ वार्ता के अवसर पर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग सहित अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सुभाषितम्

हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जो हम अपने बच्चों को करते देखने के इच्छुक नहीं है। -विग्रम यंग

भारतीय संविधान ही सेक्यूलर नागरिक संहिता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से कम्युनल सिविल कोर्ट के स्थान पर सेक्युलर सिविल कोड की स्थापना का आह्वान किया है। यह कहकर उन्होंने एक नए विवाद को जन्म दिया है। उन्होंने भारतीय संविधान की अनदेखी कर,संविधान के महत्व को घटाने का काम किया है। भारतीय संविधान 1950 में लागू हुआ। संविधान निमार्ताओं ने भारत के सभी नागरिकों को बिना किसी एक समान अधिकार दिए हैं। सभी नागरिकों को अपने धर्म अपनी भाषा बोलने का अधिकार दिया है। सभी नागरिकों को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का समान रूप से संविधान ने मौलिक अधिकार दिए हैं। उनमें किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं है। भारतीय संविधान ने हजारों वर्षों की गुलामी के कारण समाज का जो वर्ग आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ था। उसे सामाजिक और आर्थिक प्रगति के साथ आगे लाया जा सके। उस समय समाज में जो कुरीतियां थी। उनको समाप्त करने के लिए संविधान में कुछ विशेष प्रावधान किए थे। भारत विविध धर्म और विविध भाषाओं वाला देश है। यहां का खान-पान, रहन- सहन, धार्मिक रीति-रिवाज, सब अलग-अलग हैं। हिंदुओं के सभी वर्ग और समुदाय की आराधना पद्धति और धार्मिक पद्धति अलग-अलग हैं। हिंदुओं में हजारों देवी देवता हैं। जिनकी पूजा अलग-अलग तरीके से होती है। भारतीय संविधान ने नागरिकों को मौलिक अधिकारों के साथ स्वतंत्र जीवन की स्वतंत्रता दी है। संविधान ने नागरिकों के लिए जो मौलिक अधिकार घोषित किए हैं। उसका अन्य कोई विकल्प नहीं हो सकता है। भारतीय संविधान सच्चे मायने में सेकुलर नागरिक संहिता है। जिसमें कोई भेदभाव नहीं है। हिंदुओं के लिए सिविल कोड है। इस सिविल कोड में भारत की तीन चौथाई जनसंख्या कवर होती है। हिंदुओं की ही बात करें, तो शैव,विष्णु,ब्रह्मा,जैन, बौद्ध, सिख, पारसी,आदिवासी और उपजातियों की अलग-अलग परंपराएं हैं। सभी उपजातियां की अलग-अलग सोच है। इसको बदल पाना भगवान के लिए भी संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक की निजी आस्था उसकी सोच का प्रतीक है। भारतीय संविधान ने निजी आस्था और विश्वास को बनाए रखते हुए, सभी नागरिकों के लिए समान मौलिक अधिकारों का चयन किया। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में भारत के संविधान को सर्वश्रेष्ठ माना गया। इससे बेहतर लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य कोई हो ही नहीं हो सकती है। हिंदू सिविल कोड को भारतीय संविधान ने मान्यता दी। उसी तरीके से मुस्लिम, ईसाइयों, बौद्ध,सिख, आदिवासियों इत्यादि को अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भारतीय संविधान ने मान्यता दी है। निजी आस्था और धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार जीवन जीने का अधिकार बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को दिया है। संविधान के मौलिक अधिकारों में कोई भी फेरबदल करने की किसी को नहीं दी गई। इसी कारण पिछले 75 वर्षों से भारत की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्थाएं सुरक्षित हैं। विभिन्न विचारधारा और विभिन्न मान्यताओं को मानने वाले नागरिक भारतीय संविधान से जुड़े हुए हैं। इसका एक ही कारण है, कि सभी के नागरिक अधिकार एक समान हैं। भारतीय संविधान के अनुसार कोई भी नागरिक अपने निजी अधिकारों की मांग करते हैं। तो संविधान मे उसका भी संरक्षण है। संविधान निमार्ताओं ने भारत के हर नागरिक के अधिकारों का समान रूप से ध्यान रखा है। इस बात का ध्यान रखा है, जो लोग और जो समाज सबसे दयनीय स्थिति में है। उसका संरक्षण किया जाना जरूरी है। यह भारतीय संस्कृति का सबसे बड़ा अभिन्न हिस्सा और सोच है। भारतीय संविधान के रहते हुए, अन्य किसी समान नागरिक संहिता बनाने की कोई जरूरत नहीं है। भारत मे सैकडों धर्म, सैकड़ो भाषाओं, हर क्षेत्र की अलग-अलग परंपराओं,अलग-अलग मान्यताओं,अलग तरीके के खानपान के होते हुए भारत में सभी नागरिक आपस में मिलकर रहते हैं। विश्व के सभी देश आश्चर्यचकित होकर भारतीय संविधान की सराहना करते हैं। संविधान सभा में सभी विषयों पर बहुत बड़ा विचार विमर्श हुआ था। 2 साल तक यह विचार विमर्श चलता रहा।

चिंतन-मनन

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नजर सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नजर लग जाएगी। यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं। सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

एक और निर्भयाकांड, विश्व गुरु शर्मसार

-नरेन्द्र भारती

एक और निर्भया कांड हो गया विश्वगुरु की एक बार फिर फजीहत हुई है' कलकत्ता दुष्कर्म व हत्याकांड से एक और दाग लग गया' देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं।बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है। यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। हर जगह दरिंदे दरिन्दगी कर रहे हैं ताजा घटनाक्रम कलकत्ता मेडिकल कालेज की एक ट्रेनी डाक्टर के साथ गैंगरेप व हत्या का मामला बहुत ही सगीन अपराध है ऐसे दरिंदो को फांसी की सजा देनी चाहिए यह बहुत ही जघन्य अपराध है' गत वर्ष वाराणसी में घटित हुआ थाजहाँ बीएचयू परिसर कुछ गुंडों द्वारा एक लड़की के साथ अश्लील हरकते करना व और वीडियो बनाना की घटना सामने आई थी' साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं।आज कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय पर ऐसे घिनौने कर्म होतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है।सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है।आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं। बेखौफ दरिदें अराजकता फैला रहे है दरिंदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी, अपराध की तारीख बदल जाती है, मगर तस्वीर नहीं बदलती।बेशक प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया गया। मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वींरें प्रस्तूत कर रही है। आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देंश के लिए अशुभ संकेत है।आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छुह रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता।आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफ्तर हो, बस, सड़क, गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है। 2019, 2020, 2021, 2022, 2023 में भी दरिंदो ने दरिन्दगी जारी रखी ' वर्ष 2024 में भी हालात सुधर नहीं रहे है ।आंकड़ों के अनुसार 12 सितंबर 2018 को हरियाणा के रेवाड़ी में एक 19 साल की मेधावी छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म कर दिया था। 27 जून 2018 को मध्यप्रदेश के मंदसौर में एक सात साल की नाबालिग स्कली बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था।यह बच्ची तीसरी में पढ़ती थी। मासूम से हुई दरिदगी व हैवानियत की यह घटना बहुत ही दिल दहलाने वाली थी। दरिदों ने जिस बर्बरता व हैवानियित से घटना को अंजाम दिया था उससे रौगटे खडे हो जाते है। दरिदों ने दरिदंगी की हदे पार कर दी थी। 16 दिसंबर 2012 सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्म की वारदात से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था।यह रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना बहुत ही दुखद थी।हर रोज अस्मत लूटी जा रही है।दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है।दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है।जंगलराज स्थितियां बन रही है।कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिंदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है।वर्ष 2024 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।साल के आठमाह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी।हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है।देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है।इससे पहले कठुआ में भी एक बच्ची के साथ दरिदगी का मामला प्रकाश में आया था। प्रतिदिन इन अपराधों में इजॉफा होता जा रहा है।देश में दरिदगी की वारदातें कब रुकेगीं।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। 26 मार्च 2017 को उतर प्रदेश के लखीमपुरीमें दो नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। ऐसी वारदातें खौफनाक है।रेप व हत्या की ऐसी घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं।26 मार्च को ही नई दिल्ली में एक युवक ने एक बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने दुष्कर्म किया।देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है।फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। बीते वर्ष 2023 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2024के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरूआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर अगस्तमाह तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हो चुकी हैं ।प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उतर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैंगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा कर-के उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे है नाबालिग लड़कियों की शादियां अधेड़ो से की जा रही है ऐसे लोगों के विरुद्व समाज को कारवाई करनी चाहिए। 16 दिसंबर 2012 को जो हादसा दिल्ली में निर्भया के साथ हुआ था उसके बाद देश में महिलाओं से होने वाले दुष्कर्मों की बाढ़ सी आ गई कि हर दिन राजधानी से लेकर शहर व गांवों में सामूहिक दुष्कर्म थमनें का नाम ही नहीं ले रहे हैं। आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं।विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं।जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है।देश में आज भ्रूण हत्याएं हो रही हैं नवजात शिशु झाड़ियों व कूड़ेदानों व मंदिरों में मिल रहे है जिनमें ज्यादातर शिशु लड़कियां ही होती है। आज लड़कियों से इतनी नफरत क्यों की जा रही है आदमी यह कैसे भूल रहा है कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी। देश में ऐसे मामले प्रतिदिन घटित हो रहे है। नवजात व अबोध बच्चियो से दुष्कर्म हो रहे है। गत वर्ष दिल्ली में गुड़िया के साथ ऐसा ही एक दरिंदगी हुई थी जब एक किराएदार ने उसके साथ रुह कंपा देने वाला घिनौना काम किया था।दरिदें हर जगह दरिंदगी की शरणस्थली बना रहे ।कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो देश के लिए कंलक हैं।फांसी के जितने भी मामले लंबित हैं त्वरित कारवाई करके दरिदों का सर्वनाश करना चाहिए।

विनिर्माण क्षेत्र में बदलती भारत की तस्वीर

- प्रहलाद सबनानी

भारत में आज भी देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास कर रही है और वह अपने रोजगार के लिए सामान्यतः कृषि क्षेत्र पर निर्भर है तथा देश की कुल अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 16-18 प्रतिशत के आसपास बना रहता है। अब यदि देश की 60 प्रतिशत आबादी देश के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16-18 प्रतिशत तक का योगदान दे पा रही है तो स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में गरीबी तो बनी ही रहेगी। परंतु, यह स्थिति अब धीरे धीरे बदल रही है क्योंकि हाल ही के वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र का योगदान देश के सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों के नागरिक शहरी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही विनिर्माण इकाईयों में रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने के उद्देश्य से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र में कई ऐसे नए क्षेत्र भी उभरकर सामने आए हैं जिन क्षेत्रों में भारत में उत्पादन बहुत कम मात्रा में होता रहा है। उदाहरण के लिए रक्षा क्षेत्र, दवा क्षेत्र, सेमी-कंडक्टर निर्माण क्षेत्र एवं आरटीफिशियल इंटेलिजेन्स का क्षेत्र आदि का वर्णन यहां प्रमुख रूप से किया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में स्वदेशी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन की मात्रा 1.27 लाख करोड़ रुपए की रही है जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय 16.7 प्रतिशत अधिक है। यह भारत सरकार द्वारा देश में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों और सरकार के प्रयासों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। वर्तमान में रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाईयों में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा संयुक्त रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान उक्त वर्णित उत्पादन में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 79.2 प्रतिशत का रहा है जबकि निजी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 20.8 प्रतिशत का रहा है। हर्ष का विषय तो यह भी है कि रक्षा के क्षेत्र में भारत में निर्मित किए जा रहे उत्पादों की अन्य देशों में भारी मांग निर्मित होती जा रही है और इन उत्पादों का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपए के मूल्य का निर्यात भारत से विभिन्न देशों में किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है और यह भारत में रक्षा के क्षेत्र में हुए कुल उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत है। निर्यात में यह वृद्धि न केवल वैश्विक रक्षा बाजार में भारत के बढ़ते पदचिन्हों को दशार्ती है, बल्कि आत्मनिर्भरता और नवाचार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है। भारत में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही के समय में कई रणनीतिक पहल भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है, जैसे, मजबूत नीतिगत ढांचे को विकसित करना, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, अनुसंधान एवं विकास कार्यों में पर्याप्त निवेश को बढ़ावा देना, आदि शामिल हैं। स्वदेशीकरण की नीति के अनुपालन का असर भी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन एवं निर्यात में हो रही भारी भरकम वृद्धि के रूप में दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में उपयोग होने वाले सैकड़ों उत्पादों के आयात पर रोक लगाकर इन उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने के निर्णय का असर भी अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने की नीति को लागू करने से देश में न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि देश में आर्थिक प्रगति, तकनीकी उन्नति एवं रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा क्षेत्र की तरह ही, हाल ही के समय में भारत ने उत्पादन के कई नए क्षेत्रों में प्रवेश किया है। कुछ वर्ष पूर्व तक दवा निर्माण के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले अढक (ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडीयंट) नामक कच्चे माल का लगभग पूरे तौर पर चीन से आयात किया जाता था। परंतु, कोरोना महामारी के दौरान भारत को यह अहसास हुआ कि यदि चीन इस कच्चे माल का निर्यात भारत को करना कम कर दे अथवा बंद कर दे तो भारत में तो दवा उद्योग की इकाईयों में निर्माण कार्य ही ठप्प पड़ जाएगा। इसके बाद केंद्र सरकार ने अढकके उत्पादन को भारत में ही करने का फैसला लिया, आज स्थितियां पूर्णतः बदल गई है एवं अढक का निर्माण भारत में ही किया जाने लगा है। सम्भव है कि आगे आने वाले कुछ समय में अढकके निर्माण के क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता हासिल कर लेगा। भारत आज अढकके उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है एवं भारत की वैश्विक अढक उद्योग में 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी बन गई है। आज भारत में 500 से अधिक प्रकार के विभिन्न अढकका उत्पादन किया जा रहा है। भारत में अढकका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय दवा उद्योग में तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है और आज यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.72 प्रतिशत का योगदान देने लगा है एवं दवा उद्योग आज देश में रोजगार के करोड़ों अवसर निर्मित कर रहा है। भारतीय दवा उद्योग के वर्ष 2024 के अंत तक 6,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 13,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। वर्ष 2013-14 के बाद से वर्ष 2021-22 तक भारतीय दवा निर्यात में 103 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई है। जेनेरिक दवाओं के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत हो गई है, जिससे भारत को अब ह्वविश्व का फामेसी हबह्व भी कहा जाने लगा है। केंद्र सरकार अढकके उत्पादन को भारत में बढ़ाने के उद्देश्य से एक समग्र एवं अनुकूल पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण करने पर जोर दे रही है। वर्ष 2020 में केंद्र सरकार ने अढक के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के लिए 6,940 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की थी। 35 सक्रिय दवा सामग्री का विनिर्माण, जो अढक का लगभग 67 प्रतिशत है, जिसके लिए भारत की 90 प्रतिशत आयात पर निर्भरता है, भारत में ढछकयोजना के तहत प्रारम्भ किया जा चुका है। वर्ष 2022 के बाद से भारत के फार्मास्यूटिकल व्यवसाय में जबरदस्त बदलाव आया है एवं भारत अब वॉल्यूम उत्पादक से एक मूल्यवान आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। दवाई के क्षेत्र में भारत अब वैश्विक स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तैयार हो गया है।

लगभग 4 वर्ष पूर्व वैश्विक स्तर पर ऑटोमोबाइल विनिर्माण के क्षेत्र में सेमीकंडक्टर की उपलब्धतता में आई भारी कमी के चलते वाहनों के उत्पादन को भारी मात्रा में घटाना पड़ा था। परंतु, इसके बाद केंद्र सरकार ने यह बीड़ा उठाया था कि सेमीकंडक्टर के निर्माण के क्षेत्र में भारत को वैश्विक हब बनाया जाएगा। भारत में सेमीकंडक्टर का बाजार 2,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है जो वर्ष 2025 तक बढ़कर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की सम्भावना है।

महिलाओं की सुरक्षा है जरुरी

- संजय गोस्वामी

कोलकाता के आरजी कर हॉस्पटिल में जूनियर डॉक्टर के साथ रेप मर्डर मामले में सियासत चरम पर है। पश्चमि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गुरुवार को राजभवन पहुंचीं। लेकिन चाय पार्टी के बाद उन्होंने बीजेपी और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा। कहा, बुधवार रात हॉस्पटिल में जो कुछ उपद्रव हुआ, उसके लिए यही दोनों दल जम्मिदार हैं। लेकिन बोलते-बोलते उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया, जिसे लेकर हंगामा खड़ा हो गया। ममता ने कहा, बीती रात अस्पताल में जो कुछ हुआ वह ह्यबाम और रामह्व का कारनामा है। इसमें भगवान राम का नाम लेना अनुचित है जिस नाम पर को सत्य और तारनहार कहा जाता है जो हमारे समझ से बाहर है उसपर राजनीति नहीं करनी चाहिए ऐ नाम तो ऐसा है जो हर हिन्दू के लिए मरने जीने का सबाल हो जाता है वो एक दीन दुःखियों की रक्षा करते हैं उनके नाम को बदनाम करना अनुचित है और पाप के भागीदार ही बन सकते हैं मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम का नाम ही छोटा सा शक्तिशाली महामंत्र है, जिसके सिर्फ जपने से ही व्यक्ति को सही मार्ग दिखने लगता है। हिंदू धर्म के अनुसार, राम का नाम इंसान के जन्म से लेकर मृत्यु तक लिया जाता है। भगवान राम का जाप करने से व्यक्ति को सही कार्य करने की शिक्षा मिलती है। राम केवल एक नाम भर नहीं , बल्कि वे जन-जन के कंठहार हैं, मन-प्राण हैं, जीवन-आधार हैं उनसे भारत अर्थ पाता है वे भारत के प्रतिरूप हैं और भारत उनको उनमें कोटि-कोटि जन जीवन की सार्थकता पाता है भारत का कोटि-कोटि जन उनकी आँखों से जग-जीवन को देखता है उनके दृष्टिकोण से जीवन के संदर्भों-परिप्रेक्ष्यों-स्थितियों-परिस्थितियों-घटनाओं-प्रतिघटनाओं का मूल्यांकन-विश्लेषण करता है भारत से राम और राम से भारत को विलग करने के भले कितने कुचक्र-कलंक रचे जाएँ, भले कितनी *वामी-विदेशी* चालें चली जायँ, यह संभव होता नहीं दिखतो क्योंकि राम भारत की आत्मा हैं राम भारत के पर्याय हैं राम निर्विकल्प हैं, उनका कोई विकल्प नहींजिस प्रकार आत्मा को शरीर से और शरीर को आत्मा से कोई विलग नहीं कर सकता, उसी प्रकार राम को भारत से विलग नहीं किया जा सकतो राम के सुख में भारत के जन-जन का सुख आश्रय पाता है, उनके दुःख में भारत का कोटि-कोटि जन आँसुओं के सागर में डूबने लगता है और वे अश्रु-धार भी ऐसे परम-पुनीत हैं कि तन-मन को निर्मल बना जाते हैं। अश्रुओं की उस निर्मल-अविरल धारा में न कोई ईर्ष्या शेष रहती है, न कोई अहंकार, न कोई लोभ, न कोई मोह, न कोई अपना, न कोई परायो कैसा अद्भुत है यह चरित-काव्य, जिसे बार-बार सुनकर भी और सुनने की चाह बची रहती है और रसपान की प्यास बनी की बनी रह जाती है ! कैसा अद्भुत है यह नाम जिसके स्मरण मात्र से नयन-चकोर उस मुख-चंद्र की ओर टकटकी लगाए एकटक निहारते रह जाते हैं ! उस चरित्र को अभिनीत करने वाले, उस चरित्र को जीने वाले, लिखने वाले हमारी आत्यंतिक श्रद्धा के सर्वोच्च केंद्रबिंदु बन जाते हैं उसके सुख-दुःख, हार-जीत, मान-अपमान में हमें अपना सुख-दुःख, हार-जीत, मान-अपमान प्रतीत होने लगता है उसकी प्रसन्नता में सारा जग हँसता प्रतीत होता है और उसके विषाद में सारा जग रोतो टेलीविजन पर आज के प्रसारण में लव-कुश द्वारा रामायण का सस्वर गायन सुनकर आज मेरे चित्त की ऐसा दशा हुई कि वर्णन नहीं कर सकतो बस इतना कह सकता हूँ कि स्मरण नहीं, इससे पूर्व कब इन नयनों की कोरों से अश्रुओं की ऐसी धार उमगी-उमड़ी थी।

आज का राशिफल

मेष – आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको हर कार्य में सफलता मिलेगी। आपका आर्थिक संकट दूर होगा।

तुला – आज दिन लाभ से भरा होगा और आप बिना वजह काफी परेशान रहेंगे।

वृषभ – आपका मन शुभ कार्य में लगेगा। आपके घर में किसी शुर्भ कार्य का आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक – भाग्य साथ देगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें।

मिथुन – आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे।

धनु – आज दिन सफलता से भरा होगा। आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा।

कर्क – आज दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा और आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी।

मकर – शेयर बाजार से जुड़े हैं तो आपको लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे।

सिंह – चिंता फिक्र और परेशानी वाला रहेगा। आपको कारोबार में बिक्री न होने से चिंता परेशान करेगी।

कुंभ – दिन लाभ प्रदान करने वाला माना जा रहा है। की घनिष्टता से आपके कार्य सफल होंगे।

कन्या – आज दिन काफी बिजी रहेगा और आपको रोजाना से अधिक काम करना पड़ सकता है।

मीन – आज करियर में सफलता मिलने के योग हैं और आपके लिए उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे।

विशेष

भारतीय प्रशासनिक सेवा का निजीकरण

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है। वह लैटरल एंट्री के जरिए भारतीय प्रशासनिक सेवा का निजीकरण कर रहे हैं। वहीं संविधान और कार्यपालिका को अपने नियंत्रण में कर भारतीय संवैधानिक परंपराओं को नष्ट कर रहे हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात थी, मोदी जी के हनुमान चिराग पासवान ने भी इस मामले में मोदी जी का विरोध कर दिया। सरकार बचाना थी, इसलिए मोदी सरकार को लैटरल एंट्री का अपना आदेश वापस लेना पड़ा। ढाई महीने में यह मोदी सरकार की दूसरी सबसे बड़ी हार है। पहली हार वक्फ बोर्ड के बिल को जेपीसी के पास भेजना पड़ा। अब लैटरल नियुक्ति का आदेश वापस लेना पड़ा है।

राज्यपालों का कमाल चर्चा में

इन दिनों भारत में राज्यपालों के कारनामे चचाओं में बने हुए हैं। निर्वाचित सरकार के ऊपर राज्यपाल काबिज हैं। वह जो चाहते हैं, वही करते हैं। राज्यपाल खुद अपने आप में संविधान बन गए हैं। उनका ध्यान केवल एक ही काम मे रहता है। विपक्षी दलों की सरकारों को गिराना है। विपक्षी दलों के नेताओं को समय-समय पर परेशान करना है। राज्यपाल की नियुक्ति के लिए शायद यही शर्त महत्वपूर्ण है। हाल ही में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी। किसी ने उन्हें शिकायत की थी। शिकायत को सच मानते हुए बिना किसी जांच के मुकदमा चलाने का आदेश देना,सारे देश में चर्चा का विषय बन गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1320: नसीरुद्दन खुसरों को गाजी मलिक ने हराया था. 1642: इंग्लैंड में गृहयुद्ध भड़का था जब शासक चार्ल्स प्रथम ने संसद और सैनिकों को देशद्रोही करार दिया. 1788: ब्रिटेन ने सिएरालियोन में दासों के लिए बस्ती बसाई थी. 1910: जापान ने कोरिया पर विधिवत अधिकार कर लिया. 1911: लियोनारदों दी विंची की कलाकृति मोनालिसा पेरिस के संग्रहालय से चोरी चली गई. 1921 महात्मा गांधी ने विदेशी सामानों की होली जलाई. 1971 सैन डोमिगों के फ्रांसीसी कब्जे वाले क्षेत्र में अश्वेतों ने विद्रोह कर दिया. 1972: रोडेशिया को रंगभेदी नीति के कारण ओलंपिक खेलों से हटना पड़ा. 1979: राष्ट्रपति संजीव रेड्डी ने लोकसभा भंग कर नए चुनाव कराने का आदेश जारी किया. 1997: यूगोस्लाव अधिकारियों ने क्रोएशिया में युद्ध विराम के उल्लंघन और लड़ाई में 70 लोगों के मारे जाने की बात स्वीकार की.

दैनिक पंचांग

22 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

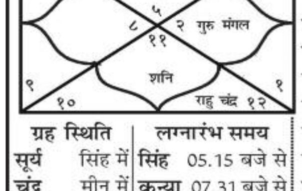

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.15 बजे से
चंद्र	मीन में	कन्या	07.31 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	09.42 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	11.57 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	14.13 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	16.18 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	18.04 बजे से
राहु	मीन में	मीन	19.37 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	21.08 बजे से
		वृष	22.48 बजे से
		मिथुन	00.46 बजे से
		कर्क	02.59 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2024 वर्ष का 235 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 13.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 22.06 बजे को समाप्त। **योग** धृति 13.10 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 13.47 बजे तदनन्तर बव 00.11 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 11° 41' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872079 **जूलियन दिन** 2460544.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 17 **विशेष** कजरी/सातवा तीज, बहुला, गणेश चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जानें कैसे करनी चाहिए आइलेट्स की तैयारी

आप अक्सर लोगों को आइलेट्स की तैयारी के बारे में बात करते देखते होंगे। हो सकता है कि आपके बच्चे भी आइलेट्स की तैयारी कर रहे हों। आइलेट्स की परीक्षा ऑस्ट्रेलिया, यूके, न्यूजीलैंड, यूएसए और कनाडा जैसे अंग्रेजी बोलने वाले देशों शिक्षा के लिए जरूरी होती है। भारत में रहने वाले ढेर सारे बच्चे हर साल इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। इस आर्टिकल में जानते हैं कि आइलेट्स की तैयारी कैसे करनी चाहिए। साथ ही किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

आइलेट्स का सिलेबस

आइलेट्स का सिलेबस आसान भी होता है और मुश्किल भी। परीक्षा को 4 भाग में विभाजित किया गया है जिसमें रीडिंग, स्पीकिंग, राइटिंग और लिस्टनिंग शामिल है। इन चारों मुख्य बिंदु के साथ-साथ आपको जर्नल नॉलेज पर भी अच्छी कमांड रखनी चाहिए।

सबसे पहले पेपर को समझें

आइलेट्स की परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के पास 2 घंटे 45 मिनट का समय होता है। इस दौरान रीडिंग, राइटिंग, स्पीकिंग और लिसनिंग जैसे चरण पार करने होते हैं। कोशिश करें कि आप इस फॉर्मेट को समझें और उसी के मुताबिक पेपर की तैयारी करने की कोशिश करें। समय सीमा को दिमाग में रखकर तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए आईलेट्स की परीक्षा कलियर करना थोड़ा आसान होता है।

रोजाना करें प्रैक्टिस

आइलेट्स समेत किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए जरूरी है कि आप रोजाना अभ्यास करें। लिखने, बोलने और सुनने से समझ आएगा कि आप कहां चुक रहे हैं। स्पीड को बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका भी रोजाना अभ्यास करना है।

ऑनलाइन फ्री क्लासेस का उठाएं फायदा

आज आपको ऑनलाइन फ्री क्लासेस के कई विकल्प मिल जाएंगे। यूटयूब समेत कई प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन फ्री क्लासेस दी जाती हैं जहां से आप घर बैठे-बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।

फ्री टेस्ट अटेम्प्ट करें

सिर्फ तैयारी करने से ही नहीं बल्कि अपनी तैयारी को देखने के लिए टेस्ट भी दें। टेस्ट देने से आपकी तैयारी किस दिशा में जा रही है और आपको कितने तैयारी की जरूरत है या साफ हो जाता है।

डीप लर्निंग के कई उभरते क्षेत्र में बन रहे हैं करियर के अवसर

करियर में इन लर्निंग से कम समय में बेहिसाब सफलता मिल सकती है। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। सबसे पहले, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसमें आपकी रुचि और प्रतिभा हो। अगर आप किसी क्षेत्र में रुचि नहीं रखते हैं, तो आपको सफल होने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आप इन आसान तरीकों से करियर में गोल सेट कर सकते हैं और लर्निंग हासिल कर सकते हैं।

कैरियर काउंसलर सौरभ नंदा के मुताबिक कृत्रिम मेधा ने मशीनी दुनिया को एक नई पहचान दी है। इसके नए-नए आविष्कारों से लोगों को न सिर्फ सहूलियत मिल रही हैं, बल्कि तकनीकी विकास से हाल के दौर में इससे जुड़े क्षेत्र युवाओं में भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। आज युवा मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग की बात कर रहे हैं। मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम मेधा का एक भाग है। वहीं डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग का एक भाग होने के साथ एक मल्टी न्यूरल नेटवर्क भी है, जो मस्तिष्क की संरचना और कार्य से प्रेरित होता है और उसे मशीन में उतारने की कोशिश करता है।

सुनियोजित तरीके से क्यों रखे कदम

डीप लर्निंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं साइंस स्ट्रीम से करने के बाद जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड जैसी प्रवेश परीक्षाएं देकर बीटेक और बी ई ग्रेजुएशन कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। स्नातक करने के बाद अगर आप इस क्षेत्र में अपने नॉलेज के लेवल को बढ़ाना चाहते हैं, तो पोस्ट ग्रेजुएशन में प्रवेश के लिए गेट परीक्षा देकर एमटेक और एम ई कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स के क्या हैं फायदे

डीप लर्निंग के क्षेत्र में अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिए आप ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पीजी में मशीन लर्निंग एंड बिग डाटा एनालिटिक्स, बिग डाटा आदि सब्जेक्ट में सर्टिफिकेट कोर्स कर के अपने करियर को शेप दे सकते हैं। ये सर्टिफिकेट कोर्स न केवल आपकी योग्यता को बढ़ाने में मदद करेंगे, बल्कि इस क्षेत्र में आपको प्रैक्टिकल स्किल्स भी दिलाएंगे।

इंटर्नशिप से ऐसे करें शुरुआत

अगर आप डीप लर्निंग के क्षेत्र में अभी शुरुआती पड़ाव पर हैं, तो ऐसी कंपनियों की तलाश करें, जहां आप बतौर इंटर्न के तौर पर न्यूरल नेटवर्क, डाटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में कार्य करके अपना अनुभव बढ़ा सकते हैं। इंटर्नशिप के साथ-साथ नेटवर्किंग में सक्रिय रहें, मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी बनाएं और काम के क्षेत्र में अपने स्किल्स और क्रिएटिविटी को भी समय-समय पर अपने मैनेजर के सामने प्रजेंट करें। उन कंपनियों को तलाशें जहां न्यूरल नेटवर्क और मशीन लर्निंग में इंटर्नशिप की जा सकती हो। इससे आप अपनी प्लानिंग को आसानी से इंप्लिमेंट कर पाएंगे।

क्या है जरूरी योग्यताएं

डीप लर्निंग इंजीनियर बनने के लिए आपके पास औपचारिक शैक्षिक योग्यताओं के अलावा इस क्षेत्र से संबंधित कौशल का होना भी अनिवार्य है। आपको क्लाउड कंप्यूटिंग का ज्ञान, एल्गोरिदम की समझ और पाइथन, जावा, जावा स्क्रिप्ट जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज का ज्ञान होना बेहद जरूरी है।

संभावनाएं व सैलरी

एक डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मौजूद हैं, जिनमें सेवाएं शामिल हैं। वहीं, कैरियर काउंसलर का मानना है कि सफल करियर बनाने के लिए अलग-अलग अनुभव लेना, उन्हें समझना और उन अनुभवों से अपने आपको सही रास्ता दिखाना बहुत जरूरी होता है।

- सॉफ्टवेयर और सूचना सेवाएं
- मैन्युफैक्चरिंग
- वित्त व बीमा
- हेल्थ केयर एंड सोशल असिस्टेंट
- व्यावसायिक
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी

सैलरी पैकेज की बात की जाए, तो एक जूनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपये और सीनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 80 हजार रुपये तक कमा सकता है।

मेडिकल टूरिज्म के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना हुआ है भारत

भारत मेडिकल टूरिज्म के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना हुआ है। हर साल मेडिकल टूरिस्ट की संख्या में वृद्धि हो रही है और इसकी वजह से इस क्षेत्र में जॉब के मौके भी खूब देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि दुनिया के दूसरे विकसित देशों के मुकाबले भारत में उपलब्ध सस्ते मेडिकल ट्रीटमेंट और एजुकेशन सर्विसेज के कारण यह मेडिकल टूरिज्म का ग्लोबल हब बन सकता है। 2027 तक हेल्थकेयर सेक्टर में करीब 40 मिलियन से ज्यादा जॉब जेनरेट होने का अनुमान है। साफ है कि मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं रहेगी।

क्या है मेडिकल टूरिज्म

छुट्टियों में लोग ऐसे स्थानों पर जाना चाहते हैं, जहां वे पर्यटन का लुत्फ तो उठा ही सकें, उनके शौक व स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो जाए। इस कारण से देश में ऐसे केंद्रों का विकास हो रहा है, जहां हीलिंग ट्रेडिशंस, आयुर्वेद, योग, मेडिटेशन, एरोमाथेरेपी, यूनानी व सिद्धा, होम्योपैथी, तिब्बती चिकित्सा, नेचुरोपैथी, एक्यूपंचर और एक्यूप्रेशर, जेम थेरेपी, रेकी हीलिंग, चक्र थेरेपी, बॉडी मसाज और ऑयल थेरेपीज की सुविधाएं उपलब्ध हैं। बड़ी ट्रैवल एजेंसियों में मेडिकल टूरिज्म का अलग विभाग होता है। मेडिकल टूरिज्म को मेडिकल ट्रैवल भी कहते हैं, जिसमें टूरिज्म इंडस्ट्री और मेडिकल केयर के सहयोग से विदेशी या देशी पर्यटकों को कम खर्च पर मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। ट्रीटमेंट के साथ-साथ सैलानियों को उस जगह या देश को एक्सप्लोर करने का मौका भी दिया जाता है। उन्हें अपने घर जैसा एहसास कराया जाता है। लोकेशन या ट्रीटमेंट प्रोसिजर के आधार पर मेडिकल वैकेशन में विदेशी सैलानियों की 10 से लेकर 50 प्रतिशत तक की बचत हो जाती है।

योग्यता

अगर आप मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो अगर आप इस फील्ड से रिलेटेड डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। कई इंस्टीट्यूट्स मेडिकल टूरिज्म में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एमबीए कोर्स संचालित करते हैं। कैंडिडेट को ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री के साथ लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री की भी जानकारी दी जाती है। रेगुलर के अलावा ऑनलाइन और डिस्टेंस एजुकेशन के जरिए भी मेडिकल टूरिज्म से संबंधित कोर्स किए जा सकते हैं।

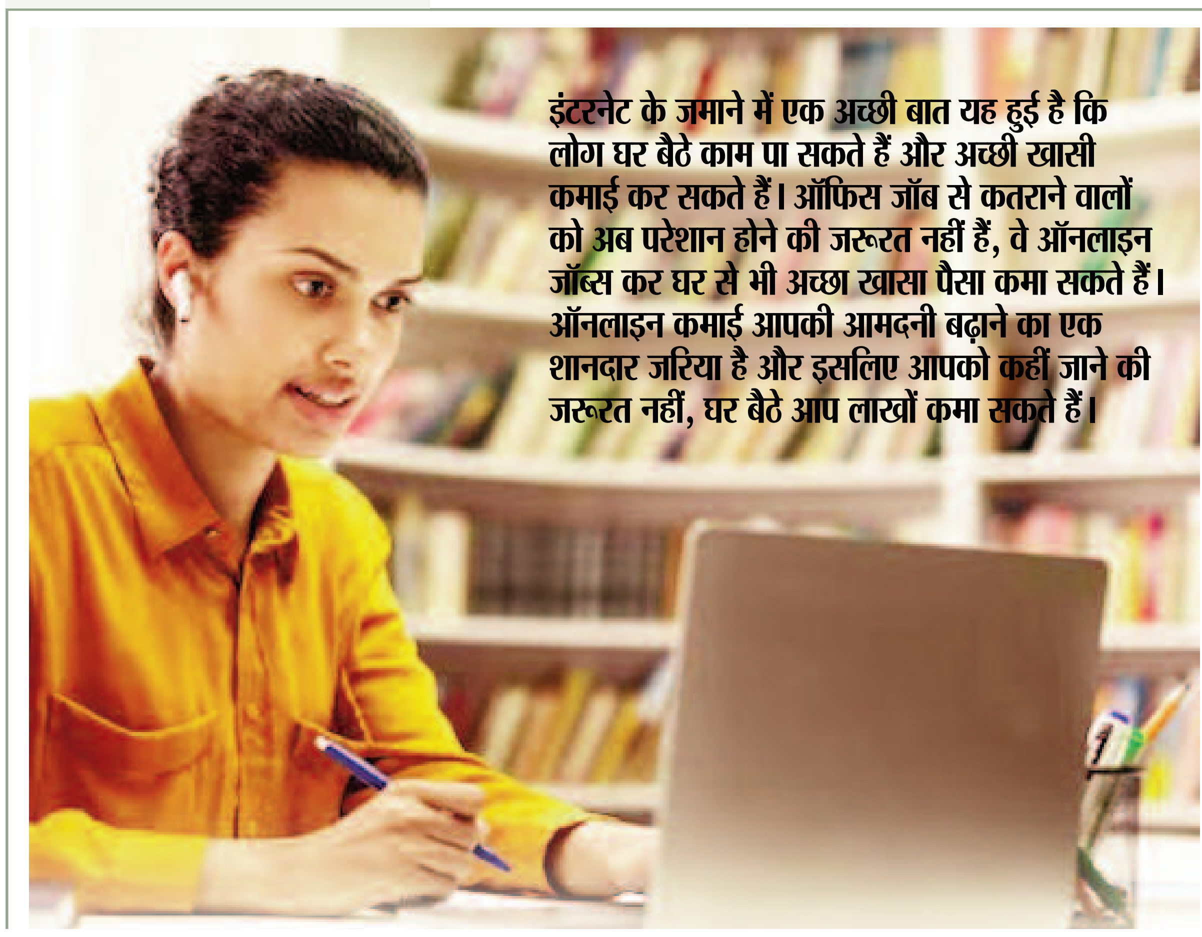

आपकी आमदनी बढ़ाने का एक शानदार जरिया है ऑनलाइन जॉब

ऑनलाइन सेलिंग

आप ऑनलाइन सेलिंग के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। ऐसे कई लोग हैं जो अपने प्रॉडक्ट को अमेजन, फ्लिपकार्ट, ईबे जैसी बड़ी शॉपिंग वेबसाइट्स पर बेचकर लाखों कमा रहे हैं। आपको सबसे पहले तय करना होगा कि कौन-सा प्रोडक्ट सेल करना चाहते हैं। इसके बाद इन साइट्स पर साइनअप करें और अपने प्रोडक्ट को बेचना शुरू कर दें। आपके ऑर्डर आपके मेल बॉक्स में आ जाएंगे और आपको इन्हें कुरियर कंपनी के माध्यम से डिलीवर करने होंगे।

यूट्यूब से कमाएं

अभी तक भले ही आपने यूट्यूब का इस्तेमाल केवल मनोरंजन के लिए किया है तो अब जरा इसका दूसरा पहलू देख लें। आप यूट्यूब के माध्यम से अच्छा खास पैसा भी कमा सकते हैं। इसके लिए आपको इसके लिए यू-ट्यूब पर एक चैनल बनाना होगा और फिर उस पर यूनिक वीडियो अपलोड करनी होंगी। इसके बाद गूगल एडसेंस का अप्रूवल लेकर अपने हर वीडियो से आप पैसे कमा सकते हैं। जितना अधिक आपकी वीडियो देखी जाएगी, उतना ही पैसा आप कमाएंगे।

माइक्रो जॉब्स

माइक्रो जॉब्स का सीधा सा मतलब छोटे-छोटे टास्क पूरा करने से है। छोटे-छोटे काम पूरा करने में आपको कुछ ही सेकंड्स लगेंगे लेकिन अच्छी कमाई भी होगी।

ब्लॉगिंग

यह एक शानदार जॉब है। अगर आपको लिखने का शौक है तो ब्लॉगर के तौर पर आप घर बैठे अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप एक पेड ब्लॉग भी बना सकते हैं। अगर आपका अपना ब्लॉग है तो आप अपने ब्लॉग पर कई प्रोडक्ट्स का प्रचार कर सकते हैं। कई कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स के प्रचार के लिए पैसा देती है।

संक्षिप्त समाचार

टेल्को और बिष्टुपुर में फायरिंग करनेवालों का नहीं मिला सुराग

जमशेदपुर, एजेंसी। टेल्को के जेम्को आजादबस्ती मिश्रा बगान के पास 16 अगस्त को रेलवे ठेकेदार महेश मिश्रा की स्कॉर्पियो पर तथा 17 अगस्त की शाम को बिष्टुपुर मारुति शोरूम में हुई फायरिंग की घटना का पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल पाया है। मामले में टेल्को थाना में नामजद आरोपी होने और फुटेज मिलने के बाद भी बदमाश का पता नहीं चल पाया है। अपराधी पकड़ से दूर हैं। वहीं बिष्टुपुर शोरूम में फायरिंग की घटना में पुलिस अंधेरे में तीर मार रही है। पुलिस को न तो फायरिंग का कारण पता चल पाया है और ना ही यह पता है कि किन युवकों ने घटना को अंजाम दिया है। फायरिंग के दूसरे दिन शोरूम के मैनेजर अमित द्वारा फायरिंग का मामला अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराया गया था। दोनों मामलों में अपराधियों को पकड़ने के लिए एसएसपी किशोर कौशल के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया है। डीएसपी सिटी सुधीर कुमार और डीएसपी भोला प्रसाद लीड कर रहे है।

वहीं, 16 अगस्त की देर शाम महेश मिश्रा की स्कॉर्पियो पर बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। घटना में महेश के दोस्त सूरज कुमार यादव की हथेली पर गोली लगी थी। महेश के बयान पर टेल्को थाना में अग्नि पाठक, राजू यादन, मोहम्मद परवेज और अन्य दो तीन के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इस मामले फुटेज के आधार पर पुलिस टीम शहर से बाहर बिहार में छापेमारी कर रही है। चार दिन बीतने के बाद भी बदमाशों के ठिकाने का पता नहीं चल पाया।

चतरो में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरुकता रैली

गिरडीह, एजेंसी। देवरी के चतरो स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) कैंप में पदस्थापित अधिकारियों व जवानों द्वारा मंगलवार को नशामुक्ति अभियान कार्यक्रम के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें जनार्दन सिंह उच्च विद्यालय चतरो के छात्र-छात्राओं के साथ चतरो बाजार एवं आसपास के लोगों को नशा पान नहीं करने की सलाह दी गई। एसएसबी के अधिकारियों व जवानों ने रैली के माध्यम से लोगों को नशा के दुष्प्रभाव से अवगत करवाकर नशीली पदार्थों से परहेज करने संबंधी जानकारी दी गई। मौके पर एसआई आनन्द सिंह, एएसआई सुजीत विश्वास, हेड कांस्टेबल के रविंद्र, आलोक कुमार, राकेश कुमार राय, गुड्डू कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

आदिवासी समुदाय के लोगों ने श्रमदान कर की सड़क की मरम्मत

गिरडीह, एजेंसी। बगोदर प्रखंड के जरमुन्ने पश्चिमी पंचायत अंतर्गत गैड़ाही गांव के आदिवासियों ने मंगलवार को श्रमदान कर गांव की सड़कों की मरम्मत की है। श्रमदान में 60 की संख्या में महिला- पुरुष जुटे हुए थे। जीटी रोड बीस माइल से गैड़ाही गांव जाने वाले नहर के रास्ते में मिट्टी डालकर सड़क की मरम्मत की गई है। वैसी जगहों पर सड़कों में मिट्टी डालकर मरम्मत की गई है जहां बारिश में जल जमाव हो जाता था और उसके बाद ग्रमीणों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मरम्मत के बाद फिलहाल सड़क पर अब जल जमाव होने की संभावना खत्म हो गई है। बता दें कि गैड़ाही गांव में सिर्फ आदिवासी परिवार के लोग रहते हैं। जीटी रोड से गांव जाने के लिए यूं तो तीन सड़कें हैं मगर तीनों कच्ची है। इससे बारिश के दिनों में ग्रामीणों को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए श्रमदान के तहत सड़क की मरम्मत की गई है। श्रमदान में मीना देवी, मंजू देवी, मुनिया कुमारी, पार्वती देवी, सीतामुनी देवी, झुमरी कुमारी, मुनिया कुमारी, बसंती देवी, अजय मरांडी, प्रभु मुर्मू, नरेश मुर्मू, राजू मुर्मू, रामजी मुर्मू, सुधीर मुर्मू, बाबूलाल मुर्मू, तुलसी हांसदा, संदीप मुर्मू, चरका मुर्मू, सहदेव मुर्मू सहित 60 की संख्या में मजदूर जुटे हुए थे।

गूंज संस्था के द्वारा की गई पहलः श्रमदान के तहत सड़क मरम्मत की पहल गूंज संस्था के द्वारा की गई। संस्था के सरयू प्रसाद इसका नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के साथ उन्होंने बैठक की थी और श्रमदान के तहत सड़क की मरम्मत किए जाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद ग्रामीणों के द्वारा सड़क की मरम्मत श्रमदान के तहत की गई।

श्रमदान के बदले मजदूरों को मिलेगा कीटः सड़क मरम्मत कार्य में श्रमदान करने वाले मजदूरों के बीच गूंज संस्था दिल्ली के द्वारा कीट दी जाएगी। कीट में बेडशीट, दरी, कंबल, साड़ी, गमछा, गंजी आदि सामान रहेगा। सरयू प्रसाद ने बताया कि मजदूरों को श्रमदान के लिए प्रेरित करने के लिए उनके बीच कीट का वितरण किया जाएगा।

चंपई सोरेन के तेवर पड़े नरम! बोले- पोस्ट से बताया अपना दर्द

बेटी से मिलने गया था दिल्ली

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड से अचानक दिल्ली पहुंचकर एक पोस्ट के जरिए राजनीतिक हलचल मचा देने वाले पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन तीन दिन बाद मंगलवार को दिल्ली से वापस लौट आए।

कोलकाता से सीधे सड़क मार्ग से जमशेदपुर आने के क्रम में वे बहरागोड़ा में कुछ देर रुके। जहां झामुमो कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। चंपई भी कार्यकर्ताओं से मिले।

इस दौरान दिल्ली जाने व भाजपा में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि दिल्ली का दौरा मेरा निजी दौरा था, हमने पोस्ट करके अपने दिल का दर्द बता दिया। जो भावना है उस पर हम कायम हैं। अभी वहीं तक आप लोग रहिए। बाकी आप लोग इंतजार कीजिए।

रास्ते में फोन पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं कहा कि मैं भाजपा में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रहा हूं। मैं दिल्ली अपनी बेटी से मिलने के लिए गया था।

मेरा पोता भी मेरे साथ था। वहां रक्षा बंधन में रुक गया था। मैंने किसी भी भाजपा के नेता से मुलाकात नहीं की। भाजपा में शामिल होने जैसी बात, ऐसा कौन कह रहे हैं, मुझे नहीं पता। मैं अपने निजी काम से दिल्ली गया था।

उन्होंने कहा कि झामुमो को खड़ा करने के लिए मैंने काफी मेहनत की है। अब आगे क्या करना है, यह अभी मैंने सोचा नहीं है। घर जाकर बैठकर आराम से सोचने के बाद ही किसी नतीजे पर विचार करूंगा।

उन्होंने कहा कि आगे मुझे राजनीति में क्या करना है। यह सोचकर अपना फैसला दूंगा। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के अचानक दिल्ली चले जाने के बाद पूरे झारखंड में चर्चाएं शुरू हो गई थीं। चर्चा थी कि मंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होने वाले हैं।

इसी चर्चा के कारण कांग्रेस, भाजपा और झामुमो के बीच बयानबाजी शुरू हो गई थी। तीनों पार्टी एक दूसरे को कोसने में लगी थीं। हालांकि, 15 अगस्त को बिरसा मुंडा स्टेडियम में एक बार भी अपने भाषण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम नहीं लेना।

अपने मुख्यमंत्री के कार्यकाल में किए गए कार्यों को जनता के बीच रखना, भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा मंत्री चंपई सोरेन की तारीफ करना आदि बातों ने सियासी अटकलों को हवा दे दी थी।

पूरे झारखंड में इस बात की चर्चा होने लगी थी कि मंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होने वाले हैं। जब वे दिल्ली चले गए तो इस चर्चा को और बल मिल गया था।

टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को हेमंत ने पार्टी पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। बताया जा रहा है कि चंपाई के चार करीबी झामुमो विधायकों ने हेमंत से मुलाकात की और भाजपा में जाने की अटकलों को खारिज कर दिया। ये चारों विधायक रामदास सोरेन (घाटशिला), संजीव सरदार (पोटका), मंगल कालिंदी (जुगसलाई) और समीर कुमार मोहंती (बहरागोड़ा) थे। चंपाई मंगलवार को रांची वापस लौट आए हैं और उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली यात्रा के दौरान उन्होंने किसी भी भाजपा नेता से संपर्क नहीं किया। अब सबकी नजर उनके अगले कदम पर है।

वहीं हेमंत के घर के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए रामदास ने कहा, (झामुमो के संरक्षक और हेमंत के पिता) शिबू सोरेन हमारे राजनीतिक गुरु हैं और झामुमो मेरा घर है। मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। हेमंत बाबू ने हमसे मुलाकात की और विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज करने का निर्देश दिया, क्योंकि अब बहुत कम समय बचा है। झामुमो पश्चिमी सिंहभूम अध्यक्ष रामदास ने इस बात से इनकार किया कि चंपाई ने हेमंत के खिलाफ बगावत करने को उनसे संपर्क किया। रामदास ने कहा, हम झामुमो में हैं और अगर चंपाई दा पार्टी में हैं, तो हम उनके साथ रहेंगे।

चंपाई सोरेन का आगे क्या होगा, इसके जवाब में रामदास सोरेन ने कहा कि ये वही बताएंगे। वह अपने विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों को लेकर सीएम आवास आए हुए थे। विधायक समीर मोहंती ने कहा कि वह झामुमो में हैं और झामुमो में ही रहेंगे। हेमंत सोरेन के हाथ को मजबूत करने का काम करेंगे। जो बातें उठीं हैं उस पर कभी कुछ नहीं कहा गया है। मोहंती ने कहा कि चंपाई सोरेन के बारे में हम क्या बोलेंगे। उनकी नाराजगी है तो वे ही बोलेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कौन बोल रहा है कि हमलोग भाजपा में जाएंगे हमलोगों ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि दल-बदल का हमारा कोई इरादा नहीं है।

कर्मियों को बंधक बना पंप के पार्ट्स लूटे, पिट वाटर ठप

रांची, एजेंसी। केशलपुर कोलियरी की बंद दो नंबर खदान परिसर में हुई घटना, कर्मियों ने दहशत कतरास के रामकनाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत केशलपुर कोलियरी की बंद दो नंबर भूमिगत खदान में शनिवार की देर रात अपराधियों ने चार कर्मियों को बंधक बनाकर पंप में लगे लाखों के पार्ट्स लूट लिये. घटना के बाद कॉलोनियों में पिटवाटर की सप्लाई ठप हो गयी है. इससे करीब दो हजार की आबादी प्रभावित है. बंधक बनाये गये कर्मी महेंद्र प्रसाद ने बताया कि देर रात 20-25 की संख्या में अपराधी हथियार लेकर खदान पहुंचे और सभी को बंधक बना लिया. केपलैंप व जेब में रखे रुपये अपराधियों ने छीन लिये. इसके बाद पंप के पार्ट्स-पुर्जे खोल कर ले गये. अपराधियों के जाने के बाद घटना की सूचना प्रबंधक को दी. इस संबंध में रामकनाली ओपी के प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने कहा कि घटना की मौखिक सूचना मिली है. लिखित शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जायेगी. इधर, एसीएम नागदेव यादव ने बताया कि घटना लगातार हो रही घटनाओं से कर्मियों में दहशत है. विदित हो कि शुक्रवार की रात भी कर्मियों को बंधक बनाकर अपराधियों ने 20 फीट केबल लूटा था. कोलियरी में लगातार हो रही लूटपाट की घटनाओं से कर्मियों में दहशत है. यूनियन नेताओं का कहना है कि प्रबंधन कोई पहल नहीं कर रहा है. विक्ट्री कोलियरी = केबल लुटेरों ने सीआइएसएफ व कर्मियों पर किया पथराव, एक जवान का सिर फटा बीसीसीएल की विक्ट्री कोलियरी में रविवार तड़के केबल लुटेरों ने पांच लाख का केबल लूट कर भागने का प्रयास किया. इस दौरान सीआइएसएफ जवानों व कर्मियों ने अपराधियों को रोका, तो अपराधियों ने सीआइएसएफ व कर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया. इससे वहां भगदड़ मच गयी. पथराव से सीआइएसएफ जवान संजीव सिंह का सिर फट गया. उसे इलाज के लिए केंद्रीय अस्पताल धनबाद मे भर्ती कराया गया है. सूचना पाकर सीआइएसएफ के कई जवान पहुंचे. यह देख अपराधी केबल छोड़ कर भाग गये. शनिवार की रात चानक पर सीआइएसएफ व कर्मियों की ड्यूटी थी. भोर में जवानों की ड्यूटी बदली, उसी दौरान केबल लुटेरों का दल पहुंचा और केबल लूट कर भागने लगे. इस संबंध में पीओ अजय कुमार का कहना है कि सीआइएसएफ द्वारा प्रबंधन को सूचना नहीं दी गयी है।

पश्चिमी सिंहभूम में धारदार हथियार से युवक की हत्या कर सड़क के बीचों बीच फेंका, जांच में जुटी पुलिस

चक्रधरपुर , एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के टोकलो थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक युवक की धारदार हत्या से कर दी गयी है. घटना पैदमपुर गांव की है. उसका शव सड़क के बीचों बीच बरामद हुआ है. मृतक की पहचान जिलिंगबुरु टोला गांव निवासी 22 वर्षीय माली बोयपाई के रूप में हुई है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

हत्या के कारणों का पता नहीं: जानकारी के अनुसार मृत युवक का शव ग्रामीणों ने सड़क पर देखा. जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस और उसके को दी गयी. सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृत युवक के बारे में जानकारी ली गयी. खबर लिखे जाने तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है.

परिजनों ने शव को देखकर जतायी हत्या की आशंका: मृत युवक के परिजनों ने शव देखकर हत्या की आशंका जतायी है. जबकि एएसपी पारस राणा ने बताया कि शव देखने पर पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि कोई चार पहिया वाहन ने युवक को रौंद दिया है. क्योंकि शरीर के कई हिस्सों में कटने का निशान है. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि कहीं युवक का किसी साथ कोई विवाद तो नहीं था. हालांकि इस संबंध में अब तक कोई भी पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है।

धनबाद रेल मंडल 21 जगहों पर बनेगा गति शक्ति मल्टी मॉडल टर्मिनल

धनबाद , एजेंसी। परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए धनाबद रेल मंडल में 21 जगहों पर गति शक्ति मल्टी मॉडल टर्मिनल बनाया जायेगा. टर्मिनल पर व्यवसायी व ट्रांसपोर्टर अपने सामान रख पायेंगे. इसके लिए रेलवे को इससे रेलवे का राजस्व बढ़ेगा. यह काम रेलवे निजी हाथों में देगी. इसके लिए ट्रांसपोर्टरों, विकासशील फॉर्मो सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम समेत अभिरुचि रखने वालों से आवेदन मांगा है. टर्मिनल को आधुनिक परिवहन और हैंडलिंग सुविधाओं के साथ विकसित किया जाना है। रिचुघुटा, दनिया, पाथरडीह, चरही, बेस, चैनपुर, चेतर, टोरी, मेलारग्राम, बरकाकाना, पतरातू, बीराटोली आदि जगहों पर गति शक्ति मल्टी मॉडल टर्मिनल बनाया जायेगा. नियमानुसार अभी पार्सल या मालगाड़ी से सामान आने पर उसे रखने के लिए समय निर्धारित है. निर्धारित समय के बाद रेलवे अलग से चार्ज वसूलता है. लेकिन टर्मिनल को विकसित करने पर उसे रेलवे को निर्धारित शुल्क देकर वहां अपने सामानों को अपने आवश्यकता के अनुसार रख पायेंगे।

चंपई दा विभीषण तो रावण कौन है बन्ना गुप्ता के बयान पर भड़के सुदेश, कहा- राम भक्त हैं, ढ्हा देंगे लंका

पटमदा, एजेंसी। झारखंड सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को विभीषण कहे जाने पर आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने तंज कसा है। सुदेश महतो ने कहा अगर चंपई दा विभीषण हैं तो राज्य में रावण कौन है, बन्ना गुप्ता को बताना चाहिए। वैसे जनता सब जानती है।

सुदेश महतो मंगलवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा प्रखंड के कटीन में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान, उन्होंने कहा कि झामुमो के चरित्र में विकास नहीं है। झामुमो ने सिर्फ एक परिवार का विकास किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम लिए बिना सुदेश महतो ने कि हम राम के भक्त हैं। लंका को ढहा देंगे। हमारी सोच पढ़ाई, दवाई, कमाई और न्याय हैं।

आजसू प्रमुख ने कहा कि अबुआ आवास योजना के नाम पर हेमंत सरकार ने राज्य के लोगों को ठगने का काम किया है। तीन लाख बोलकर दो लाख दिया जा रहा है। राज्य में 29 लाख अबूआ आवास आवेदन जमा हुआ।

उन्होंने अबुआ आवास योजना में धांधली किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि अबुआ आवास बबुआ लोग बना रहे, जो दस हजार देगा उसे मिलेगा आवास। तीन माह से लोगों को पेंशन और राशन तक नहीं मिला है। इस मौके पर झामुमो सहित विभिन्न संगठनों से हजारों की संख्या में लोगों ने आजसू का दामन थामा। विशिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा कि वर्तमान सरकार में प्रशासन निरंकुश है।

जमशेदपुर में उड़ान भरने के महज 15 मिनट बाद लापता हुआ एयरक्राफ्ट, चांडिल डैम में गिरने की आशंका

संवाद सूत्र, चांडिल (जमशेदपुर), एजेंसी। जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से उड़ान भरने के 15 मिनट बाद एक एयरक्राफ्ट लापता हो गया। लापता एयरक्राफ्ट के चांडिल डैम में गिरने आशंका जताई जा रही है। स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ टीम विमान को खोजने में जुटी हुई हैं।

प्रत्यक्षदर्शी तपन मांझी ने बताया कि वह और अपने दोस्त रुसु मांझी डैम में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान, डैम के ऊपर एक विमान उड़ान भरते दिखा। लेकिन, थोड़ी ही देर में देखा कि विमान अपना नियंत्रण खो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शी तपन मांझी ने बताया कि विमान तो पहले डैम के करीब आया, इसके बाद उसने फिर से एक ऊंची उड़ान भरी। लेकिन, कुछ ही देर में वह फिर वापस नीचे की ओर आने लगा। तेजी से नजदीक आता विमान सीधे डैम के पानी में गिर गया।

तपन ने बताया कि जैसे विमान पानी में गिरा, डैम के पानी का फव्वारा बनकर करीब 30 से 40 फीट तक ऊपर उठा। विमान गिरने की लोकेशन कोयलागढ़ प्रतापपुर शिव मंदिर के आसपास बताई जा रही है। विमान को क्रैश होने के बाद दोनों युवक विमान गिरे स्थान के आसपास गए, लेकिन विमान गिरने का कोई सुराग नहीं मिला। डैम से बाहर निकलकर दोनों युवक इसकी सूचना गांव वाले को दी, लेकिन गांववालों ने दोनों की बात पर विश्वास नहीं किया। इस बीच देर शाम एयरक्राफ्ट का अता-पता नहीं चलने के बाद प्रशासन हरकत में आया। एसडीओ शुभ्रारानी,डीएसपी सुनील कुमार राजवार चांडिल थाना प्रभारी वरूण यादव चांडिल डैम पहुंचे।

एनडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। खोजबीन शुरू की गई। 10 बजे के करीब एनडीआरएफ की टीम दो जेट से चांडिल डैम के अंदर गई। काफी खोजबीन की गई, लेकिन अबतक कुछ भी पता नहीं चल सका है। मंगलवार देर रात तक डैम और आसपास के क्षेत्रों में इसकी तलाश जारी रही।

सूत्रों के अनुसार, बुधवार सुबह कोयलागढ़ क्षेत्र के पास डैम में विमान के गिरने की लोकेशन मिली। सुबह एनडीआरएफ की टीम चांडिल डैम पहुंची।

स्थानीय पुलिस प्रशासन की टीम चांडिल डैम और आसपास के क्षेत्रों में मौजूद है। मंगलवार को यहां विभिन्न गांव से लोगों द्वारा विमान को गिरते देखने की जानकारी दी गई थी। पानी में एक पायलट का जूता मिलने की भी बात कही जा रही है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है।

जलजमाव के खिलाफ विधायक राज सिन्हा का जलसत्याग्रह

धनबाद, एजेंसी। शहर की धैया मंडल बस्ती में जलजमाव के खिलाफ विधायक राज सिन्हा मंगलवार को जलसत्याग्रह पर बैठे. लगभग तीन घंटे तक पानी में बैठे रहे. नगर निगम की ओर से जल निकासी की व्यवस्था करने के बाद विधायक ने आंदोलन समाप्त किया. मंगलवार को विधायक सुबह नौ बजे के करीब धैया मंडल बस्ती के मुख्य जलजमाव वाले क्षेत्र में पहुंचे. यहां पानी के बीच ही वह बैठ गये. उनके साथ कई समर्थक एवं आस-पास के नागरिक भी बैठे. विधायक के जलसत्याग्रह पर बैठते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची. आस-पास सफाई शुरू करायी. पानी निकालने की कोशिश शुरू हुई. नगर आयुक्त रविराज शर्मा भी पहुंचे. दो-तीन घंटे में वहां जमा पानी को अस्थायी रूप से हटाया गया. इसके बाद नगर आयुक्त के आग्रह पर विधायक ने जलसत्याग्रह समाप्त करने की घोषणा की. विधायक ने मांग की कि जब तक स्थायी समाधान नहीं हो जाता है, तब तक पुराना रास्ता जो मणींद्र नाथ मंडल द्वार से दुर्गा मंदिर होते हुए धैया स्थित रानी बांध के पास आइएसएम गेट से होते हुए निकलता है, उसे वैकल्पिक रास्ते के तौर पर स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए खोला जाये. इस पर नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया कि उपायुक्त के साथ बैठक में आइएसएम के डायरेक्टर से वार्ता कर इस वैकल्पिक रास्ते को चालू करेंगे. विधायक ने कहा कि 13 फीट गड्ढा कर सिंफर के पास मिलायी जाने वाली नाली की योजना को धरातल पर उतारें या बड़े शहरों की तर्ज पर सड़क के नीचे बड़े-बड़े अंडरग्राउंड सिवरेज बनायें, जिसके ऊपर से सड़क भी होती है. ऐसी योजनाओं के लिए कंसल्टेंट बुलाकर समस्या का समाधान करने का प्रयास करें. नगर आयुक्त ने सभी बिंदुओं पर सकारात्मक आश्वासन दिया.

एक सप्ताह बाद स्थिति की समीक्षा करेंगे : विधायक राज सिन्हा ने बताया कि यहां पिछले दो साल से बरसात के दिनों में जल जमाव की समस्या से स्थानीय लोग परेशान हैं. बावजूद इसके अधिकारी सजग नहीं हैं. सप्ताह भर बाद पुनः उपायुक्त के साथ बात कर कार्य की प्रगति पर चर्चा करेंगे. अगर जल्द ही इसका स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो पुनः आंदोलन करेंगे. मुख्य सड़क पर धरना देंगे. मौके पर भाजपा बरटांड़ मंडल के अध्यक्ष किशोर मंडल, राजकुमार मंडल, जगबंधु मंडल, पूर्व पार्षद प्रफुल मंडल, देवेन मंडल, रंजन हलदार, संपा हलदार, मनोज सिंह, मुकुर सुराल, भोला हलदार, नारायण हलदार, तरुण सरकार सहित कई सदस्य मौजूद थे. आंदोलन में भाजपा के भी कई नेता-कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजपा रानीबांध के पास विधायक राज सिन्हा के जल सत्याग्रह पर भाजपा के ही कुछ नेताओं ने सोशल मीडिया पर ट्रोल किया. तरह-तरह के पोस्ट डाले. विधायक के समर्थन में भी समर्थकों ने मोर्चाबंदी शुरू कर दी है. भाजयुमो महानगर के जिला उपाध्यक्ष जयंत सिंह चौधरी ने लिखा है कि 10 साल की अपार सफलता के बाद भी, आज आपको अपने पापों के लिए नाली में डुबकी लगाकर अपना पाप धोना पड़ रहा है. इस पर कई भाजपा नेताओं ने तरह-तरह के कमेंट्स किये हैं. किसी ने लिखा है कि यह पाप बक्सर जा कर धुलेगा. एक ने लिखा है कि जैसा कर्म करोगे वैसा फल मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

टाटा टी अग्नि के नए कैम्पेन में गृहिणियों के निस्वार्थ जोश का सम्मान

मुंबई, एजेंसी। टाटा टी के विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो का एक प्रमुख ब्रांड, टाटा टी अग्नि ने एक नया कैम्पेन शुरू किया है। बिना थके, पूरे निस्वार्थ भाव और अटूट जोश के साथ हर दिन काम करने वाली गृहिणियों का सम्मान टाटा टी अग्नि ने इस नए कैम्पेन में किया है। जोश जगाए हर रोज – टाटा टी अग्नि ब्रांड की इस पहचान को घर–घर की गृहिणियों की ऊर्जा के साथ जोड़कर हर गृहिणी की निष्ठा को अभिवादन किया गया है। पूरे परिवार के सपनों को सच बनाने के लिए दिन भर काम करने वाली गृहिणियों में हर दिन जोश जगाने का काम करके टाटा टी अग्नि उनकी सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसे इस कैम्पेन में उजागर किया गया है।
जुनून के कई रूप होते हैं, हर व्यक्ति के जुनून के पीछे उसकी अनूठी भावना होती है। बाधाओं और रूढ़ियों को तोड़कर साहस से आगे बढ़ रही खिलाड़ी की दहाड़ हो या शांत रहकर,

दृढ़तापूर्वक काम करने वाली एक गृहिणी हो, उनका जोश ही उन्हें आगे लेकर जाता है। टाटा टी अग्नि के नए टीवीसी की नायिका है हर घर की गृहिणियां, जिनमें असीम जुनून और अटूट भाव भरा है। वह हर दिन भोर होने से पहले जगती है, बेजोड़ ऊर्जा से भरपूर होती है। उनका यह समर्पण और जुनून अविश्वसनीय है, यह दर्शाते हुए टीवीसी में कहा गया है – इतना जोश कहाँ से लाती हो तभी तो तुम अग्नि कहलाती हो। यह टीवीसी हर गृहिणी की कहानी को साकार करता है, जो परिवार की रीढ़ है, जो हर दिन अपनी ऊर्जा को बरकरार रखती है। प्रसिद्ध कलाकार और प्रभावशाली वक्ता आशुतोष राणा की आवाज ने टीवीसी के प्रभाव को और भी बढ़ा दिया है।
यह टीवीसी टाटा टी अग्नि की विशेषताओं को बखूबी दर्शाता है, ऐसा ब्रांड जो 10 प्रतिशत अतिरिक्त लंबी पत्तियों वाली जोश वाली चाय के लिए मशहूर है, और अपने उपभोक्ताओं की ऊर्जा और दृढ़ संकल्प को बढ़ाता है।

मंगलम वर्ल्डवाइड का वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही में शुद्ध लाभ 143 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। एक पूर्ण समन्वित स्टेनलेस स्टील कंपनी, मंगलम वर्ल्ड वाइड लिमिटेड (एमडब्ल्यूएल) ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की रिपोर्ट दी है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए मंगलम वर्ल्डवाइड लिमिटेड के चेयरमैन, श्री विपिन प्रकाश मंगल ने कहा, मैं सहर्ष यह रिपोर्ट देता हूं कि वर्ष की शेष अवधि के लिए मजबूत आधारशिला स्थापित करते हुए वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही में हमारा वित्तीय प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। हम हमारी उत्पादन क्षमताएं बढ़ाने और मार्केट पहुंच का विस्तार करने पर व्यूहात्मक फोकस के साथ बदलाव के चरण में प्रवेश कर रहे है।
हमारा मुख्य फोकस स्टेनलेस स्टील, फ्लैट बार्स और राउंड बार्स के उत्पादन पर होगा। आगामी वर्षों में हम हमारे तैयार गुड्स की क्षमता 60 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत करने के लिए हमारे पूंजी खर्च में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि करेंगे। इस विस्तार से हमारी उत्पादन क्षमताएं बढ़ेगी और ग्रोथ एवं इनोवेशन के लिए अनेक सुअवसरों का द्वार खुलेगा। हम भारत के दक्षिण हिस्से में हमारा भौगोलिक विस्तार कर रहे हैं, जिससे हमें हमारे ग्राहकों की बेहतर सेवा करने और नए बाजारों में प्रवेश करने की अनुमति मिलेगी। स्टील प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग एवं ट्रेडिंग में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है।

रिलायंस फाउंडेशन की प्रमुख नीता अंबानी को इस साल मिलेगा ज्यादा डिविडेंड

नीता अंबानी की डिविडेंड इनकम में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने वाली है

मुकेश अंबानी की पत्नी के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के 80,52,021 इक्विटी शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी को इस साल ज्यादा डिविडेंड मिलेगा। नीता अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रमोटर भी हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में नीता अंबानी की डिविडेंड इनकम में अच्छी बढ़ोतरी होने वाली है। रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे बड़ी कंपनी है। हर साल अपने शेयरधारकों को वह डिविडेंड देती है। वित्त वर्ष 2024 के लिए कंपनी ने अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज के सभी पात्र शेयरधारकों को दिया जाएगा। नीता अंबानी एशिया के सबसे दौलतमंद व्यक्ति और रिलायंस के मुखिया मुकेश अंबानी की पत्नी हैं।
इस साल मई में कंपनी ने शेयरधारकों को 100 फीसदी डिविडेंड देने का ऐलान किया था। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा था, 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के हिसाब से 10 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड की सिफारिश की गई है।

नीता अंबानी और हो जाएंगी अमीर- कंपनी के बोर्ड ने 100 फीसदी भुगतान के लिए पात्रता तय करने की रिकॉर्ड डेट 19 अगस्त, सोमवार तय की है। इस 100 फीसदी भुगतान से नीता अंबानी और भी अमीर बन जाएंगी। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए उनकी डिविडेंड आय बढ़कर 80 लाख रुपये हो जाएगी, जो वित्त वर्ष 2022-23 में उनकी कमाई से ज्यादा है।

नीता के पास आरआईएल के कितने शेयर- आरआईएल के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के आंकड़ों के अनुसार, नीता के पास कंपनी के 80,52,021 इक्विटी शेयर हैं। इसका मतलब है कि उन्हें डिविडेंड आय के रूप में 8 करोड़ रुपये मिलेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2022-23 में प्रति शेयर 9 रुपये के डिविडेंड की घोषणा की थी। इसका मतलब है कि उन्हें उस वित्तीय वर्ष में डिविडेंड आय के रूप में 7.2 करोड़ रुपये मिले थे।
बीएसई पर रिलायंस के शेयर बुधवार को 2986.25 रुपये पर खुले। 2993.35 रुपये पर बंद होने से पहले इन्होंने 3007.65 रुपये के इंट्राडे हाई को छू लिया। भारत की सबसे बड़ी कंपनी का मार्केट कैप 20,25,245.24 करोड़ रुपये है।

विनेश फोगाट से जुड़ने को तैयार कई कंपनियां

नई दिल्ली- महज सौ ग्राम ज्यादा वजन के कारण पेरिस ओलिंपिक 2024 से बाहर हुईं पहलवान विनेश फोगाट इस समय काफी सुर्खियों में हैं। ज्यादा वजन के कारण वह पदक से चूक गई थीं। बावजूद इसके, उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है बल्कि वह और बढ़ गई है। इसका असर है कि कई कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ने के लिए लाइन में लगी हैं। कंपनियां सिर्फ विनेश फोगाट के साथ ही नहीं, ओलिंपिक में पदक जीतने वाले दूसरे खिलाड़ियों को भी अपने साथ लेने को बेताब हैं। इसके लिए वह इन खिलाड़ियों को काफी रकम ऑफर कर रही हैं। कई खिलाड़ी पहले से ही कुछ ब्रांड के साथ जुड़े हुए हैं। हमारे सहयोगी इकॉनमिक टाइम्स में प्रकाशित खबर के अनुसार इस मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक विनेश फोगाट को साइन करने के लिए कम से कम 15 ब्रांड कतार में हैं। भारतीय पहलवान और हाल ही में पेरिस ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाले अन्य भारतीय एथलीटों को पैकेज्ड फूड, स्वास्थ्य, पोषण, ज्वैलरी, बैंकिंग और एजुकेशन जैसी कैटेगिरी में ब्रांड का चेहरा बनाने की होड़ मची हुई है। अधिकारी के मुताबिक फोगाट की एंडोर्समेंट फीस खेलों से पहले प्रति डील 25 लाख रुपये थी जो अब बढ़कर 75 लाख से 1 करोड़ रुपये हो गई है। यह डील प्रति वर्ष की है। फोगाट अभी कई ब्रांड से जुड़ी हुई हैं। इनमें नाइक जैसे इंटरनेशनल ब्रांड भी शामिल हैं। वह सोशल मीडिया पर प्रचार करके भी अच्छी कमाई करती हैं। जानकारी के मुताबिक फोगाट इंस्टाग्राम पोस्ट या रील के 2 से 3 लाख रुपये लेती हैं। मार्केट की जानकारी रखने वालों को कहना है कि अब इनकी यह कीमत बढ़कर 10 से 15 लाख रुपये प्रति पोस्ट हो सकती है। इसका कारण है कि इनके इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या एक मिलियन (10 लाख) से ज्यादा हो गई है। वहीं 5 अगस्त को यह संख्या करीब 2.88 लाख थी। वहीं दूसरे प्लेटफॉर्म पर भी इनके फॉलोअर्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। पहलवान का प्रतिनिधित्व करने वाले बेसलाइन वेंचर्स के को-फाउंडर तुहिन मिश्रा ने कहा कि कई कंपनियां हमसे संपर्क कर रही हैं। पदक न जीतने के बावजूद ओलिंपिक की शुरुआत से पहले नाइकी स्पोर्ट्सवियर और कंट्री डिलाइट डेयरी का विज्ञापन करने वाली फोगाट, भाला फेंक में सिल्वर मेडल विजेता नीरज चोपड़ा और दो मेडल जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर के साथ कई कंपनियां जुड़ने में दिलचस्पी दिखा रही हैं।

भारतीय कंपनियां अगले एक-दो साल में बढ़ाने वाली हैं पूंजीगत खर्च : मूडीज

सालाना 45 से 50 अरब डॉलर का करेंगी निवेश, रलायंस होगी सबसे आगे

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंड्स्ट्रीज की हिस्सेदारी खर्च में होगी 30 फीसदी

नई दिल्ली, एजेंसी। साख निर्धारण से जुड़ी मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को कई बड़ी बातें कही हैं। उसने कहा कि भारतीय कंपनियां क्षमता बढ़ाने को अगले एक-दो साल में पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) के तहत सालाना 45 से 50 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की इस खर्च में हिस्सेदारी 30 फीसदी होगी। मूडीज ने भारत और इंडोनेशिया में सक्रिय कंपनियों के ऊपर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा कि उत्पादन श्रृंखला एकीकरण को बढ़ाने और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए निवेश किया जाएगा।
रिपोर्ट के मुताबिक, 'अगले एक से दो साल में रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों का सालाना पूंजीगत व्यय लगभग 45 से 50 अरब डॉलर तक रहेगा। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी अकेले 30 फीसदी होगी। कंपनी ने विभिन्न कारोबार में निवेश को लेकर लगभग 15 अरब डॉलर का निर्धारण किया हुआ है।' इसके मुताबिक, तेल-गैस क्षेत्र और रिलायंस इंडस्ट्रीज मिलकर एक-दो साल में सामूहिक रूप से भारतीय कंपनियों के कुल व्यय का 60 फीसदी से अधिक खर्च करेंगी।

कहां पर किया जाएगा खर्च

मूडीज ने कहा कि भारत में रेटिंग वाली सात तेल और गैस कंपनियों की निवेश में हिस्सेदारी कुल निवेश का लगभग 30 फीसदी होगी। ये कंपनियां मौजूदा क्षमता का विस्तार करने और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के लिए सालाना लगभग 15 अरब डॉलर खर्च करेंगी। मूडीज रेटिंग्स ने उदाहरण देते हुए कहा कि ओएनजीसी (बीएए-3 स्थिर) और इंडियन ऑयल अगले दो साल में ईंधन उत्पादन, वितरण गतिविधियों यानी आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण और ऊर्जा बदलाव पर छह अरब डॉलर और चार अरब डॉलर खर्च करेंगी।

भारत की ग्रोथ दूसरों से रहेगी ज्यादा

मूडीज ने कहा कि भारतीय और इंडोनेशियाई कंपनियों के लिए कर्ज गुणवत्ता बेहतर रहेगी। चीन को छोड़कर भारत और इंडोनेशिया एशिया की दो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में दोनों जी-20 देशों में रेटिंग वाली कंपनियों की संख्या और रेटिंग वाले कर्ज की मात्रा सबसे अधिक है। मूडीज ने कहा कि अगले दो साल में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) ग्रोथ रेट छह फीसदी से अधिक रहने का अनुमान है। भारत की आर्थिक बढ़ोतरी को गति देने में घरेलू मांग की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। मूडीज रेटिंग्स को उम्मीद है कि अगले एक-दो साल में रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों की कमाई पांच फीसदी बढ़ेगी। मेटल, खनन और इस्पात, दूरसंचार तथा वाहन कंपनियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक वृद्धि से कंपनियों को लाभ होगा।

दिल्ली में 11.5 लाख रुपये में फ्लैट खरीदने का मौका, डीडीए कर रहा है बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्लीवालों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली विकास प्राधिकरण सस्ते घरों का तोहफा लाया है। डीडीए ने अपने बिना बिके घरों को बेचने और दिल्ली में सस्ते घरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तीन योजनाओं के तहत करीब 40,000 फ्लैट निकाले हैं। डीडीए इन घरों को सस्ती कीमतों पर बेच रहा है, खासकर एलआइजी और एमआइजी कैटेगरी में। इनमें से कई फ्लैट दिल्ली के प्रमुख इलाकों में हैं, जहां दिल्ली मेट्रो जैसी आधुनिक परिवहन व्यवस्था मौजूद है। 34,000 फ्लैट पहले आओ पहले पाओ के आधार पर
पहली योजना डीडीए सस्ता घर आवास योजना, 2024 के तहत लगभग 34,000 फ्लैट पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिए जा रहे हैं।

इन फ्लैट्स की शुरुआती कीमत 11.5 लाख रुपये है। ये उत्तरी पश्चिमी दिल्ली के रामगढ़ कॉलोनी, सीरसपुर, रोहिणी, नरेला और लोकनायकपुरम में स्थित हैं। ये फ्लैट कम आय वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए हैं। इन्हें रियायती दरों पर दिया जा रहा है। दूसरी योजना डीडीए सामान्य आवास योजना 2024 के तहत 5,400 फ्लैट पेश किए जा रहे हैं। ये फ्लैट उच्च आय वर्ग मध्यम आय वर्ग) और एलआइजी वर्गों में विभाजित हैं। जसोला, नरेला और लोकनायकपुरम जैसे प्रमुख इलाकों में स्थित इन फ्लैट्स की शुरुआती कीमत 29 लाख रुपये है। घरों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से राहत देने के लिए इन फ्लैट्स की कीमत 2023 की दरों पर रखी गई है।

इसरो की नौकरी छोड़ साइंटिस्ट बन गया बिजनेसमैन, अब सालाना 2 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के छोटे से कस्बे से आने वाले उथया कुमार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में साइंटिस्ट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपना करियर छोड़कर एक सफल उद्यमी बनने का साहसिक फैसला लिया। दोस्तों के सहयोग से उन्होंने 2017 में अपने माता-पिता सुकुमारन और तुलसी को श्रद्धांजलि के रूप में एस टी कैब्स की शुरुआत की। उनकी 37 कारों की कंपनी हर साल 2 करोड़ रुपये की कमाई कर रही है। उथया टैक्सी ड्राइवरों को पार्टनर मानते हैं और उन्हें कमाई का 30 प्रतिशत हिस्सा देते हैं। आइए, यहां उथया कुमार की कारोबारी सफलता के बारे में जानते हैं।

7 साल इसरो में किया काम- स्टैटिस्टिक्स में एम.फिल और पीएचडी पूरी करने के बाद उथया को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में अपनी पसंद की नौकरी मिल गई। इसरो में उनकी भूमिका उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए उपयोग किए जाने वाले तरल ईंधन के सटीक घनत्व को सुनिश्चित करने पर केंद्रित थी। उनकी जिम्मेदारी तरल ईंधन में बुलबुले को उपस्थिति को कम करना था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनका घनत्व आवश्यक मानकों के भीतर रहे। इस प्रकार उपग्रह प्रक्षेपण के दौरान संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। कुमार ने लगभग 7 साल तक इसरो वैज्ञानिक के रूप में काम किया। बाद में एक इंजीनियरिंग कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर बन गए।

2017 में की एस टी कैब्स शुरुआत

भारत के सबसे प्रतिष्ठित संगठनों में से एक में काम करने का अवसर मिलने के बावजूद उथया कुमार ने अपने अपने सपने के रूप में उद्यमिता को चुना। उथया कुमार ने अपने माता-पिता सुकुमारन और तुलसी को श्रद्धांजलि के रूप में 2017 में एस टी कैब्स की शुरुआत की। जो बात वाकई काबिले तारीफ है, वह यह है कि 37 कारों के उनके स्टार्टअप से हर साल 2 करोड़ रुपये की शानदार कमाई हो रही है।
टैक्सी ड्राइवरों को मानते हैं पार्टनर - जो बात और भी प्रेरणादायक है वह है टैक्सी ड्राइवरों के प्रति उथया का दृष्टिकोण। वह उन्हें पार्टनर मानते हैं। यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें 30 प्रतिशत हिस्सा मिले। इसके अलावा, अगर कर्मचारी एक नई कार जोड़ते हैं तो उन्हें कमाई से 70 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलती है। इस अनोखे दृष्टिकोण ने न केवल ड्राइवरों को प्रेरित किया है बल्कि अधिक ग्राहकों और कारों को आकर्षित करके कंपनी की सफलता में भी योगदान दिया है ताकि अधिक लाभ प्राप्त हो सके।

अब स्पैम कॉल और मैसेज नहीं करेंगे परेशान, ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियों को जारी की गाइडलाइंस

नई दिल्ली, एजेंसी। लोगों को रोजाना अनचाहे कॉल और मैसेज का सामना करना पड़ता है, जिससे उन्हें न केवल असुविधा होती है, बल्कि कई बार उनके साथ धोखाधड़ी भी

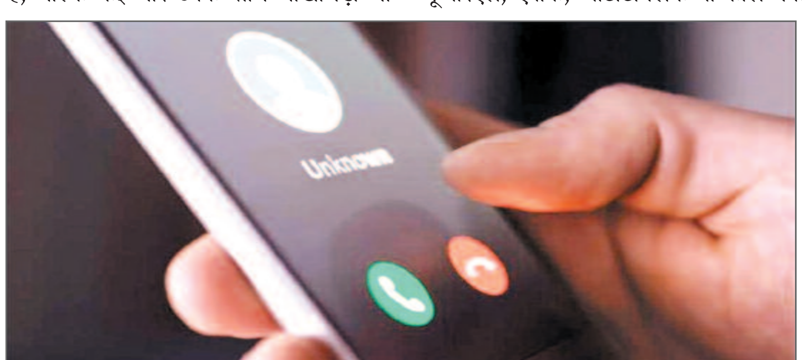

हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने मंगलवार को नई गाइडलाइंस जारी की हैं। इन गाइडलाइंस के अनुसार, अब सभी टेलीमार्केटिंग कॉल्स को 140 सीरीज में माइग्रेट करना अनिवार्य होगा ताकि इनकी बेहतर मॉनिटरिंग और नियंत्रण किया जा सके। इसके लिए सभी टेलीकॉम कंपनियों को 30 सितंबर तक का समय दिया गया है। इसके अलावा, 1 सितंबर से किसी भी मैसेज में यूआरएल, एपीके, ओटीटी लिंक या कॉल बैक नंबर भेजने की अनुमति नहीं होगी।
ट्राई ने कहा है कि मैसेज भेजने और रिसीव करने वाले दोनों की पूरी जानकारी टेलीकॉम कंपनियों के पास होनी चाहिए। इसके लिए सभी टेलीकॉम कंपनियों को अपने सिस्टम को अपग्रेड करना होगा। 1 नवंबर, 2024 से हर मैसेज के लिए यह जानकारी अनिवार्य हो जाएगी। अगर किसी मैसेज में यह जानकारी नहीं मिलती है, तो उसे रिजेक्ट करना होगा।
इसके साथ ही, ट्राई ने यह भी निर्देश दिया है कि गलत कैटेगरी में रजिस्टर्ड कंटेंट टेम्पलेट को ब्लैकलिस्ट किया जाए। यदि कोई बार-बार गलती करता है, तो उसे एक महीने के लिए सस्पेंड किया जा सकता है। कंटेंट टेम्पलेट को सभी गाइडलाइन्स का पालन करना अनिवार्य होगा और सिंगल कंटेंट टेम्पलेट को कई हेडर्स के साथ नहीं जोड़ा जा सकेगा।
मैसेज भेजने वाले और रिसीव करने वाले की पूरी जानकारी रखनी होगी - ट्राई ने कहा है कि मैसेज को लेकर सभी टेलीकॉम कंपनियों को अपना सिस्टम दुरुस्त करना पड़ेगा। 1 नवंबर, 2024 से हर मैसेज को भेजने वाले और रिसीव करने वाले की पूरी जानकारी उनके पास होनी चाहिए। यदि किसी भी मैसेज में यह जानकारी नहीं है तो उसे रिजेक्ट करना होगा। ट्राई ने कहा है कि गलत कैटेगरी में रजिस्टर्ड कंटेंट टेम्पलेट को भी ब्लैकलिस्ट करना होगा। कई बार गलती करने वाले को एक महीने के लिए सस्पेंड करना होगा। कंटेंट टेम्पलेट में सभी गाइडलाइन्स का पालन करना होगा।

स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी को मिला 3608 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज शुरुआती कारोबार में ही 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर आज 438.35 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी ने शेयर बाजार को बताया है कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी को 3,608.52 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है।
जीनस पावर का मार्केट कैप बढ़कर 13,315.08 करोड़ रुपये हो गया। जीनस पावर के शेयरों ने दो वर्षों में 437.67 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। एक साल में इस शेयर ने 105 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। तीन साल में स्टॉक 580 प्रतिशत बढ़ गया। तकनीकी के संदर्भ में, जीनस पावर का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) 69.5 पर है, जो दर्शाता है कि यह न तो ओवरबॉट और न ही ओवरसोल्ड जोन में कारोबार कर रहा है। जीनस पावर स्टॉक 5 दिन, 10 दिन, 20 दिन, 30 दिन, 50 दिन, 100 दिन और 200 दिन के मूविंग औसत से अधिक पर कारोबार कर रहा है। 14 मार्च, 2024 को जीनस पावर के शेयर 52-सप्ताह के निचले स्तर 204.60 रुपये पर गिर गए थे। जीनस पावर स्टॉक का एक साल का बीटा 0.6 है, जो इस अवधि के दौरान बहुत कम अस्थिरता का संकेत देता है। ऑर्डर एडवांस्ड मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर्स (एएमआईएसपी) की नियुक्ति के लिए हैं, जिसमें लगभग 4.26 मिलियन स्मार्ट प्रीपेड मीटर की एफएमएस के साथ सप्लाई, स्थापना और कमीशनिंग के साथ एडवांस मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर (एएमआई) सिस्टम का डिजाइन, रिलेटेड एनर्जी अकाउंटिंग के साथ डीटी मीटर सहित सिस्टम मीटर शामिल हैं।

जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर जितेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा, हमारी कंपनी ने 3,608.52 करोड़ रुपये (करों को छोड़कर) के तीन नए ऑर्डर हासिल किए हैं। इन हालिया ऑर्डरों के साथ, सभी एसपीवी और जीआईसीसी प्लेटफॉर्म सहित हमारी कुल ऑर्डर बुक लगभग 28,000 करोड़ रुपये (करों का शुद्ध) है। हम कंपनी की मजबूत भविष्य की वृद्धि, क्वालिटी, इनोवेशन और ग्राहक सेटिस्फेक्शन के हाई स्टैंडर्ड को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं।

सिंकिफील्ड कप शतरंज

गुकेश और डिंग लीरेंन के बीच बेनतीजा रही बाजी

सेंट लुईस, एजेंसी। ग्रांड चैस टूर के अंतिम पड़ाव और ग्रांड फिनाले सिंकफील्ड कप क्लासिकल शतरंज सुपर ग्रांड मास्टर्स टूर्नामेंट के पहले राउंड मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लीरेन और भारत के डी गुकेश के बीच मुकाबला खेला गया , सफेद मोहोरो से खेलते हुए डिंग नें इटेलिअन ओपनिंग में खेल की अच्छी शुरुआत की और जबाब में गुकेश नें भी सटीक चाले चलते हुए 17 चालों तक खेल बराबरी पर रखा.

हालांकि इसके बाद गुकेश नें अपने स्वभाव अनुसार थोड़ा खतरा उठाते हुए केंद्र के प्यादो से डिंग पर बड़त बनाने की कोशिश की पर डिंग नें गुकेश के राजा पर हमला करते हुए 19 चाल तक गुकेश पर दबाव बनाने की कोशिश की हालांकि अंत में कुछ खास ना होते देख 22वीं चाल में डिंग नें पहले अपना ऊंट और फिर 23वीं चाल में अपना हाथी कुर्बान करते हुए गुकेश को राजा को अपने वजीर से लगातार शह देते हुए मैच को ड्रॉ करा लिया । नवंबर में होने वाली वि शतरंज चैंपियनशिप के ठीक पहले यह गुकेश और डिंग के बीच संभवतः आखिरी मुकाबला था । पहले दिन हुए मुकाबलों में सिर्फ एक परिणाम सामने आया जब अलीरेजा फिरौजा नें टॉप सीड यूएसए के फबियानों करूआना को मात देते हुए अपना पहला अंक बनाया । अन्य मुकाबलों में भारत के आर प्रज्ञानन्दा उज्बेकिसतान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से , रूस के यान नेपोमनिशी फ्रांस के मकसीम लागरेव से और यूएसए के वेसली सो नीदरलैंड के अनीश गिरि से बाजी ड्रॉ खेली । सिंकिफील्ड कप में कुल पुरुस्कार राशि 3 लाख 50 हजार डॉलर रखी गयी है, 19 अगस्त से शुरू हुआ यह टूर्नामेंट 28 अगस्त तक 10 खिलाड़ियों के बीच यह टूर्नामेंट राउंड रॉबिन आधार पर 9 राउंड में खेला जाएगा ।

जय शाह बनेंगे आईसीसी के नए बॉस!

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिलिंग के मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने 30 नवंबर को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद मंगलवार को तीसरे कार्यकाल की दौड़ से खुद को अलग कर लिया है. जिससे खेल की वैश्विक संचालन संस्था में भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं.शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक स्पष्ट हो जाएगा, जो चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है. आईसीसी चेयरमैन दो-दो साल के तीन कार्यकाल के लिए पात्र होता है और न्यूजीलैंड के वकील बार्कले ने अब तक 4 साल पूरे कर लिए हैं.आईसीसी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'आईसीसी के चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने बोर्ड को पुष्टि की है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए खड़े नहीं होंगे और नवंबर के अंत में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने पर पद छोड़ देंगे. बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी के स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था. उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया.'

बुमराह विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ मल्टी-फॉर्मेट गेंदबाज हैं : पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हाल के दिनों में विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ मल्टी-फॉर्मेट गेंदबाज हैं। 30 वर्षीय खिलाड़ी 2022 में अपनी चोटों के बावजूद एक बेहतर खिलाड़ी बनकर उभरा है। इस साल की शुरुआत में भारत के सफल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 अभियान में बुमराह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे और तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज (15 विकेट) रहे और टीम में सबसे किफायती गेंदबाज (4.17) थे। वह वनडे और टेस्ट में भी समान रूप से प्रभावी रहे हैं, 50 ओवर के प्रारूप में आठवें स्थान पर और लाल गेंद से जोश हेज़लवुड के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

बुमराह 2022 में पीठ की चोट से जूझते रहे - इसने उन्हें एशिया कप और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, मैंने इसे लंबे समय से कहा है, वह पिछले पांच या छह वर्षों से विश्व क्रिकेट में शायद सबसे अच्छा मल्टी-फॉर्मेट गेंदबाज है। 11 महीने तक बाहर रहने के बाद, बुमराह पिछले साल आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भारत की टीम में थे, जहां उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट की आधिकारिक आईसीसी टीम में पहुंचा दिया. पोंटिंग का मानना है कि चोटों के बावजूद बुमराह ने पहले से बेहतर वापसी की है। पोंटिंग ने कहा, कुछ साल पहले कुछ आशंकाएं रही होंगी जब चोटें आई थीं और क्या वह उसी तरह वापस आएगा?, लेकिन मुझे लगता है कि वह वास्तव में बेहतर तरीके से वापस आया है।अगर मैं देखूं कि उसने टी20 विश्व कप में क्या किया था ङ्क गति अभी भी है, सटीकता या वह जो दे सकता है उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। कौशल सेट सभी समान है. वह साल दर साल बेहतर होता जा रहा है। तो, वह वहीं ऊपर रैंक करेगा। अनुभवी बल्लेबाज ने बुमराह की तुलना तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा और जेम्स एंडरसन से की।

उन्होंने कहा, इन खिलाड़ियों पर वास्तविक आकलन पाने का सबसे अच्छा तरीका (अन्य) खिलाड़ियों से पूछना है और जब आप विशेष रूप से उसके (बुमराह) के बारे में विपक्षी बल्लेबाजों से बात करते हैं, तो यह हमेशा होता है, नहीं, वह एक बुरा सपना है! आप कभी नहीं जानते कि क्या होने वाला है। कोई स्विंग करेगा, कोई सीम करेगा, वह इन-स्विंगर गेंदबाजी करेगा, वह आउट-स्विंगर गेंदबाजी करेगा और निरंतरता वहां है।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने निष्कर्ष निकाला, तो जब आपके पास वह कौशल और वह निरंतरता है जो उसके पास है, तो आप एक महान खिलाड़ी बनने जा रहे हैं। (ग्लेन) मैक्ग्रा को देखो, (जेम्स) एंडरसन को देखो, ये लोग, उनकी लंबी उम्र और इतने लंबे समय तक टिके रहने में सक्षम उनका कौशल ही उन्हें बाकियों से अलग करता है।

मनु ने छात्रों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया, बोलीं- बन सकती है अच्छी जिंदगी

चेन्नई, एजेंसी। हरियाणा की 22 साल की निशानेबाज मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक अपने नाम किए। वह ओलंपिक के किसी एक सत्र में दो पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी हैं।

ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ स्वदेश लौटी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को एक स्कूल में सम्मानित होने के बाद छात्रों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे जिंदगी अच्छी बनाई जा सकती है। हरियाणा की इस 22 साल की निशानेबाज ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक अपने नाम किए। वह ओलंपिक के किसी एक सत्र में दो पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी हैं।

मनु ने कहा, टोक्यो ओलंपिक में निराशा मिलने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना काफी मुश्किल था। मैं उस समय विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थी लेकिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। मैं विफलता के बाद सफलता के स्वाद को जानती हूं। खेलों की यही खूबसूरती है। आप एक प्रतियोगिता में हारते है तो दूसरे में जीतते है। लेकिन ऐसा तभी होगा जब आप लगातार कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे।मनु ने युवा छात्रों से खेल को करियर विकल्प के रूप में अपनाने की सलाह देने के साथ बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमें बहुत कड़ी मेहनत और प्रयास करना चाहिए। यह हमेशा किसी बड़े लक्ष्य के साथ शुरू नहीं होता है, आपको इसे हासिल करने के लिए निरंतर काम करते रहना होता है।

17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

भारत के रौनक दहिया ने जीता कांस्य, ग्रीको-रोमन के 110 किग्रा वर्ग में मिला पदक

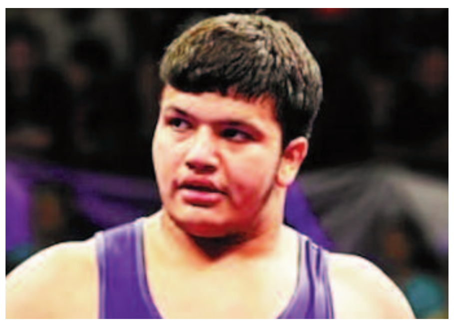

अम्मान (जॉर्डन), एजेंसी। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 110 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में कांस्य पदक जीता। कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में रौनक ने मंगलवार को चैंपियनशिप में तुर्किये के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हरा दिया। यह भारत का इस टूर्नामेंट में पहला पदक रहा। रौनक वर्तमान में अपने आयु-समूह भार वर्ग में दुनिया में दूसरे स्थान पर हैं।

इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता जेल्टन कजाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। अगर साईनाथ पारधी दो मुकाबले जीत जाते हैं तो भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरे पदक का मौका होगा।

बेदाग रहा उसैन बोल्ट का पूरा करियर, चीते जैसी रफ्तार देख हर कोई रह जाता था दंग

6

नई दिल्ली, एजेंसी। 100 मीटर की दौड़ हमेशा से ही ट्रैक और फील्ड में स्पीड और एथलेटिक स्किल का निर्णायक परीक्षण रही है। 100 मीटर का विश्व रिकॉर्ड रखने वाले तेज-तर्रार एथलीट को दुनिया के सबसे तेज व्यक्ति के रूप में पहचाने जाने का सम्मान मिलता है। वर्तमान में 100 मीटर का विश्व रिकॉर्ड 2009 से कायम है, जब जमैका के सुपरस्टार उसैन बोल्ट ने बर्लिन विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 9.58 सेकंड के समय में यह दौड़ लगाकर इतिहास रचा था।

21 अगस्त 1986 को जन्मे उसैन बोल्ट ने अपना 38वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनसे जुड़े कुछ दिलचस्प रिकॉर्ड, किस्से और उनके करियर पर एक नजर डालते हैं। 11 बार के विश्व चैंपियन का जन्म जमैका के ट्रेलानी में हुआ था और उन्होंने अपने नाम के अनुरूप ही शुरुआत से ही बिजली की गति का प्रदर्शन किया। ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में बोल्ट की दौड़ देखने के लिए स्टेडियम उनके फैंस से खचाखच भरा रहता था। फर्राटा धावक अक्सर डोपिंग केस में लिप्त पाए जाते हैं, लेकिन बोल्ट का पूरा करियर बेदाग रहा।

बोल्ट ने 2004 के एथेंस ओलंपिक में डेब्यू किया था, लेकिन चार साल बाद बीजिंग में उन्होंने ओलंपिक में चमत्कारी सफलता हासिल की थी। जहां उन्होंने 100 मीटर, 200 मीटर और 4×100 मीटर रिले में जीत हासिल की। जब वह 100 मीटर रेस में दौड़ते थे तो उनकी रफ्तार इतनी तेज होती थी कि वह अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी से लगभग 1 मीटर आगे रहते थे। उन्होंने लंदन 2012 और रियो 2016 खेलों में ओलंपिक ट्रिपल जीत को दोहराया, ऐसा करने वाले पहले ओलंपियन बने। बोल्ट लगातार तीन ओलंपिक में 100 मीटर और 200 मीटर जीतने वाले एकमात्र एथलीट भी हैं।

जीतने के बाद उनका जश्न मनाने का अंदाज निराला होता था। उसैन बोल्ट का प्रसिद्ध टू डि वर्ल्ड पोज पहली बार 2008 बीजिंग ओलंपिक में फेमस हुआ। दिग्गज धावक ने अपने शानदार करियर के दौरान 9 स्वर्ण पदक जीते, लेकिन अपने साथी नेस्टर कार्टर के डोपिंग उल्लंघन के कारण उन्हें बीजिंग 2008 के लिए अपना 4×100 मीटर पदक गंवाना पड़ा। विश्व के दिग्गज धावक उसैन बोल्ट हमेशा डोपिंग के खिलाफ रहे। उनका कहना था कि डोपिंग से एथलेटिक्स का खेल समाप्त हो जाएगा। उन्होंने अपने बयान में कहा था, ÷खिलाड़ियों में यह समझ होनी चाहिए कि अगर आपने कुछ गलत किया होगा, तो आप पकड़े जाएंगे। हालांकि, पिछले कुछ साल में डोपिंग को रोकने के लिए अच्छा काम किया जा रहा है। अब यह चीजें साफ हो रही हैं। आने वाले समय में खेल जगत में और भी सुधार होगा। बोल्ट ने 2017 में खेल से संन्यास ले लिया था, लेकिन उनका दबदबा अभी भी रिकॉर्ड बुक में दर्ज है। उनके नाम पुरुषों की 100 मीटर (9.58 सेकंड) और 200 मीटर (19.19 सेकंड) स्प्रिंट के लिए विश्व रिकॉर्ड है। वह जमैका की उस टीम का भी हिस्सा थे, जिसके पास 4×100 मीटर रिले का विश्व रिकॉर्ड है, जिसमें योहान ब्लेक, नेस्टा कार्टर और माइकल फ्रेटर भी शामिल थे। चारों ने 2012 लंदन ओलंपिक में 36.84 सेकंड का रिकॉर्ड बनाया था।

टी20 के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी होगी केएल राहुल की छुट्टी !

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज़ केएल राहुल का नाम धीरे-धीरे टीम इंडिया से गायब होता जा रहा है. टी20 टीम से पहले ही राहुल को दूर किया जा चुका है और अब उन्हें टेस्ट टीम से भी बाहर करने की प्लानिंग होती दिख रही है. भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज़ आकाश चोपड़ा ने समझाया कि कैसे केएल राहुल को टेस्ट टीम के बाहर किया जा सकता है.

बता दें कि 5 सितंबर से दिलीप ट्रॉफी खेली जानी है. इस ट्रॉफी में कई ऐसे भारतीय खिलाड़ी खेलते हुए दिखाई देंगे, जो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में धमाल मचा रहे हैं. दिलीप ट्रॉफी खेलने की लिस्ट में केएल राहुल का नाम भी शामिल है. बीसीसीआई ने दिलीप ट्रॉफी के लिए चार टीमों का एलान किया था, जिसमें केएल राहुल टीम ए का हिस्सा हैं. इस टीम में राहुल के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज़ ध्रुव जुरेल भी मौजूद हैं, जिस पर आकाश चोपड़ा ने चिंता जताते हुए चौंका देने वाला गणित समझाया. अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा, केएल राहुल दिलीप ट्रॉफी की उसी टीम में हैं, जिसमें ध्रुव जुरेल भी हैं. मुझे लगता है कि ध्रवु जुरेल विकेटकीपर के रूप में खेलेंगे जिसका मतलब केएल राहुल आपके टेस्ट विकेटकीपर नहीं होंगे.

टी20 टीम से हो चुकी है छुट्टी

भारतीय पुरुष टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने अपनी एक प्रेस कॉन्फ्रेस में कहा था कि सिलेक्शन कमेटी राहुल को टी20 टीम के सेटअप में फिलहाल नहीं देख रही है. राहुल को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भी नहीं चुना गया था. इसके अलावा श्रीलंका दौरे पर हुई टी20 सीरीज़ से भी राहुल का नाम गायब था. राहुल ने टीम इंडिया के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नवंबर, 2022 में खेला था, जो 2022 टी20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल था. अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या राहुल की टी20 में वापसी होती है या फिर उनकी हमेशा के लिए छुट्टी हो गई.

स्मिथ ने लिया चैलेंज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को हराकर इतिहास रचेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 की शुरुआत होने जा रही है. इस ट्रॉफी के लिए भारत ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा. ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने खुद को अपकमिंग बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए तैयार कर लिया है. उन्होंने पिछले एक दशक से भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाने की भरपाई के लिए इस सीरीज को जीतने की चुनौती ली है.

स्मिथ ने ट्रॉफी की रोमांचक होने की भविष्यवाणी की

इस बार 1991-92 के बाद पहली बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के तौर पर खेली जाएगी. स्टीव स्मिथ ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा कि इतनी लंबी सीरीज में हर टीम को खुद को साबित करना होता है. उन्होंने कहा- पांच मैचों की सीरीज में आप छिप नहीं सकते, जैसा कि आप शायद दो मैचों की सीरीज में कर सकते हैं. अगर कोई खिलाड़ी आप पर हावी हो जाता है तो वापसी करना मुश्किल हो सकता है. यह एक रोमांचक सीरीज होगी.

स्मिथ ने ली है सीरीज को जीतने की चुनौती

स्टीव स्मिथ के लिए यह सीरीज खास मायने रखती है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया पिछले दस सालों से भारत के खिलाफ ट्रॉफी जीतने में नाकाम रहा है. उन्होंने कहा- हम इस समय टेस्ट क्रिकेट में दो बेस्ट टीमें हैं. हमने पिछले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला था और वहां जीत हासिल की थी. इस बार हमें अपने ही घर में बाजी पलटनी होगी. हमें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीते हुए दस साल हो गए हैं, इसलिए इस साल हमें यह करना होगा.

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत का प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2014-15 में भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2-0 से जीती थी, लेकिन उसके बाद से वे लगातार चार सीरीज हार चुके हैं. इनमें से दो हार घर में हुई हैं- 2018-19 में विराट कोहली की टीम के खिलाफ और 2020-21 में अजिंक्य रहाणे की टीम के खिलाफ. 2023 में भी रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जीत लिया था.

प्रियंका चोपड़ा के होम प्रोडक्शन में बनी मराठी फिल्म पाणी

पूर्व मिस वर्ल्ड प्रियंका चोपड़ा अब एक ग्लोबल एक्ट्रेस के रूप में पहचानी जाती हैं। प्रियंका ने बॉलीवुड में कई सुपरहिट फिल्में देने के बाद हॉलीवुड का रुख किया। वह पति निक जोनास के साथ अमेरिका में सैटल हो चुकी हैं। प्रियंका अक्सर अपने पति और बेटी मालती मैरी के साथ सोशल मीडिया पर फोटो व वीडियो शेयर करती रहती हैं। प्रियंका पर्पल पेबल पिक्चर्स बैनर तले कई मूवीज का निर्माण भी कर चुकी हैं। अब उनके होम प्रोडक्शन में मराठी फिल्म 'पाणी' बनी है। प्रियंका ने मंगलवार (20 अगस्त) को इसकी रिलीज डेट का खुलासा कर दिया। इस मूवी को लेकर काफी समय से तैयारियां चल रही थीं। प्रियंका ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'पाणी' का मोशन टीजर रिलीज करते हुए बताया कि यह 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पर्पल पेबल पिक्चर्स के साथ-साथ राजश्री मराठी प्रोडक्शन ने भी इस फिल्म को बनाने के लिए साझेदारी की है।

निर्देशक आदिनाथ कोठारे की फिल्म हनुमंत केंद्रे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। वे किस तरह से अपने गांव में पानी की समस्याओं का निवारण करते हैं, वो इस फिल्म की स्टोरी को और भी असरदार बनाता है। इससे पहले पर्पल पेबल पिक्चर्स बैनर तले 'काय रे रास्कला' और 'फायरब्रांड' मूवी का निर्माण भी किया जा चुका है।

हमेशा सूर्या के साथ काम करना चाहता था: बॉबी देओल

कोविड-19 लॉकडाउन ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के उदय को गति दी और एक तरह से कई अभिनेताओं के करियर को फिर से लॉन्च किया। उनमें से एक बॉबी देओल हैं, जो वर्तमान में अपने करियर में दूसरी ज़िंदगी देख रहे हैं। वेब सीरीज़ और फ़िल्मों के साथ न केवल हिंदी इंडस्ट्री, बल्कि बॉबी सूर्या की कंगुवा और नंदामुरी बालकृष्ण की एनबीके 109 जैसी परियोजनाओं के साथ तमिल और तेलुगु फ़िल्म उद्योगों में भी अपना पुनर्जागरण कर रहे हैं।

बॉबी देओल ने इन अखिल भारतीय फिल्मों पर काम करने के अपने अनुभव पर चर्चा की, जिसमें उन्होंने बताया कि भारतीय सिनेमा का परिदृश्य कैसे विकसित हुआ है। बॉबी ने कहा, हर कोई एक बेहतरीन प्रोजेक्ट बनाना चाहता है, और यही हमारा सामान्य लक्ष्य है। चेन्नई या हैदराबाद या मुंबई में सेट पर होना अब ज़्यादा फ़र्क नहीं डालता। बॉबी ने खुलासा किया कि उन्होंने संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल की रिलीज़ से पहले ही कंगुवा के लिए साइन कर लिया था, जिसमें सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। अपने सह-कलाकार सूर्या के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए, बॉबी ने कहा, मैं हमेशा सूर्या के साथ काम करना चाहता था। वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं, और मैं कंगुवा की पेशकश पाकर उत्साहित था। तमिल फिल्म उद्योग से परिचित न होने के बावजूद बॉबी निर्देशक शिवा से प्रभावित थे, जिन्हें उन्होंने एक महान फिल्म निर्माता और बहुत ही सज्जन व्यक्ति बताया। वह एक टेडी बियर की तरह हैं, और उन्होंने इतनी बेहतरीन फिल्म बनाई है।

आलिया और शरवरी 24 अगस्त से शुरू करेंगी अल्फा

ऋतिक रोशन के भी शामिल होने की संभावना

बॉलीवुड अभिनेत्रियाँ आलिया भट्ट और शरवरी वाघ अपनी एक्शन से भरपूर जासूसी थ्रिलर, अल्फा के कश्मीर शेड्यूल की शुरुआत करके एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। फिल्म में बहादुर खुफिया अधिकारियों की भूमिका निभाने वाली यह जोड़ी कश्मीर के लुभावने परिदृश्यों में डूबी हुई दिखाई देगी, जहाँ वे 24 अगस्त से कुछ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग करेंगी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, आलिया और शरवरी 24 अगस्त से कश्मीर में शूटिंग करेंगी। टीम ने एक्शन सीक्वेंस की सावधानीपूर्वक योजना बनाई है, और एक विशेष कैमियो के लिए ऋतिक रोशन के उनके साथ जुड़ने की भी संभावना है। पहला बड़ा एक्शन सीक्वेंस शरवरी के किरदार को बॉबी देओल के खिलाफ खड़ा करेगा, जो एक शानदार विजुअल होने का वादा करता है। दिलचस्प बात यह है कि ऋतिक रोशन का किरदार कबीर भी आगामी फिल्म में दिखाई देगा, जहां वह आलिया भट्ट के किरदार का मार्गदर्शन करेंगे। शिव रवैल द्वारा निर्देशित इस फिल्म को जासूसी शैली में एक बड़ा तमाशा माना जा रहा है। आलिया और शरवरी दोनों ने निडर एजेंट के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है। सूत्र ने बताया, अल्फा में आलिया का किरदार कई स्तरों वाला है, जो कई सालों तक फैला हुआ है। यह उनके लिए चुनौतीपूर्ण लेकिन रोमांचक भूमिका है। अनिल कपूर भी फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, सूत्र ने स्पष्ट किया कि अनिल के किरदार में शारीरिक परिवर्तन हो रहा है, लेकिन कश्मीर शेड्यूल में बॉबी देओल की भागीदारी की पुष्टि होना अभी बाकी है। जैसे-जैसे टीम कश्मीर शेड्यूल के लिए तैयार हो रही है, अल्फा को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। शिव रवैल द्वारा निर्देशित अल्फा 2025 में रिलीज होगी।

भारती की इस बात से प्रभावित हैं अक्षय

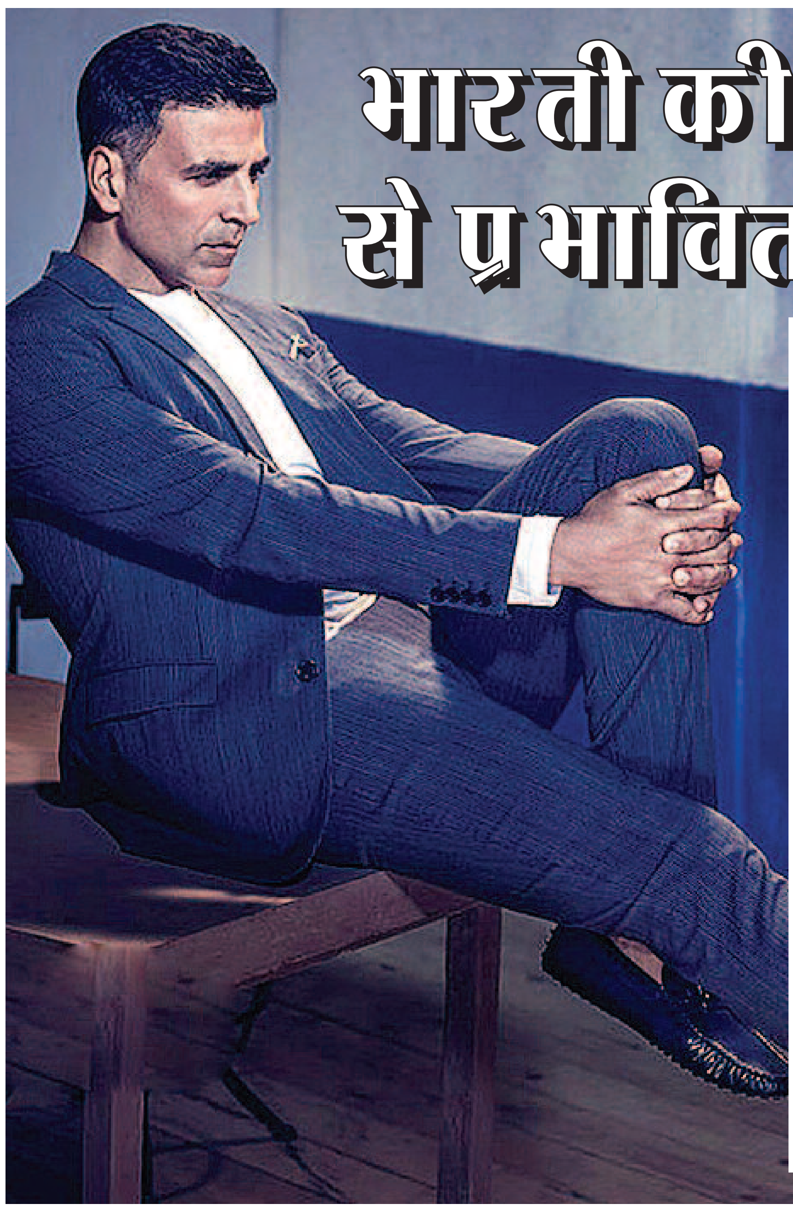

कलर्स टीवी पर प्रसारित हो रहा शो लाफ्टर शेफ्स दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। शो के दौरान होने वाले हंसी-मजाक और मस्ती ने दर्शकों को काफी आकर्षित किया है। शो में अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, जन्नत जुबैर,अर्जुन बिजलानी, करण कुंद्रा, कश्मीरा शाह, कृष्णा अभिषेक, निया शर्मा और सुदेश लहरी जैसे कई सितारे नजर आए हैं। शो को मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह होस्ट करती हैं। हाल में ही फिल्म खेल खेल में की टीम भी इस शो में पहुंची थी। कुकिंग और कॉमेडी का यह अनूठा मिश्रण वाला शो तेजी से दर्शकों के बीच अपनी पैठ बनाता जा रहा है। ये शो इस साल का सबसे ज्यादा देखे जाने वाला नॉन-फिक्शन शो बनकर उभरा है। बीते कुछ समय में इस शो को दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और स्त्री 2 अभिनेत्री श्रद्धा कपूर सहित कई मशहूर हस्तियों से तारीफें मिली हैं। इसके नवीनतम एपिसोड में अक्षय कुमार ने भी भारती के साथ काफी मस्ती की है और एक खास बात के लिए उनकी तारीफ भी की है। शो के नए एपिसोड में अक्षय कुमार अपनी हालिया रिलीज फिल्म खेल खेल में की स्टारकास्ट के साथ पहुंचे थे। इनमें वाणी कपूर, फरदीन खान, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल शामिल थे। शो के दौरान सभी ने काफी मौज-मस्ती की। वहीं, अक्षय और भारती के बीच हुई एक दिलचस्प बातचीत ने सबका ध्यान आकर्षित किया। अभिनेता ने भारती को गले लगाते हुए उनके वजन घटाने को लेकर उनकी तारीफ की।

भारती सिंह ने कहा कि उन्होंने

रक्षाबंधन पर अपने भाइयों को लूटा

ऐसा लगता है कि स्टार स्टैंडअप कॉमेडियन भारती सिंह अब और अमीर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के मौके पर उन्होंने अपने भाइयों को जमकर लूटा है। भारती लाफ्टर शेफ अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के सेट पर मौजूद पत्रकारों से बात कर रही थीं।

उन्होंने कहा, मैंने बहुत कमाया। पंजाब से अपने भाइयों और यहां के कुछ भाइयों को कई तरह से लूटा। मुझे लगता है कि हमें भाइयों से उपहार की मांग नहीं करनी चाहिए क्योंकि उन्हें नहीं पता कि क्या लेना है। अगर वे नकद दें तो बेहतर है। इसके बाद वह फोटोग्राफरों से मजाक करती नजर आईं, जिन्होंने कहा कि वे भी उनके भाई हैं। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि उन सभी को उन्हें 500 रुपए देने होंगे।

शो में कृष्णा ने भारती को मनोरंजन जगत में अपनी एकमात्र बहन बताया। भारती ने कहा कि, कृष्णा और मैं एक अनोखा बंधन साझा करते हैं। हम मंच पर और मंच से बाहर दोनों जगह लोगों को हंसाते हैं।

भाई-बहनों की तरह हम एक-दूसरे को बेरहमी से चिढ़ाते हैं, लेकिन जब जरूरत होती है तो हम हमेशा मौजूद रहते हैं। हमारा रिश्ता शब्दों से परे है। हम एक-दूसरे को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, जबकि हम चीजों को हल्के-फुल्के अंदाज में रखते हैं। हालांकि इंडस्ट्री में मेरे कई दोस्त हैं, लेकिन कृष्णा और मेरे बीच जो रिश्ता है, वह वाकई खास है। शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा जज किए गए इस शो में एली गोनी, अर्जुन बिजलानी, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, रीम शेख, जन्नत जुबैर रहमानी, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, सुदेश लहरी, कश्मीरा शाह और निया शर्मा शामिल हैं। भारती ने दिसंबर 2017 में शो होस्ट हर्ष लिंबाचिया से शादी की थी। दोनों यूट्यूब चैनल भारती टीवी पर एलओएल पॉडकास्ट होस्ट करते हैं। उनका एक बेटा भी है जिसका नाम गोला है, जिसका जन्म 2022 में हुआ था। भारत की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक भारती, स्टैंडअप कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज में द्वितीय रनर-अप रहीं।

कॉल मी बे के ट्रेलर में अनन्या पांडे का दिखा जलवा

काफी इंतजार के बाद अपकमिंग स्ट्रीमिंग शो कॉल मी बे का ट्रेलर आ गया और यह कहना गलत नहीं होगा कि बे यहां धमाल मचाने के लिए तैयार है। मंगलवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में एक 5 सितारा होटल में ट्रेलर का अनावरण किया गया। सीरीज में अभिनेत्री अनन्या पांडे का बे नाम का किरदार उन चीजों के इर्द-गिर्द घूमता है, जो जिंदगी उस पर फेंकती है। बे दिल्ली के एक संपन्न परिवार से है और बहुत ही सुरक्षित माहौल में पली-बढ़ी हैं, लेकिन कुछ कारणों से उसे बॉम्बे जाना पड़ा, जो दर्शकों को शो में देखने को मिलेगा।

ट्रेलर बहुत मजेदार, चमकदार है। इसमें वो डायलॉग भी है जो गहराइयां के सह-अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने उन्हें संघर्ष के बारे में बताया था। सीरीज में वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज बे के जीवन की एक झलक पेश करती है। वह मुंबई शहर में अपनी पूरी ताकत के साथ संघर्ष करती है। सीरीज के बारे में बात करते हुए अनन्या ने कहा, शुरू से ही, मुझे पता था कि कॉल मी बे एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसका मैं हिस्सा बनना चाहती थी। स्क्रिप्ट सुने बिना भी मुझे पता था कि यह कुछ खास होने वाला है। एक एक्टर के रूप में, बे जैसा बहुस्तरीय किरदार निभाना हमेशा रोमांचक और अच्छा होता है। बे में जो दिखता है उसके अलावा और भी बहुत कुछ है और यही चीज उसकी यात्रा को सम्मोहक और दिलचस्प बनाती है। चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, वह खुद के प्रति सच्ची रहती है, अपनी मासूमियत और जीवन के प्रति उत्साह बरकरार रखती है। उन्होंने साझा किया कि कहानी की प्रामाणिकता ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया। यह उनकी पहली लंबे प्रारूप वाली मूल सीरीज है।

अभिनेत्री ने आगे उल्लेख किया, मैं सीरीज के लिए प्राइम वीडियो और धर्माटिक एंटरटेनमेंट के साथ सहयोग करने को लेकर रोमांचित हूं और मैं दुनिया भर के दर्शकों के सामने बे को पेश करने के लिए उत्सुक हूं। सीरीज कोलिन डीकुन्हा द्वारा निर्देशित और इशिता मोइत्रा द्वारा बनाई गई है, जिन्होंने समीना मोटलेकर और रोहित नायर के साथ सीरीज लिखी है। फिल्म को फाइनेंस करण जौहर ने किया है। उन्होंने कहा, ऐसी कई कहानियां हैं जो अमीर-से-अमीर की कहानी का अनुसरण करती हैं। कॉल मी बे इस शैली में एक नया आयाम पेश करती है। यह एक अच्छे से पली बढ़ी युवा महिला पर केंद्रित है, जो फिजूलखर्ची करती थी, जिसे अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण अब अपने दम पर जीना होगा और मुंबई जैसे शहर में खुद को स्थापित करना होगा।

रणदीप हुड्डा, सनी देओल एक्शन एंटरटेनर एसडीजीएम में शामिल हुए

अभिनेता सनी देओल ने हाल ही में अपनी अगली फिल्म की घोषणा की, जिसका नाम एसडीजीएम रखा गया है, जिसे जाहिर तौर पर जट्ट भी कहा जाता है। गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक धमाकेदार एक्शन फिल्म होने का वादा करती है। पीपल मीडिया फैक्ट्री के सहयोग से माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी हैं। अब, रणदीप हुड्डा भी कलाकारों में शामिल हो गए हैं।

इस एक्शन से भरपूर वेंचर में देओल के साथ रणदीप हुड्डा भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। हुड्डा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया, इस एक्शन दावत का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं - पाजी और पूरी टीम के साथ सेट पर आने का इंतजार नहीं कर सकता। जैसा कि वादा किया गया था, यह एक सामूहिक दावत होगी। सनी देओल कथित तौर पर एक ऐसे किरदार को निभाएंगे जो जट्ट के सार को दर्शाता है - एक शब्द जो ताकत, वीरता और एक अडिग भावना का पर्याय है। जट्ट शीर्षक को देओल के शक्तिशाली ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व को दर्शाने के लिए सावधानी से चुना गया था, क्योंकि वह अपनी प्रतिष्ठित छवि को दिखाने के लिए डिज़ाइन की गई भूमिका में कदम रखते हैं।

फिल्म को मैराथन शूटिंग शेड्यूल के लिए स्लेट किया गया है, जो सितंबर 2024 की शुरुआत में खत्म होने की उम्मीद है। संगीतकार एस थमन फिल्म का संगीत तैयार करेंगे।

फिल्म के सिनेमैटोग्राफर ऋषि पंजाबी इस एक्शन से भरपूर ड्रामा में अपनी विजुअल स्टोरीटेलिंग विशेषज्ञता लाते हैं, जबकि अविनाश कोला कला निर्देशक के रूप में काम करते हैं। देओल के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। वह वर्तमान में आमिर खान द्वारा निर्मित और राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित लाहौर 1947 पर काम कर रहे हैं, जिसमें प्रीति जिंटा और देओल के बेटे करण देओल भी हैं।

उर्फी ने लिखी डिजिटल स्टार के रुप में नई कहानी

अपनी बोल्ड और अनोखी फैशन स्टाइल के लिए मशहूर डिजिटल स्टार उर्फी जावेद ने अपने कमाल के सफर में एक नया मुकाम हासिल किया है। उर्फी अमेज़न प्राइम वीडियो पर अपना खुद का रियलिटी शो जिसका नाम फॉलो कर लो यार है, लॉन्च करने वाली पहली कंटेंट क्रिएटर बन गई हैं। उर्फी जावेद ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो में एक एक्ट्रेस के रूप में की थी और 2021 में बिग बॉस में आने के बाद उन्होंने काफी लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। इस तरह से उन्होंने जल्दी ही महसूस किया कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म उन्हें बड़े दर्शकों से जुड़ने में मदद कर सकता है। उर्फी के अनोखे स्टाइल और निडर सेल्फ-एक्सप्रेशन ने उन्हें सोशल मीडिया पर स्टैंडआउट बनाया जहां उन्होंने एक बड़ी फॉलोइंग बनाई। डिजिटल इन्फ्लुएंसर के रूप में उनकी तेजी से बढ़ती पॉपुलैरिटी दिखती है कि कैसे उन्होंने हमेशा सीमाओं को आगे बढ़ाया है और ऑनलाइन ट्रेंड सेट किए हैं।

फॉलो कर लो यार एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक बड़ा बदलाव दिखाता है जहां डिजिटल क्रिएटर्स मेनस्ट्रीम की फेम से भरी दुनिया में आ रहे हैं। उर्फी इस बदलाव को लीड कर रही हैं और दूसरे डिजिटल क्रिएटर्स को रास्ता दिखा रही हैं कि वे कैसे इंटरनेट से आगे बढ़ सकते हैं और एंटरटेनमेंट की दुनिया में सफल हो सकते हैं।

सोनाक्षी बेच रही हैं अपना घर!

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ अपने बांद्रा स्थित घर पर शादी की और अब, सोनाक्षी इस फैंसी अपार्टमेंट को बेच रही हैं। रियल एस्टेट इंस्टाग्राम हैंडल द्वारा अपार्टमेंट का वीडियो शेयर किया गया और नेटिज़ेंस ने तुरंत पहचान लिया कि ये सोनाक्षी सिन्हा का घर है। सोनाक्षी और ज़हीर की शादी की तस्वीरों में भी यह घर नजर आया था। बताया जाता है कि अपार्टमेंट में एक निजी लिफ्ट है और इसके अंदरूनी हिस्से की कीमत 5 करोड़ रुपये है। वीडियो घर की कीमत के साथ समाप्त होता है, जो 25 करोड़ रुपये है।

साभार-एजेंसी